mukhyadhara.daily@gmail.com +91 9142412511

हिन्दी दैनिक

RNI : JHAHIN/2014/54374

राष्ट्रीय मुख्यधारा

अख़बार भी, आन्दोलन भी

www.rashtriyamukhyadhara.com

बोकारो, गुरूवार
25 .4.2024
पृष्ठः 12, मूल्य 2/-
वर्ष : 11, अंक : 82

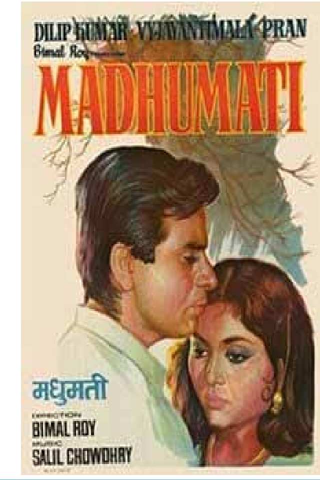

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित : देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

कांग्रेस नहीं चाहती कि आपकी मेहनत से जुटाई संपत्ति आपके बच्चों को मिले

- छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस को घेरा
- भारत शक्तिशाली हुआ तो कई दुकाने बंद हो जाएंगी

कांग्रेस के कुशासन से देश बर्वाद होता रहा

राष्ट्रीय मुख्यधारा। नई दिल्ली

पूरे देश में ताबड़तोड़ चुनावी सभाएं कर रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कांग्रेस पर जमकर निशाना साध रहे हैं। वे जहां भी जाते हैं वहां उनके निशाने पर कांग्रेस प्रमुखता से होती है। बुधवार को छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में भी पीएम मोदी ने चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस कहती है कि वो माता-पिता से मिलने वाली विरासत पर भी टैक्स लगाएगी। आप जो अपनी मेहनत से संपत्ति जुटाते हैं, वो आपके बच्चों को नहीं मिलेगी। वो भी कांग्रेस का पंजा आपसे छीन लेगा। मोदी ने कहा कि कांग्रेस का ये मंत्र आपकी संपत्ति छीन लेगा, आपको लूट लेगा। कांग्रेस का मंत्र है, जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी। जब तक आप जीवित रहेंगे, कांग्रेस आपको ज्यादा टैक्स से मारेगी। जिन लोगों ने पूरी कांग्रेस पार्टी पैतृक संपत्ति मानकर अपने बच्चों को दे दी, वो नहीं चाहते कि सामान्य भारतीय अपने बच्चों को दें। उन्होंने कहा कि जब मैं विकसित भारत कहता हूं, तो कांग्रेस वालों का और दुनिया की कुछ ताकतों का माथा गरम हो जाता है। अगर भारत शक्तिशाली हो गया तो कुछ ताकतों का खेल ही बिगड़ जाएगा। भारत आत्मनिर्भर बन गया तो कुछ ताकतों की दुकान बंद हो जाएगी। इसलिए वे भारत में कांग्रेस और इंडी गठबंधन की कमजोर सरकार चाहते हैं। कांग्रेस का इतिहास सत्ता के लालच में देश को तबाह करने का रहा है।

कांग्रेस को बताया लापरवाह : पीएम ने कहा कि सत्ता के लालच में कांग्रेस देश को तबाह करने में लगी रही। देश में आतंकवाद किसके कारण फैला? देश में नक्सलवाद किसके कारण बढ़ा। कांग्रेस का कुशासन और लापरवाही, यही कारण है कि देश बर्बाद होता रहा। आज भाजपा नक्सलवाद और आतंकवाद के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई कर रही है। बाबा साहब अंबेडकर के नेतृत्व में यह तय किया गया था, कि भारत में धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होगा। आरक्षण होगा तो दलित, आदिवासी भाइयों के नाम पर होगा, लेकिन वोट बैंक की भूखी कांग्रेस ने इन महापुरुषों की परवाह नहीं की। बाबा साहब अंबेडकर के शब्दों की परवाह नहीं की।मोदी ने कहा कि शाही परिवार के सलाहकार ने कुछ समय पहले कहा था कि मिडिल क्लास पर ज्यादा टैक्स लगना चाहिए। अब ये लोग उससे भी एक कदम आगे चले गए हैं। अब कांग्रेस का कहना है कि वो माता-पिता से मिलने वाली विरासत पर भी टैक्स लगाएगी। आप जो अपनी मेहनत से संपत्ति जुटाते हैं, वो भी कांग्रेस का पंजा आपसे छीन लेगा।

प्रधानमंत्री ने स्वामी गौतमानंद को रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन का अध्यक्ष बनने पर बधाई दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को स्वामी गौतमानंद को रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन का अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वामी गौतमानंद से मुलाकात की अपनी एक पुरानी तस्वीर को साझा करते हुए एक्स पर लिखा, "रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन के अध्यक्ष के रूप में चुने जाने पर परम पूज्य स्वामी गौतमानंदजी महाराज को मेरी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। मुझे यकीन है कि वह हमारे समाज को अधिक ज्ञान और करुणा की ओर मार्गदर्शन करेंगे। उन्होंने आगे लिखा, "रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन का अनगिनत भारतीयों के जीवन में बहुत विशेष स्थान है। रामकृष्ण परमहंस, मां शारदा देवी और स्वामी विवेकानन्द के आदर्शों को और अधिक लोकप्रिय बनाने के उनके प्रयास उल्लेखनीय हैं।

मोदी जी को प्रधानमंत्री बनायेंगे तो भारत अर्थव्यवस्था में तीसरे नंबर पर होगी : नड्डा

राष्ट्रीय मुख्यधारा। भागलपुर

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बुधवार को भागलपुर के सैंडिस कंपाउंड में आयोजित चुनावी सभा में कहा कि दुनिया की अर्थव्यवस्था पिछड़ती जा रही है। भारत की अर्थ व्यवस्था लगातार आगे बढ़ रही है। आज हमारे देश की अर्थव्यवस्था पांचवें नंबर की बन गई है। जिस ब्रिटेन ने हम पर 200 साल राज किया। हमने उसको पछाड़कर भारत को पांचवें नंबर पर खड़ा कर दिया है। अगर आपने यहां के उम्मीदवार को जीता कर मोदी जी को प्रधानमंत्री बनायेंगे तो भारत तीसरे नंबर के अर्थव्यवस्था बन जाएगा। जेपी नड्डा ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में चाहे देश की राजनीति हो या प्रदेश की 10 सालों में बहुत परिवर्तन आया है। पीएम मोदी ने 10 सालों में आम आदमी की मानसिकता को बदल दिया है। मेरे बचपन के 20 साल बिहार में ही बीते हैं। पहले की स्थिति से हम अच्छी तरह वाकिफ हैं लेकिन आज बदलते बिहार, बदलता भागलपुर को अपनी आंखों से देख रहा हूं। यह बदलाव राजनीतिक सोच की वजह से हो पाया है। आज विकास की राजनीति हो रही है। बिहार राजनीतिक दृष्टि से बहुत ही सजग है। यहां के लोग देश और प्रदेश के प्रति अपने दायित्व से पीछे नहीं हटते हैं। जेपी नड्डा ने कहा कि गांव, गरीब, वंचित, शोषित, पीड़ित, किसान, मजदूर, महिला को नरेंद्र मोदी की नीतियों ने ताकत दिया है। सभा को उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, विधायक पवन यादव, इंजीनियर ललन पासवान, गोपाल मंडल, भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष कुमार ने संबोधित किया। मंच पर एनडीए प्रत्याशी अजय मंडल के अलावा एनडीए गठबंधन के नेतागण मौजूद थे। भाजपा अध्यक्ष ने आईएनडीआईए गठबंधन पर जमकर हमला बोला। जेपी नड्डा ने कहा कि हमारे विरोधियों में दो बातों का गठबंधन है। एक है परिवारवादी पार्टी का गठबंधन और दूसरा गठबंधन भ्रष्टाचारियों का है। ये लोग जिंदगी भर एक दूसरे के खिलाफ लड़ते रहे हैं लेकिन आजकल गलबहियां करते घूम रहे हैं। ऐसा इसलिए है, क्योंकि ये लोग भ्रष्टाचार के दलदल में डूबे हुए हैं। जेपी नड्डा ने फारुख अब्दुल्ला, उमर अब्दुल्ला से लेकर लालू, राबड़ी और तेजस्वी का नाम लेते हुए कहा कि ये सभी परिवार की पार्टी है। ये सिर्फ परिवार की ही नहीं बल्कि भ्रष्टाचार की भी पार्टी है। यह सब घोटालाबाज एक साथ मिल गए हैं। राहुल गांधी जमानत पर, सोनिया गांधी जमानत पर, संजय सिंह जमानत पर, लालू यादव जमानत पर, पी. चिदंबरम, कार्ति चिदंबरम जमानत सब जमानत पर हैं। अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन और आजम खान जेल में हैं। मीसा भारती, तेजस्वी और सारा परिवार बेल पर है। क्या ऐसे लोगों को आगे आने देना है। जो लोग भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ रहे थे आज वही भ्रष्टाचारी हो गए हैं। उनकी भ्रष्टाचारियों के साथ दोस्ती हो गई है। समय की आवाज है, बिहार के विकास की आवाज है, समय का तकाजा है कि आपकी उंगली को कमाल करना है। कमाल दिखा कर एक बार फिर से नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाइए।

ख़ास ख़बर

उत्तराखंड में 24 घंटे में जंगलों में आग की 46 घटनाएं

देहरादून। उत्तराखंड में बढ़ते तापमान के साथ जंगलों में आग लगने की घटनाओं में पिछले 24 घंटों में 46 घटनाएं हुई जिसमें 53.15 हेक्टेयर जंगल जलकर खाक हो गया। वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, इससे 1,09,700 रुपये की आर्थिक क्षति का आंकलन किया गया है। प्रदेश में एक नवंबर, 2023 से लेकर 23 अप्रैल 2024 तक आग की अब तक 477 घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें 570.07 हेक्टेयर जंगल जलकर राख हो गया और 12,40,151 रूपये का आर्थिक नुकसान पहुंचा है। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने मंगलवार को स्थिति की समीक्षा की तथा अधिकारियों को इसे रोकने के उपायों में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए सभी जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तथा वन अधिकारी शामिल हुए जबकि पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार, प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु और रंजीत कुमार सिन्हा मौजूद रहे। बैठक में मुख्य सचिव ने अधिकारियों से जंगल में आग की बढ़ती घटनाओं को रोकने के उपायों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जंगल में आग की सूचना मिलते ही तत्काल उसकी रोकथाम करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस संबंध में लोगों को जागरूकता करने को कहा ताकि जंगल में आग की घटनाओं को रोका जा सके।

सिसोदिया को झटका, 7 मई तक जेल में रहना होगा

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति से जुड़े सीबीआई के मामले में फिलहाल चार्ज फ्रेम नहीं करने की मांग को लेकर याचिका पर बुधवार को राउज एवेन्यू कोर्ट ने केंद्रीय जांच एजेंसी से जवाब मांगा है। वहीं कोर्ट ने मामले में मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 7 मई तक बढ़ा दी है। आरोपियों के वकील ने सुनवाई के दौरान कहा कि हमें कोर्ट रूम से वॉक आउट नहीं करना था। हम इसके लिए माफी मांगते हैं। जज ने नाराजगी जताकर कहा कि हमने पहली बार इस तरह का बर्ताव देखा है। आप दलील पूरी होते ही कोर्ट के बाहर चले गए। इस दौरान याचिकाकर्ता ने दलील दी कि जांच अब तक चल रही है। वहीं सीबीआई ने दलील का विरोध किया। याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट में सुनवाई के दौरान कहा कि मामले की सुनवाई के दौरान आईओ ने कहा था कि जांच तीन चार महीने में पूरी हो जाएगी, लेकिन अभी तक मामले में जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि कोर्ट के आदेश के बाद मामले में गिरफ्तारी हुई और 164 का बयान भी रिकॉर्ड किया गया। वहीं सीबीआई ने याचिका का विरोध कर कहा कि जितनी चार्जशीट दाखिल हुई है, उसी पर हम बहस करने को तैयार है। कोर्ट ने दलील सुनने के बाद कहा कि अभी तक हम याचिका की कॉपी नहीं मिली है।

ईरानी का रॉबर्ट वाड्रा पर तंज, जीजा जी आएंगें, घर के कागज छिपा लेना

अमेठी। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने बुधवार को अमेठी में एक चुनावी कार्यक्रम को संबोधित कर गांधी परिवार पर निशाना साधा है। केंद्रीय मंत्री ईरानी ने कहा, जीजा जी आएंगें, तब तिवारी जी कह रहे हैं कि घर के कागज छिपा लेना, क्योंकि जीजा जी की नजर पक्की है। केंद्रीय मंत्री ईरानी ने राहुल गांधी के जीजा रॉबर्ट वाड्रा पर निशाना साधकर कहा, तिवारी जी कह रहे हैं कि घर के कागज छिपा लेना, क्योंकि जीजा जी की नजर पक्की है। चाहे जीजा हो या साला, हर कोई यहां मोदी का मतवाला है। आज यहां ट्रामा सेंटर बना है, तब ये मोदी के कारण ही हुआ है। मोदी सरकार को दिल्ली भेजा, तब से अमेठी में हमने 1 लाख से ज्यादा घर बनवाए हैं। जो काम हमने पांच में कराए, जिसमें 2 साल कोरोना में निकल गए, तब तीन साल में जो काम हुआ वहां पिछले 15 साल में राहुल गांधी के सांसद रहते नहीं हुआ। स्मृति ने गांधी परिवार पर निशाना

साधकर कहा कि अगर सोनिया गांधी, राहुल, प्रियंका चाहते तब क्या गरीबों के घर में नल से जल, मकान आदि नहीं दिला सकते थे। कांग्रेस पार्टी ने घोषित किया है कि वे एक-एक व्यक्ति की कमाई का हिसाब करेगी, फिर सबकी संपत्ति ले लेगी और जिसे चाहेगी उस बांट देगी, हम सब जानते हैं कि कांग्रेस वालों ने जब एक बार संपत्ति ले ली तब सिर्फ अपनी जेब भरी है गरीब का पैसा कभी नहीं पहुंचाया।

भारतीय वायुसेना ने किया क्रिस्टल मेज 2 मिसाइल का परीक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा। नई दिल्ली

भारतीय वायुसेना ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के आसमान में हवा से सतह पर मार करने वाली नई बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। इस परीक्षण में मिसाइल ने तेज गति से टारगेट को सटीकता से हिट किया। इस मिसाइल का नाम है क्रिस्टल मेज 2 है। इजरायल की मिसाइल को प्यार से रॉक्स भी बुलाते हैं। मिसाइल टेस्टिंग के लिए वायुसेना ने अपने सबसे घातक फाइटर जेट सुखोई सू-30एमकेआई का इस्तेमाल किया था। परीक्षण के लिए अंडमान और निकोबार का चयन इसलिए हुआ था क्योंकि यहां पर तीनों सेनाओं का बेस है। इजरायल की यह मिसाइल भारत में ही बन रही है। इस मिसाइल को मेक इन इंडिया प्रोग्राम के तहत

250 किलोमीटर तक दुश्मन देशों में कर सकती है अटैक

बनाया जा रहा है। क्रिस्टल मेज 2 मिसाइल अपने पुराने वर्जन यानी क्रिस्टल मेज 1 से एकदम अलग है। इसकी रेंज 250 किलोमीटर है। यह स्टैंड ऑफ रेंज एयर-टू-सरफेस बैलिस्टिक मिसाइल हैं। यह उन टारगेट्स को भी निशाना बना सकती है, जो लगातार मूव कर रहे है। इसके अलावा दुश्मन की लंबी दूरी के राडार और एयर डिफेंस सिस्टम को नष्ट कर सकती है। क्रिस्टल मेज 2 की रेंज 250 किलोमीटर है। यानी हवा से सतह पर मार करने वाली यह लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है। मिसाइल का वजन करीब 1360 किलोग्राम है। 15 फीट लंबी मिसाइल का व्यास 21 इंच है। इसके विंग स्पैन की लंबाई 6.6 फीट है। यह सिंगल स्टेर सॉलिड रॉकेट इंजन के जरिए उड़ान भरती है।

सुखोई के साथ खतरनाक

सुखोई सू-30एमकेआई फाइटर जेट की लंबाई 72 फीट है। विंगस्पैन 48.3 फीट है। ऊंचाई 20.10 फीट है। इसका वजन 18,400 किलोग्राम है। इसकी अधिकतम स्पीड 2120 किमी प्रतिघंटा है। इसकी रेंज भी 3000 किलोमीटर है। बीच रास्ते में ईंधन मिल जाए, तब यह 8000 किलोमीटर तक जा सकता है। यह 57 हजार फीट की ऊंचाई तक उड़ान भर सकता है। सुखोई-30एमकेआई में 30एमएम की एक ग्रिजेव-शिपुनोव ऑटोकैनन लगी है। जो एक मिनट में 150 राउंड फायर करती है। यानी दुश्मन का विमान, ड्रोन या हेलिकॉप्टर बच नहीं सकते। इसमें 12 हार्ड प्वाइंट्स लगे हैं। यानी वे जगह जहां पर हथियार लगाया जाता है। इसमें 4 तरह के रॉकेट्स लगा सकते हैं।

पुतिन की सेना को मिलेगा नया ब्रह्मास्त्र एस-500 का परीक्षण हुआ सफल

मास्को। यूक्रेन युद्ध के बीच रूस की सेना को नया ब्रह्मास्त्र मिलने वाला है। रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू ने इसकी पुष्टि की है कि रूसी एयर डिफेंस फोर्सेस को एस-500 एयर और मिसाइल डिफेंस इस साल मिलेगा है। उन्होंने बताया कि इस सिस्टम में दो नए बदलाव भी किए गए हैं। शोइगू ने बताया कि यह अत्याधुनिक सस्टिम दो रूप में उपलब्ध होगा। पहला- बलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम और दूसरा- ज्यादा लंबी दूरी तक फाइटर जेट को मार गिराने वाले मिसाइल सिस्टम के रूप में दिया जाएगा। रूसी एस-500 मिसाइल सिस्टम को सबसे पहले साल 2015 में पेश किया गया था। इसके बाद से लगातार इसे डिजाइन किया जा रहा था और साल 2021 में इस ग्रीक देवता के नाम पर प्रोमेथस या गॉड ऑफ फायर नाम दिया गया था। साल 2021 के मई महीने में पुतिन ने इस बात की पुष्टि की थी कि एस-500 का टेस्ट किया गया है और यह सफल रहा है। हाल ही में रूसी सेना के हवाले से कहा गया था कि इस मिसाइल सिस्टम का बड़े पैमाने पर टेस्ट किया है। इस टेस्ट में रूसी सिस्टम ने हाइपरसोनिक मिसाइल को मार गिराने में अपनी काबिलियत का प्रदर्शन किया। इसके अलावा मिसाइल ने एक परमाणु सबमरीन से दागी गई क्रूज मिसाइल को भी मार गिराया था।

वरुण गांधी का पीलीभीत से टिकट काटा, अब रायबरेली से लड़ाना चाहती है भाजपा?

राष्ट्रीय मुख्यधारा। नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश की पीलीभीत से सिटिंग सांसद वरुण गांधी का भाजपा ने एक झटके में टिकट काट दिया। पार्टी का यह निर्णय संभवता पीलीभीत के लोगों को भी पसंद नहीं आया। फिर वरुण गांधी को कैसे रास आएगा। यही कारण है कि वरुण ने अपना दर्द बयां करते हुए क्षेत्र की जनता को भावुक चिट्ठी लिखी थी। इसमें उन्होंने लिखा था कि वह राजनीति में आम आदमी की आवाज उठाते रहेंगे चाहे इसकी कोई भी कीमत उठानी पड़े। वरुण ने लिखा था- मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे सालों तक पीलीभीत की महान जना की सेवा करने का मौका मिला। महज एक सांसद के तौर पर न हीं बल्कि एक व्यक्ति के

तौर पर भी मेरी परवरिश और मेरे विकास में पीलीभीत से मिले आदर्श और सरलता का बहुत बड़ा योगदान है। आपका प्रतिनिधि होना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है और मैंने हमेशा पूरी क्षमता के साथ आपके हित की आवाज उठाई है। अब खबर आ रही है कि वरुण को रायबरेली से भाजपा मैदान में उतार सकती है। चर्चा है कि रायबरेली लोकसभा सीट पर बीजेपी ने सर्वे करवाया था जिसमें प्रत्याशी के रूप में वरुण गांधी का नाम सबसे आगे उभर कर आया।

झारखंड के लोग खुद बनाते हैं अपनी राह : कल्पना सोरेन

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने विदेश में रहकर पढ़ाई पूरी करने वाले छात्र संजय को बधाई दी है। उन्होंने बुधवार को ट्वीट कर लिखा है खूब बधाई। कोई भी विपत्ति आए झारखंडी अपनी राह खुद बनाता है। उस राह पर चलकर अपनी मंजिल को भी पाता है। क्योंकि, झारखंडियों ने कभी झुकना सीखा ही नहीं है। कल्पना ने लिखा है कि हेमंत सोरेन से जेल में अपनी अगली मुलाकात में मैं आपकी उपलब्धि के बारे में उन्हें जरूर बताऊंगी। वो आपकी

इस उपलब्धि पर बहुत खुश होंगे। मुझे वह कहते थे कि झारखंड से 50 से अधिक आदिवासी, दलित, पिछड़ा और अल्पसंख्यक समाज के युवा विदेश में सौ फीसदी सरकारी खर्चे पर पढ़ाई के लिए जा चुके हैं। कुछ की तो विदेश में ही नौकरी भी लग गयी है। वह यह भी कहते थे कि देखना जब यह युवा विदेश में नई-नई जानकारी सीखेंगे तो उसका उपयोग वह अपने लिए, अपने परिवार के लिए, अपने गांव के लिए, अपने समाज के लिए, अपने झारखंड के लिए और देश के लिए कर पाएंगे और यह भी कि अब झारखंड पीछे मुड़कर नहीं देखेगा, आगे बढ़ने का यह जो कारवां शुरू हुआ है, वह बढ़ता ही जायेगा।

जोधपुर की सड़कों पर सुनहरी साड़ी गुलाबी पगड़ी पहनकर खुली जीप में निकलीं कंगना

राष्ट्रीय मुख्यधारा। जोधपुर

कभी बॉलीबुड में तो कभी अपने तीखे बयानों को लेकर चर्चा में रही भाजपा नेता कंगना रनौत अब जोधपुर में धूम मचा रहीं है। यहां चुनाव प्रचार के लिए आई कंगना गोल्डन साड़ी,गुलाब पगड़ी में खुली जीप से वोट मांगतीं नजर आई।अपने दो दिवसीय दौरे के तहत कंगना ने पश्चिमी राजस्थान को चुना है। यहां पार्टी के प्रचार की शुरुआत उन्होंने पाली और जोधपुर लोकसभा सीट से की। कंगना ने पाली में भाजपा प्रत्याशी पीपी चौधरी के समर्थन में चुनाव प्रचार किया है। इसके बाद शाम को कंगना जोधपुर पहुंचीं। यहां केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के समर्थन में उन्होंने रोड शो किया। यहां

कंगना खुले रथ पर सवार हुईं। रोड शो के दौरान कंगना भाजपा का झंडा लहराती रहीं। इस दौरान कंगना पर जमकर पुष्प वर्षा हुई। वहीं आतिशबाजी से आसमान भी रंगीन हो गया। रोड शो में आगे ऊंट चल रहे थे। रोड शो में जुटी भीड़ में भी इस दौरान पूरा जोश और उत्साह देखने को मिला। जोधपुर में रोड शो के दौरान कंगना जहां खुले रथ में उत्साहित दिखे। इस दौरान रथ के आगे लोग नृत्य करते चल रहे थे। इस दौरान बीजेपी के झंडे लिए भी लोग काफी उत्साहित दिखे। बता दें कि लोकसभा चुनाव के पहले चरण में राजस्थान में कम वोटिंग देखी है। कम वोटिंग को देखते हुए बीजेपी ने अब अपनी पूरी ताकत चुनाव प्रचार में झोंक दी है। इसके चलते जहां प्रधानमंत्री मोदी लगातार प्रदेश के दौरे कर रहे हैं। वहीं पार्टी के दूसरे स्टार प्रचारकर भी मैदान में उतर आए हैं। राजस्थान में बीजेपी के पक्ष में वोट मांगने के लिए बॉलीवुड एक्ट्रेस और हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से प्रत्याशी कंगना रनौत राजस्थान पहुंचीं।

संक्षिप्त समाचार

निःशुल्क हृदय रोग संबंधी जांच शिविर 26 अप्रैल को लगेगा

रांची। सीसीएल के केन्द्रीय अस्पताल गांधीनगर में 26 अप्रैल को हृदय रोग संबंधी निःशुल्क चिकित्सीय शिविर का आयोजन होगा। शिविर सुबह 9 बजे से शुरू होगी। इस चिकित्सीय शिविर में मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल नई दिल्ली के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. राजीव राठी (सीनियर इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट) हृदय रोग से ग्रसित मरीजों की जांच और चिकित्सीय सलाह देंगे। इस निःशुल्क हृदय संबंधित चिकित्सीय सलाह का राज्य के लोग लाभ उठा सकते हैं। मरीज के पास यदि पुराने इलाज की रिपोर्ट के पेपर हों तो उसे अवश्य अपने साथ लाएं। सीएमडी डॉ. बी. वीरा रेड्डी के निर्देश में सीसीएल ने अपने कर्मियों और हितधारकों के साथ-साथ समाज के हर वर्ग के लिए चिकित्सा सेवा मुहैया कराने के लिए कृतसंकल्पित है। इसके लिए सीसीएल द्वारा समय-समय पर देश के ख्याति प्राप्त विशेषज्ञ चिकित्सकों को आमंत्रित कर विभिन्न बीमारियों से संबंधित स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है, जिससे जरूरतमंद परिवारों को गंभीर बीमारी के अत्याधुनिक इलाज की सुविधा उनके घर के निकट ही प्राप्त हो सके।

हेमलाल मुर्मू बने झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केन्द्रीय कार्यकारिणी सदस्य हेमलाल मुर्मू को पार्टी का केन्द्रीय प्रवक्ता बनाया गया है। पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष शिबू सोरेन के निर्देश पर बुधवार को हेमलाल मुर्मू को प्रवक्ता बनाया गया। इस संबंध में पार्टी के महासचिव विनोद कुमार पांडे ने पत्र जारी किया है। यह नियुक्ति पत्र निर्गत होने के समय से ही तत्काल प्रभाव से लागू होगी।

सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत

रांची। जिले के खरसीदाग ओपी क्षेत्र के रिंगरोड स्थित डहुटोली में मंगलवार की देर रात अज्ञात वाहन की चपेट में आकर बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गयी। मृतक की पहचान सुजीत गंझू (18) और संदीप गंझू (17) के रूप में हुई है। सूचना पाकर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दोनों को अस्पताल ले गये। लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को बुधवार सुबह पोस्टमार्टम के लिए भेजा। साथ ही पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक भी जब्त कर ली। बताया जाता है कि सुजीत और संदीप बाइक से रिंगरोड होते हुए अपने गांव जा रहे थे। इसी दौरान डहुटोली में अज्ञात वाहन की अपनी चपेट में आकर दोनों की जान चली गयी। घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। सुजीत मजदूरी करता था और संदीप 10वीं का छात्र था। ग्रामीणों के अनुसार गांव में लड़की की शादी थी। दोनों कुछ सामान लेने गये थे। वहां से लौटने के दौरान यह हादसा हो गया।

रांची में नाबालिग को कुल्हाड़ी से मारकर जख्मी करने का आरोपित भेजा गया जेल

रांची। राजधानी के कांके थाना क्षेत्र में नौ साल के नाबालिग को कुल्हाड़ी से मारकर गंभीर रूप से जख्मी करने के मामले में पुलिस ने बुधवार को आरोपित विजय लोहार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। नाबालिग को रिम्स अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां उसकी स्थिति अब खतरे से बाहर बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार नाबालिग पर उसके पड़ोसी विजय लोहार ने घर में घुसकर कुल्हाड़ी से कई वार किया। इस हमले में नाबालिग गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घटना मंगलवार रात की है। कांके थाना प्रभारी रामकुमार वर्मा ने बताया कि बच्चे के पिता के साथ आरोपित विजय लोहार का कई वर्षों से कुछ बातों को लेकर विवाद चल रहा था। विजय लोहार शराब के नशे में धुत होकर नाबालिग के पिता को जान से मारने के लिए हाथ में कुल्हाड़ी लेकर गया था लेकिन वह घर में नहीं थे। नशे में विजय ने नाबालिग पर ही हमला कर दिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

झारखंड हाई कोर्ट ने डीटीओ-एसएसपी से रांची में अवैध रूप से चल रहे डीजल ऑटो-टोटो का मांगा ब्यौरा

रांची। झारखंड हाई कोर्ट में जनवरी 2022 में राजधानी के बिरसा चौक पर ऑटो से महिला की हुई मौत मामले में दाखिल शिव शंकर शर्मा की जनहित याचिका की सुनवाई बुधवार को हुई। कोर्ट ने मामले में ट्रांसपोर्ट सेक्रेटरी को प्रतिवादी बनाया है। कोर्ट ने उनसे पूछा कि रांची शहर में जो डीजल ऑटो और टोटो चल रहे हैं उनके पॉल्यूशन सर्टिफिकेट, फिटनेस आदि की जांच के लिए क्या कार्रवाई हुई? ऑटो और टोटो चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस की जांच के लिए क्या कार्रवाई की जाती है। कोर्ट ने इन सारे बिंदुओं पर तीन सप्ताह में ट्रांसपोर्ट सेक्रेटरी से जवाब मांगा है। कोर्ट ने डीटीओ रांची एवं एसएसपी रांची को भी शपथ पत्र दाखिल कर शहर में अवैध रूप से चलने वाले डीजल ऑटो एवं टोटो के संबंध में जवाब मांगा है। कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान सरकार के अधिवक्ता श्रीनु गणपती को फटकार लगाते हुए मौखिक कहा कि कोर्ट अभी गुजरते आपके साथ चलकर रांची शहर में बगैर ड्राइविंग लाइसेंस वाले चालक को डीजल ऑटो एवं टोटो को चलाते हुए दिखा सकती है। कोर्ट ने कहा कि रांची शहर में छोटे-छोटे बच्चे डीजल ऑटो और टोटो चलाते हैं। वे अचानक कहीं भी गाड़ी को मोड़ देते हैं, जिससे आए दिन दुर्घटना होती है। इनके पास कोई ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं होता है। कोर्ट ने मामले में डीएसपी ट्रैफिक द्वारा दाखिल शपथ पत्र पर असंतुष्टि जताई। साथ ही कहा कि शपथ पत्र में दी गई बातें हवा हवाई नहीं होनी चाहिए। धरातल पर ट्रैफिक सुधार के लिए काम हो रहा है यह दिखना चाहिए।

देवघर एम्स मामले में राज्य सरकार ने झारखंड हाई कोर्ट में कहा, मुहैया करा दी गई बिजली-पानी की सुविधा

रांची। झारखंड हाई कोर्ट में देवघर एम्स में बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर सांसद निशिकांत दुबे की जनहित याचिका की सुनवाई बुधवार को हुई। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से शपथ पत्र दाखिल कर बताया गया कि देवघर, एम्स में बिजली और पानी आदि की सुविधा उपलब्ध करा दी गई है, जो सुविधा बची है उन्हें भी शीघ्र मुहैया करा दिया जाएगा। फायर फाइटिंग के लिए तात्कालिक रूप से व्यवस्था की जा रही है। एम्स कर्मियों के बच्चों के लिए सेंट्रल स्कूल बनाने के लिए जगह चिह्नित कर दिया गया है, वहां जल्द सेंट्रल स्कूल खोला जाएगा। कोर्ट ने राज्य सरकार के जवाब पर एम्स, देवघर को प्रतिउत्तर दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई दो मई निर्धारित की है। पूर्व की सुनवाई के दौरान डीजी फायर अनिल पालटा कोर्ट में वर्चुअल रूप से हाजिर हुए थे। उनकी ओर से कोर्ट को बताया गया था कि देवघर एम्स में फायर फाइटिंग के लिए फिनलैंड से दो हाइड्रोलिक मशीन आएगी, जो 24 तल्ला से ऊंचे भवनों में आग लगने पर आग बुझाने में सक्षम रहेगी। फिनलैंड से यह हाइड्रोलिक मशीन 24 माह में देवघर एम्स आएगी। इस पर लागत 26 करोड़ 85 लाख रुपये आएगी। इस संबंध में टेंडर निकाला गया था। सांसद निशिकांत ने देवघर एम्स में सुविधाओं को लेकर कई बिंदु उठाए गए हैं। इसमें देवघर एम्स के लिए पावर सबस्टेशन बनाने, देवीपुर मल्टी विलेज स्कीम के तहत देवघर एम्स को पानी देने की बजाय पुनासी डैम से जोड़कर देवघर एम्स के लिए पानी की व्यवस्था करने, देवघर एम्स में फायर फाइटिंग के लिए समुचित व्यवस्था करने, देवघर एम्स के लिए शेष बचे 20 एकड़ जमीन उपलब्ध कराने, देवघर एम्स में कार्यरत कर्मियों के बच्चों के लिए वहां सेंट्रल स्कूल खुलवाने आदि की मांग की गई है।

कांग्रेस का घोषणापत्र देश को तोड़ने वाला पत्र : संजय सेठ

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रांची

रांची के सांसद सह भाजपा उम्मीदवार संजय सेठ ने कहा कि कांग्रेस का घोषणा पत्र देश को तोड़ने वाला पत्र है। हिंदू मुस्लिम को लड़ाने वाला पत्र है। इन्होंने हमेशा हिंदू-मुसलमान किया है। समाज को बांटने का काम किया है। कांग्रेस के घोषणा पत्र में जो बातें लिखी गई हैं, उसके पीछे इनका एक हिडन एजेंडा है। यह पूरी तरह से वामपंथी अर्बन नक्सल के द्वारा तैयार किया गया घोषणा पत्र है। सेठ बुधवार को अरगोड़ा स्थित कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। भाजपा उम्मीदवार ने कहा कि वर्ष 2013 में जब कांग्रेस की सरकार थी तब इन लोगों ने सांप्रदायिक लक्षित हिंसा अधिनियम के नाम से एक विधेयक लाया था। यह इतना खतरनाक विधेयक था, जिसमें यहां बैठे सारे लोग इसकी चपेट में आते। सबका जीवन बर्बाद हो जाता। इस विधेयक के माध्यम से सीधे-सीधे हिंदुओं को टारगेट किया गया था। सेठ ने कहा कि यह कैसे संभव है कि किसी एक व्यक्ति की कमाई को दूसरे लोगों में बांट दिया जाए। इसे आज पूरे देश को समझने की जरूरत है। कोई दो बच्चे का पिता दिन-रात कठिन परिश्रम अपने परिवार के लिए करता है। अपनी संपत्ति अर्जित करता है और उसे 10 बच्चों वाले परिवार को बांटने की बात कांग्रेस कर रही है, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। सेठ ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं से मेरा सवाल है कि वह बताएं की घोषणा पत्र के पीछे उन्होंने ऐसा क्यों किया? उन्होंने हिंदुओं की भावनाओं के साथ खिलवाड़ क्यों किया? उनकी इन हरकतों का जवाब जनता एक बार फिर से देगी। सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने 10 वर्षों के शासनकाल में हमेशा 140 करोड़ देशवासियों की बात की। बिना किसी भेदभाव के, बिना किसी हिंदू मुसलमान के उन्होंने हर किसी को, हर जरूरतमंद को आवास उपलब्ध कराया। बिजली का कनेक्शन दिया। उज्ज्वला कनेक्शन दिया। जनधन खाता खोले। सुकन्या समृद्धि योजना दी। गरीब कल्याण के तहत मुफ्त अनाज दिया। उसमें मोदी ने यह नहीं कहा कि यह हिंदुओं की योजना है। यह मुसलमान की योजना है लेकिन कांग्रेस अपने एजेंडा में इसे शुरू से ही शामिल करती रही है। यह भारतीय लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत है।

देश में इलेक्टोरल बॉन्ड स्कैम के बाद सूरत में दिखा वोट स्कैम : सुप्रियो भट्टाचार्य

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रांची

झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने गुजरात की सूरत लोकसभा सीट से निर्विरोध निर्वाचन पर भाजपा पर सवाल खड़ा किया है। भट्टाचार्य ने कहा कि बीते दिन गुजरात के सूरत लोकसभा सीट से निर्विरोध चुने गए भाजपा सांसद के चुनाव संदेह की घेरे में है। देश में इलेक्टोरल बॉन्ड के बाद सूरत में एक नया वोट स्कैम देखने को मिला। इस सीट से कांग्रेस के नामांकन को रद्द किया गया और जितने भी दल के उम्मीदवार थे। सभी ने एक साथ नामांकन वापस ले लिया। इससे पहले भी निर्विरोध सांसद चुने गए हैं। लेकिन कभी भी किसी पर उंगली नहीं उठी। लेकिन गुजरात के भाजपा अध्यक्ष ने मिलकर यह साजिश रची और अधिकारी पर दबाव बनाकर परिणाम घोषित करवाया। अब राजनीतिक शर्म हया कुछ नहीं है। भट्टाचार्य बुधवार को हरमू स्थित पार्टी कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पर भी निशान साधते हुए कहा कि रक्षा मंत्री यह मान चुके हैं कि उनके उम्मीदवार अर्जुन मुंडा चुनाव हार गए। क्योंकि पिछले लोकसभा चुनाव में उनकी जीत कैसे हुई थी, यह किसी से छुपी हुई नहीं है। उन्होंने कहा कि इस बार राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि एनडीए में बाबूलाल मरांडी और सुदेश महतो हैं। ऐसे में उन्हें कौन हरा सकता है। इसका मतलब स्पष्ट है कि उन्हें हार का डर सताने लगा है।

सुदेश महतो से संजय सेठ ने की मुलाकात, लोकसभा चुनाव की रणनीति पर हुई चर्चा

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रांची

रांची लोकसभा सीट से एनडीए प्रत्याशी संजय सेठ और आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो के बीच रांची लोकसभा क्षेत्र में एनडीए की जीत सुनिश्चित करने की राजनीति पर चर्चा हुई। यह बैठक बुधवार को आजसू पार्टी केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो के कांके रोड, रांची स्थित आवास में हुई। मौके पर सुदेश महतो ने कहा कि रांची में पिछले बार से बड़ी जीत हासिल करेगा एनडीए। हमारे गठबंधन पर जनता का विश्वास है। रांची समेत पूरे राज्य की 14 सीटों पर जनता अपना आशीर्वाद हमें अवश्य देगी। चार सौ पार के संकल्प को पूरा करने की दिशा में झारखंड अपना दायित्व निभाएगा। इस दौरान संजय सेठ ने कहा कि इस चुनाव में सुदेश महतो और आजसू पार्टी के सहयोग और समर्थन से रांची लोकसभा क्षेत्र में हम इतिहास रचेंगे।

झारखंड में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए स्थानीय भाषा के कार्टून फिल्मों का सहारा ले रही पुलिस

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रांची

राज्य में लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। एक तरफ जहां शांतिपूर्ण और सुरक्षित चुनाव संपन्न कराना पुलिस की जिम्मेदारी है, वहीं दूसरी तरफ पुलिस लोकतंत्र के महापर्व में हर कोई अपना योगदान दे इसके लिए भी जोरदार प्रयास कर रही है। पुलिस स्थानीय भाषाओं में कार्टून फिल्में तैयार कर लोगों को जागरूक कर रही है। झारखंड में चार चरणों में चुनाव होने हैं। पहले चरण में 13 मई को चार संसदीय सीटों सिंहभूम, खूंटी, लोहरदगा तथा पलामू में मतदान होगा। वोटिंग प्रतिशत बढ़ सके, इसके लिए हर विभाग अपने-अपने तरह से प्रयास कर रहा है। झारखंड पुलिस भी अलग-अलग तरह से आम लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित कर रही है। इसके लिए बाकायदा स्थानीय भाषा में कार्टून फिल्में भी बनाई गई हैं, जिसके माध्यम से लोगों तक लोकतंत्र के महापर्व में भाग लेने की अपील की जा रही है। राज्य के विभिन्न जिलों में अलग-अलग स्थानीय भाषाएं बोली जाती हैं। ऐसे में यदि उनकी भाषा में ही उन्हें लोकतंत्र के महापर्व के बारे में बताया जाए तो यह बेहद कारगर सिद्ध होगा। यही वजह है कि राज्य के विभिन्न जिलों में पुलिस कार्टून सीरीज बनाकर उसके जरिए वोट देने के लिए लोगों को प्रेरित कर रही है। नागपुरी भाषा में बनाया गया कार्टून फिल्म काफी लोकप्रिय हो रहा है। इस कार्टून फिल्म में दो गांव वाले आपस में बात करते नजर आते हैं। इनमें से एक पूछता है कि वोट देने जाना है कि नहीं, तो दूसरा उसे समझाता है कि मतदान करना उनका अधिकार है। पहले मतदान करना है और फिर जलपान करना है। स्थानीय भाषा में ही लोगों को यह भी कार्टून के जरिए समझाया गया है कि यदि आपको कोई भी वोट देने से मना करता है, डरता है या धमकाता है तो आप उसकी शिकायत तुरंत पुलिस से करें। इसके लिए डायल 100 और डायल 112 की मदद लें। वीडियो को पुलिस ने सोशल मीडिया पर प्रचार प्रसार के लिए तो डाला ही है, साथ ही पंचायत स्तर पर काम करने वाले यूथ टीम को भी वीडियो भेजा गया है। कार्टून फिल्मों में उस लोकसभा क्षेत्र में होने वाले मतदान की तिथि को लेकर भी जानकारी दी गई है। इस संबंध में डीजीपी अजय कुमार सिंह ने बताया कि जिले की पुलिस अपने-अपने स्तर से विभिन्न तरह के जागरुकता अभियान चला रही है, ताकि वोटिंग प्रतिशत बढ़ाया जा सके। पुलिस के पास जो भी साधन हैं उसका प्रयोग कर आम लोगों को मतदान के लिए जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस बार के मतदान में कोई भी मतदाता छूटे नहीं, इस ध्येय से कार्य किया जा रहा है।

वोटर को फोकस कर बनाया गया कार्टून फिल्म

आवश्यक सेवाओं से जुड़े सभी मतदाताओं के लिए सुगम मतदान सुनिश्चित कराएं : रवि कुमार

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रांची

निर्वाचन कार्य से जुड़े और वैसे मतदाता, जो आवश्यक सेवा यथा रेलवे, स्वास्थ्य, मीडिया, अग्निशमन आदि में कार्यरत हैं और वे मतदान के दिन अपने कर्तव्य पर रहने के कारण मतदान केंद्र नहीं जा सकते, उन सभी मतदाताओं का फॉर्म 12 डी भरवाकर आवेदन ले लें एवं उनका पोस्टल बैलेट से मतदान सुनिश्चित कराएं। एक भी मतदाता, जो अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहते हों, वह अपने मतदान के अधिकार से वंचित न हों, इस ध्येय को लक्षित कर पदाधिकारी कार्य करें। यह निर्देश मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने निर्वाचन सदन से सभी जिलों के जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी एवं जिला पोस्टल बैलेट नोडल अधिकारियों के साथ बुधवार को आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक में दिया। कुमार ने कहा कि सभी जिलों के पोस्टल बैलेट कोषांग के पदाधिकारी अपने जिले की आवश्यक सेवाओं से जुड़े एवं मतदान कार्य में कार्यरत मतदाताओं से पोस्टल बैलेट से मतदान के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उनके लिए विहित फॉर्म भरवाकर आवेदन ले लें या वे स्वयं मतदान केंद्र पर जाकर मतदान करने के लिए इच्छुक हैं, वैसी स्थिति में उनकी संस्थान की प्रतिक्रिया लेते हुए निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गए प्रारूप में प्रतिवेदन समर्पित करें। कुमार ने कहा कि रेलवे के सभी संबंधित पदाधिकारियों से निकट समन्वयन स्थापित कर सभी रेलकर्मियों, वेंडरों, कुलियों सहित अन्य लोगों को भी मताधिकार के प्रयोग के लिए जागरूक करें। साथ ही उनके सुगम मतदान के लिए आवश्यक प्रयास करें। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर इस मामले में असहयोग की संभावना हो, तो बताएं। इसी प्रकार से 80 वर्ष से अधिक आयु के वैसे वरिष्ठ नागरिक या दिव्यांग मतदाता, जो मतदान केंद्र तक आने-जाने में अक्षम हों, उनके पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान के लिए सभी आवश्यक तैयारियां ससमय पूरी कर लें। इस अवसर पर अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. नेहा अरोड़ा, राज्य पुलिस पोस्टल बैलेट नोडल पदाधिकारी पटेल मयूर कन्हैया लाल, ओएसडी गीता चौबे सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

रांची में कृषि पाठ्यक्रम पर आधारित दो दिवसीय कार्यशाला शुरू

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रांची

राज्य के 30 सरकारी स्कूलों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू हो रहे कृषि पाठ्यक्रम पर आधारित दो दिवसीय कार्यशाला की बुधवार को रांची के झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद में शुरुआत हुई। इस दो दिवसीय कार्यशाला में छह बुनियादी विद्यालय, 24 नेताजी सुभाषचंद्र बोस आवासीय विद्यालय के शिक्षक एवं ग्राम शिक्षा समिति के सदस्य शामिल हो रहे हैं। कार्यशाला का उद्देश्य स्कूली शिक्षा में कृषि के महत्त्व और कृषि क्षेत्र की व्यावहारिकताओं की व्यापकता का विस्तार करते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। कार्यशाला का संचालन जेसीईआरटी के प्रशासनिक उप निदेशक महीप सिंह, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के रिटायर्ड निदेशक आरपी सिंह रतन, गढ़वा कृषि विश्वविद्यालय के डीन डॉ. अशोक कुमार, व्यावसायिक शिक्षा के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी स्वप्निल कुजूर ने किया।

चौथे चरण के लिए अब तक सिंहभूम में सर्वाधिक 13 और पलामू में सबसे कम आठ नामांकन

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रांची

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा कि चुनाव आयोग शहरी क्षेत्र में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है। खासकर संभ्रांत लोगों को मतदान के लिए घर से निकल बूथ तक जाकर मतदान करने के लिए हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बुधवार को धुर्वा स्थित निर्वाचन सदन में नियमित प्रेस ब्रीफिंग कर रहे थे। कुमार ने कहा कि इसके लिए हाउसिंग सोसायटी आदि का भी सहयोग लिया जा रहा है। वोटर अवेयरनेस प्रोग्राम के तहत भी लोगों से लगातार संपर्क कर मतदान की महता से अवगत कराने के साथ मतदान के लिए प्रेरित करने का काम किया जा रहा है। इसे लेकर स्वीप का का कार्यक्रम भी लगातार जारी है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतदान के लिए शहरी क्षेत्र में जागरुकता बढ़ी है। यही कारण है कि शहरी क्षेत्र से वोटर निबंधन का आवेदन (फार्म-6) सर्वाधिक प्राप्त हो रहा है। उन्होंने बताया कि चौथे चरण के चुनाव वाले क्षेत्रों में वोटर निबंधन के लिए फार्म-6 भरने की समयावधि समाप्त हो चुकी है। उन्होंने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि बाकी बचे अन्य फेज के चुनाव क्षेत्रों के मतदाता अभी भी मतदाता निबंधन के लिए फार्म-6 भरें और मतदान में अपनी हिस्सेदारी निभाएं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि चौथे चरण के चुनाव के लिए राज्य के चार लोकसभा क्षेत्रों में अब तक सबसे अधिक 13 नामांकन सिंहभूम क्षेत्र के लिए किया गया है।

सबसे कम पलामू क्षेत्र के लिए अब तक आठ नामांकन हुए हैं। लोहरदगा में 10 और खूंटी में नौ नामांकन हुए हैं। उन्होंने बताया कि निष्पक्ष और भयमुक्त चुनाव के लिए विभिन्न एजेंसियां लगातार अवैध मादक पदार्थ, करेंसी के गैरकानूनी ट्रांजेक्शन और असामाजिक गतिविधियों पर कार्रवाई कर रही हैं। अबतक एजेंसियों ने कुल 67 करोड़ 40 लाख 75 हजार 813 रुपये की जब्ती की है।

रांची में बर्ड फ्लू की पुष्टि, विभाग अलर्ट, आरआटी का गठन, अंडा खरीद बिक्री पर रोक

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रांची

राजधानी रांची में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। आईसीएआर-एनआइएचएसएडी भोपाल में रांची के होटवार स्थित क्षेत्रीय कुक्कुट प्रक्षेत्र के कुक्कुटों के जांच किये गये नमूनों में एच फाइव एन वन एवियन इन्फ्लुएंजा की पुष्टि बुधवार को हुई है। बर्ड फ्लू की पुष्टि के बाद जिला प्रशासन की ओर से एक्शन प्लान के तहत रैपिड रिस्पांस टीम (आरआरटी) का गठन किया गया है। उपायुक्त सह-जिला-दंडाधिकारी, राहुल कुमार सिन्हा ने इस संबंध में आदेश जारी कर रैपिड रिस्पांस टीम का गठन किया है। प्रत्येक टीम में पशु चिकित्सा पदाधिकारियों एवं कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गयी है। प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों एव कर्मियों को जिला पशुपालन पदाधिकारी एवं सहायक निदेशक, कुक्कुट, क्षेत्रीय कुक्कुट प्रक्षेत्र, होटवारी रांची से समन्वय स्थापित करते हुए कार्य करने का निर्देश दिया गया है। एक्शन प्लान के तहत आरआरटी के जरिये क्षेत्रीय कुक्कुट प्रक्षेत्र, होटवार, रांची के शेष बचे कुक्कुटों की कलिंग, वैज्ञानिक विधि से निस्तारण एवं इसके बाद संक्रमित क्षेत्र का वैज्ञानिक विधि से संपूर्ण क्लीनिंग एंड डिसइन्फेक्शन का कार्य किया जाना है। एक्शन प्लान के तहत एपिसेंटर से एक किलोमीटर की परिधि में कुक्कुट पालन से संबंधित सर्वेक्षण का कार्य किया जायेगा। ताकि प्रशासनिक स्तर पर कुक्कुटों की कलिंग के लिए शीघ्र निर्णय लिया जा सके। साथ ही टीम की ओर से एपिसेंटर से 10 किलोमीटर की परिधि के क्षेत्र का मानचित्र बनाकर सर्विलांस जोन के रूप में चिन्हित करते हुए इस क्षेत्र में एवियन इंफ्लुएंजा की सघन निगरानी का कार्य भी किया जाएगा। उपायुक्त ने एहतियात के तौर पर रांची के होटवार स्थित क्षेत्रीय कुक्कुट प्रक्षेत्र (संक्रमित क्षेत्र) से एक किलोमीटर की परिधि में किसी भी जिंदा-मृत कुक्कुटों-कुक्कुट उत्पाद और अंडा की खरीद-बिक्री पर रोक लगाई गई है। साथ ही इनके परिवहन पर भी अगले आदेश तक रोक रहेगा। होटवार, गाड़ी गांव, गाड़ी होटवार एवं बकेन टोली। खटंगा, न्यू खटंगा, महुआ टोली एवं आर्मी कैंप के पास का क्षेत्र। बांध गाड़ी, डुमरदगा, जेपी नगर, एवं बूटी मोड़ के पास का क्षेत्र।

संक्षिप्त समाचार

भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बने चंदन मिश्रा

पलामू। भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ की राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमती इंदु बंसल ने बताया कि भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अशोक पाण्डेय के लोकसभा चुनाव तक अवकाश पर जाने की सूचना देते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राघवेंद्र मिश्रा ने संगठन में राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने का प्रस्ताव रखते हुए संगठन के वरिष्ठ सदस्य श्री चंदन मिश्रा के नाम का प्रस्ताव प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के प्रस्ताव पर संगठन से जुड़े 18 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के अध्यक्षों ने अपनी सहमति प्रदान की। साथ ही राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सभी 37 सदस्यों ने प्रस्ताव का समर्थन किया। इंदु बंसल ने राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष का परिचय देते हुए बताया कि वरिष्ठ पत्रकार, राजनैतिक विश्लेषक, पटु वक्ता श्री चंदन मिश्र ने वर्ष 1988 में अंग्रेज़ी दैनिक प्रभात खबर से पत्रकारिता की शुरूआत की। 90 के दशक में हिन्दी दैनिक रांची एक्स्प्रेस से जुड़े। वर्ष 2000 में दैनिक हिन्दुस्तान से जुड़े रहे। लगभग 24 वर्षों तक दैनिक हिन्दुस्तान में सेवा देने के उपरांत वे सेवानिवृत हुए। वर्तमान में दैनिक बिरसा वाणी के संपादक हैं। BSPS की स्थापनाकाल से ही आप संगठन से जुड़े रहे हैं। आप आंध्र प्रदेश एवं ओडिसा राज्य के संगठन के प्रभारी रहे हैं।

नगरी पंचायत जलमीनार पिछले छः महीनो से है खराब पीएचडी विभाग है नदारद

डुमरी। गरमी के दस्तक देने के साथ ही कई क्षेत्रों में पेय जल की समस्या उत्पन्न हो जाती है।ऐसे ही प्रखंड के नगरी पंचायत के बर्णवाल टोला में लगे जलमीनार पिछले छः महीनों से खराब पड़ा हुआ है।इस संबंध में ना ही पीएचडी विभाग कुछ कर रही है ना ही गांव के प्रतिनिधि।जलमीनार के पोषक क्षेत्र के लाभुकों को गरमी में पानी के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तो दूसरी ओर चौक चौराहों में पेयजल की उपलब्धता नहीं रहने से यात्रियों एवं राहगीरों को भी पेयजल के लिए काफी फजीहतों का सामना करना पड़ता है।इधर प्रखंड के अतकी पंचायत के धावटांड चौक में चापाकल खराब होने से इस भीषण गर्मी में ग्रामीणों को पेयजल के लिए घोर परेशानी झेल रहे हैं,लोग दांडी के पानी पीने को विवश हैं।बताया जाता है कि ग्रामीणों को आधा किलोमीटर दुर से पानी लाकर अपनी प्यास बुझाने को मजबुर है।

नैतिक मतदान ही मजबूत लोकतंत्र की धुरी हैः संजय पांडेय

पलामू। सामाजिक संगठन उद्यमिता एवं कौशल विकास संस्था कैंप कार्यालय में नैतिक मतदान सह मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ट पत्रकार संजय पांडेय ने विद्यार्थियों से नैतिक मतदान सह मतदाता जागरूकता विषय पर विशेष रूप से सक्रिय संवाद किया तथा मतदान क्यों जरूरी है विषय पर परिचर्चा भी किया। जिसमें छात्रों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं अपने अपने विचार रखें। पत्रकार संजय पांडेय ने जानकारी देते हुए बताया कि मतदान से ही मजबूत लोकतंत्र की नींव रखी जा सकती है। मतदान से ही तय होता है कि हमारे क्षेत्र के नागरिक देश के प्रति कितने जिम्मेवार एवं जागरूक हैं। यदि हम खुद मतदान नहीं करते हैं, तो हमारा कोई अधिकार नहीं बनता कि हम किसी के कार्यकलाप पर उंगली उठाएं। कार्यक्रम में संजय पांडेय द्वारा ईवीएम एवं वीवीपीएटी के बारे में अवगत कराया कि किस तरह ईवीएम द्वारा मतदान करने से एवं वीवीपीएटी के आ जाने से मतदान की प्रक्रिया पूर्णतः सहज्ञ पारदर्शी और विश्वसनीय हो गयी है। नैतिक मतदान ही मजबूत लोकतंत्र की धुरी है। अतः सभी का यह कर्तव्य बनता है की वे लोगों से आग्रह करें कि किसी भी प्रकार के प्रलोभन में आए बगैर बिना किसी भय अथवा दबाव के नैतिक रूप से मतदान कर अपने देश के प्रति एक जिम्मेवार नागरिक का कर्त्तव्य निभाएं। आज भारत निर्वाचन आयोग ने भी संबंधित एप्प्स जो निर्वाचन प्रक्रिया को और भी अधिक सुलभ एवं पारदर्शी बनाने में सहायक हैं, के बारे में जानकारी देने का कार्य विभिन्न माध्यमों से कर रहा है। सी-विजिल एप्प जो निर्वाचन आयोग के द्वारा जारी किया गया है, जो सक्षम एप्प है एक ऐसा एप्प है कि अगर कोई पूर्णतः दिव्यांग बुजुर्ग व्यक्ति है एवं वह मतदान केंद्र पर आकर मतदान करने की स्थिति में नहीं है तो ऐसी परिस्थिति में सक्षम एप्प के माध्यम से ऐसे व्यक्तियों की पूर्ण जानकारी अपलोड कर देने से उनके मतदान की व्यवस्था बूथ लेवल कर्मचारियों के द्वारा कर दी जाएगी। एक और एप्प वोटर हेल्पलाइन एप्प है जो मतदाताओं को मतदान सूची में अपना क्रम संख्या देखने में सहायक है। जिससे मतदाता लम्बी लाइन लगाकर मतदाता सूची में अपना नाम एवं क्रम खोजने के परेशानी से निजात पा सकते हैं। मौके पर उपस्थित सभी को मतदाता शपथ पत्र दिलाई गई और नैतिक रूप से मतदान कर जिम्मेवार नागरिक की भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया।

सेक्टर पदाधिकारी और सेक्टर पुलिस पदाधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

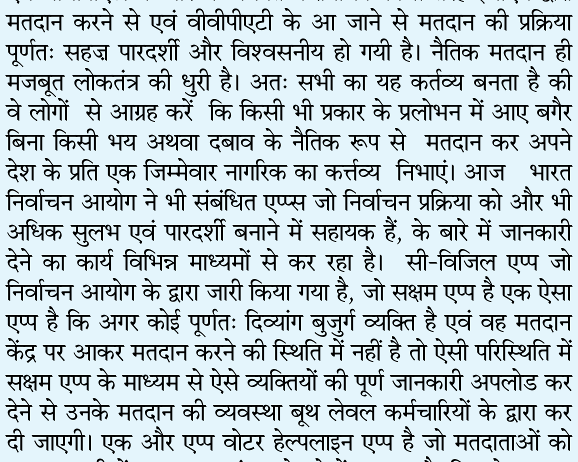

लातेहार। लोकसभा आम चुनाव 2024 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष तरीके से संपन्न हेतु बनवारी साहू महाविद्यालय लातेहार में सेक्टर पदाधिकारी एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। आज आयोजित प्रशिक्षण में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त श्रीमती गरिमा सिंह ने सेक्टर पदाधिकारी एवं सेक्टर पुलिस पधिकारियों के निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान दायित्वों और जिम्मेदारियां से अवगत कराया। आगे उन्होंने कहा कि लोकसभा आम निर्वाचन के तहत लातेहार जिला में पांचवे चरण में चुनाव होना है। ऐसे में चुनाव के दौरान आपके द्वारा की गई एक चूक या कार्यों से संबंधित अपर्याप्त ज्ञान मतदान केंद्रों पर होने वाले मतदान प्रक्रिया को प्रभावित कर सकता है। इसलिए आप सभी बेहद संजीदगी के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करें। साथ ही चुनाव में बरतने वाली सावधानियों को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के साथ समय समय पर दिये जाने वाले प्रशिक्षण में भाग लेने का निर्देश दिया गया। मास्टर ट्रेनर्स ने चुनाव कार्य में लगे सेक्टर पदाधिकारी एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारियों को चुनाव संबंधी तमाम प्रक्रिया विस्तार से समझाई। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स ने सेक्टर पदाधिकारी एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारियों को मतगणना संबंधी प्रक्रिया समझाते हुए इसके तमाम प्रावधानों का पालन करने की बात कही। आगे उन्होंने कहा कि सभी निर्वाचन आयोग के दिशानिर्देशों से अच्छी तरह अवगत हो लें। साथ ही मतदान से पहले बरती जाने वाली सावधानी के बारे में बताया गया। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनरों ने मतदान की प्रक्रिया, सभी आवश्यक बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में 276 सेक्टर पदाधिकारी एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया।

बोकारो के निजी स्कूलों की मनमानी/घोटालों को रोकने की हिम्मत कभी नहीं दिखा पाया जिला प्रशासन

राष्ट्रीय मुख्यधारा। बोकारो

- अय्यप्पा स्कूल ने बुक लिस्ट दी, अभिभावकों ने खरीद ली, फिर वेबसाइट में जारी की नई बुक लिस्ट
- एमजीएम स्कूल मे अतिरिक्त बुक के लिये फीस मे 500 रुपये अधिक मांगा
- डीपीएस के अभिभावकों ने कहा कि पिछले साल की और इस साल की फीस स्ट्रेचर मे लगभग 10 हजार रुपये का अंतर. समय पर फी न देने से प्रतिदिन के दर से 20 से 50 रुपये का फाइन जोड़ा जा रहा है

स्थानीय निजी स्कूलों के मनमानी के विरोध में अय्यप्पा, एमजीएम व डीपीएस के अभिभावकों ने जिला उपायुक्त कार्यालय में शिकायती आवेदन दिया।

अभिभावकों ने कहा कि अय्यप्पा स्कूल द्वारा बुक लिस्ट दी गई थी जिससे हमने संबंधित बुक स्टाल से बुक खरीदा फिर कुछ दिन पूर्व स्कूल के वेबसाइट में बुक लिस्ट जारी किया गया। जो बुक लिस्ट जारी किया गया वह पूर्व में स्कूल से दिए गए बुक लिस्ट से काफी भिन्न है। जब स्कूल प्रबंधन से पूछा जा रहा कि कौन सा लिस्ट वैध है तो प्रबंधन टालमटोल कर रही है। स्कूल के सभी अभिभावकों की परेशानी बढ़ गई है कि जो बुक लिया गया उसका क्या होगा हजारों रुपये लगे बुक खरीदने में।

वही डीपीएस के अभिभावकों ने कहा कि पिछले साल की और इस साल की फीस स्ट्रेचर मे लगभग 10हजार रुपये का अंतर किया गया है जो कि स्कूल की मनमानी को दर्शाता है। कई तरह के फीस चार्जेज मे बढ़ोतरी की गई हैं। जो कि सरासर हम अभिभावकों पर अन्याय है। हम अभिभावक स्कूल की मोटी फीस दे या घर चलाये। शिक्षा के नाम पर सभी स्कूल लूटने मे लगे हैं। दो महीनों के फीस एक साथ मांगी जा रही है जो लगभग 10हजार से ऊपर होता है; अगर समय पर न देने से प्रतिदिन के हिसाब से 20 से 50 रुपये की फाइन जोड़ा जा रहा।

वहीँ एमजीएम स्कूल द्वारा फीस के चालान मे अतिरिक्त बुक के लिये फीस मे जोड़ कर 500 रुपये अधिक मांगा जा रहा है।

उक्त शिकायती आवेदन देने मे अजित कुमार ठाकुर, कौशल किशोर, दीपक कुमार, आदि मौजूद रहे।

हालाँकि, जिला प्रशासन को ऐसे शिकायती पत्र देने के बाद भी अभिभावक सशंकित है कि दशकों से चुप्पी साध रहा जिला प्रशासन इस बार भी दिखावी हरकत ही करेगा और निजी स्कूलों के प्रबंधन, अभिभावकों से इसका बदला लेंगें।

मतदाता जागरूकता हेतु मानव श्रृंखला बनाकर निकाली गई डेमोक्रेसी रैली

राष्ट्रीय मुख्यधारा। लातेहार

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त के निर्देशानुसार लोकसभा निर्वाचन 2024 में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्वीप गतिविधियों के तहत आज मानव श्रृंखला का निर्माण किया गय। उप विकास आयुक्त सह वरीय पदाधिकारी स्वीप कोषांग श्री सुरजीत कुमार सिंह के नेतृत्व में इसका आयोजन किया गया। मतदाता जागरुकता अभियान के तहत विशाल मानव श्रृंखला बनाकर कर एक दूसरे के हाथों को पकड़े हुए कृषि कार्यालय से डेमोक्रेसी रैली निकाली गई। इस बृहद आयोजन में विशाल मानव श्रृंखला बनाकर समाहरणालय, बाईपास चौक, थाना चौक से होते समस्त मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने हेतु जागरूक किया गया।जागरूकता रैली का समापन जिला खेल स्टेडियम में किया गया।* मानव श्रृंखला बनाकर डेमोक्रेसी रैली के दौरान जिला स्तरीय पदाधिकारी, छात्र-छात्राओं ने "सारे काम छोड़ दो, सबसे पहले वोट दो" आदि नारे लगाए। इस अवसर पर विशाल मानव श्रंखला में मतदाता जागरूकता संबंधित स्लोगन लिखी तख्तियों द्वारा मतदाताओं को जागरूक किया गया। इस मानव श्रृंखला का मूल उद्देश्य मतदाताओं को जागरूक करना है। हम सभी को अपने कर्तव्य का निर्वाह करते हुए मताधिकार का प्रयोग कर एक सशक्त भारत के निर्माण में भूमिका निभानी चाहिए। कार्यक्रम के अंत में उप विकास आयुक्त ने सभी को निष्पक्ष और निर्भीक होकर मतदान करने की शपथ दिलाते हुए कहा कि हम सभी अपने आस पड़ोस के लोगों को मतदान करने के लिए जागरूक करें। इस दौरान नुकड़ नाटक के माध्यम से मतदाता जागरूकता गीत एवं सेल्फी स्टैंड में लिखे स्लोगन के माध्यम से 20 मई को लोकतंत्र के महापर्व में शतप्रतिशत मतदान में सहभागिता के लिए मतदाताओं को जागरूक किया गया। मानव श्रृंखला डेमोक्रेसी रैली में जिला स्तरीय पदाधिकारी, कर्मी, स्कूली छात्र छात्राएं, एनसीसी के कैडेट, सेविका सहायिका, जल सहिया की बड़ी संख्या में सहभागिता रही। इस दौरान आईटीडीए निदेशक श्री प्रवीण कुमार गगराई, स्वीप नोडल पदाधिकारी श्री अनिल मिंज, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, विशेष कार्य पदाधिकारी गोपनीय शाखा श्री श्रेयांश, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती अलका हेंब्रम, जिला खेल पदाधिकारी श्री संजीत कुमार, डीपीएम जेएसएलपीएस श्री संतोष कुमार, बनवारी साहू कॉलेज, एनएसएस के नवल किशोर प्रसाद, एवं भारी संख्या में भीड़ उपस्थित थे।

एनडीए प्रत्याशी के नामांकन में आजसू पार्टी के कई कार्यकर्ता हुए शामिल

राष्ट्रीय मुख्यधारा। पलामू

भारतीय जनता पार्टी की ओर से एनडीए प्रत्याशी बी डी राम के नामांकन मे आजसू पार्टी, लोजपा व जदयु, एन सी पी समेत भाजपा के हजारों नेता व कार्यकर्ता शिवाजी मैदान में आयोजित आम सभा में शिरकत किया। आजसू पार्टी लोकसभा प्रभारी सतीश कुमार ने बताया कि मौके पर पार्टी के नेता संजय रंजन सिह, बबलू गुप्ता, शंकर बिश्वकर्मा, चम्पा देवी, गढवा जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा, नन्दु ठाकुर, त्रिपुरारि सिंह, डा0 अफजल अंसारी, राजु प्रसाद, दशरथ चौधरी, संजय शर्मा, दीपक कुमार, मनोज शर्मा के नेतृत्व में गढवा व पलामू जिला के कई कार्यकर्ता शामिल हुए।

साल 1984 के इंदिरा लहर में तिलकधारी सिंह बने थे कोडरमा से सांसद

राष्ट्रीय मुख्यधारा। कोडरमा

साल 1984 में हुआ लोकसभा चुनाव कांग्रेस की रिकॉर्ड तोड़ जीत के लिए याद किया जाता है। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या से पैदा हुई हमदर्दी और तुरन्त हुए चुनाव के बाद राजीव गांधी फिर प्रधानमंत्री बने थे। उस समय कोडरमा से कांग्रेस के टिकट पर तिलकधारी सिंह पहली बार सांसद चुने गए। साल 1984 में कोडरमा से कुल 13 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे, जिनमें मुख्य मुकाबला कांग्रेस के तिलकधारी सिंह और भाजपा के रीतलाल प्रसाद वर्मा के बीच हुआ था। तिलकधारी सिंह को 208731 वोट मिले थे जो कुल मतदान का 58.8 प्रतिशत था जबकि लगातार दो बार सांसद रहे रीतलाल प्रसाद वर्मा को 97348 वोट ही मिले थे जो मतदान का 27.45 प्रतिशत था। इनके अलावा निर्दलीय एनामुल हक को 10453, जनता पार्टी से विश्वनाथ मोदी को 10057, निर्दलीय नंदलाल गोप को 7392, निर्दलीय रामकिशोर मेहता को 5639, झामुमो के प्रदीप कुमार सरकार को 4470, निर्दलीय दिनेश सिंह को 3155, निर्दलीय अबुइनाम अख्तर को 1974, निर्दलीय इंद्र कुमार अग्रवाल को 1951, निर्दलीय सुधा रानी सिन्हा को 1903, आईसीजे से युगल किशोर प्रसाद को 1043 और निर्दलीय बुरहान साहू को 570 वोट मिले थे। तब कुल मतदाताओं की संख्या 766871 थी, जिसमें 366462 मत पड़े थे जो कुल मतदान का प्रतिशत 47.79 था। गिरिडीह जिले के देवरी प्रखंड के चतरो गांव में 08 जनवरी, 1938 में जन्मे तिलकधारी सिंह के पिता पंचानन सिंह पंचायत के मुखिया थे और मां नुपूर देवी कुशल गृहिणी थी। रांची विश्वविद्यालय से बीएससी करने के बाद 1962 में चकाई हाई स्कूल में वे विज्ञान के शिक्षक रहे लेकिन 1968 में शिक्षक की नौकरी छोड़कर पहली बार मुखिया का चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। बाद में वे गिरिडीह जिला परिषद के अध्यक्ष चुने गए।

हस्ताक्षर अभियान एवं मतदाता मैत्री बंधन कार्यक्रम का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा। गढ़वा

लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के मद्देनजर आज स्वीप कार्यक्रम के तहत समाहरणालय गढ़वा में हस्ताक्षर अभियान एवं मतदाता मैत्री बंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त गढ़वा शेखर जमुआर एवं पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार पांडे द्वारा अपना हस्ताक्षर कर मतदाताओं को जागरूक करने का संदेश दिया गया। वहीं मौके पर उपस्थित उप विकास आयुक्त पशुपतिनाथ मिश्रा, अपर समाहर्ता मतीयश विजय टोप्पो, गोपनीय प्रभारी-सह-भू अर्जन पदाधिकारी संजय प्रसाद, जिला पंचायती राज पदाधिकारी-सह-स्वीप नोडल प्रमेश कुशवाहा, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नीरज कुमार, जिला कृषि पदाधिकारी शिवशंकर प्रसाद, जिला सहकारिता पदाधिकारी नीलम कुमारी, सहायक जन संपर्क पदाधिकारी अमित कुमार केशरी, साहयक परियोजना पदाधिकारी सिया जानकी सिंह समेत अन्य पदाधिकारी एवं कर्मियों द्वारा भी हस्ताक्षर कर मतदाताओं को जागरूक करने का संदेश दिया गया। इसके पश्चात मतदाता मैत्री बंधन कार्यक्रम के तहत पुलिस अधीक्षक ने जिला निर्वाचन पदाधिकारी को आई एम वेरीफाइड वाटर, आई एम रेडी टू वोट लिखा मैत्री बंधन बैंड पहनाकर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा भी पुलिस अधीक्षक को मैत्री बंधन बैंड पहनाया गया, मौके पर उपस्थित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मियों ने भी एक दूसरे को मैत्री बंधन बैंड पहनाकर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया। उल्लेखनीय है कि 13 मई को पलामू लोकसभा क्षेत्र में होने वाले मतदान के प्रतिशत को बढ़ाने की दृष्टिकोण से स्वीप कार्यक्रम के तहत गढ़वा जिले के मतदाताओं के बीच विभिन्न प्रकार के मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। जिसके तहत जिला एवं प्रखंड स्तर पर प्रतिदिन विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जिसका मुख्य उद्देश्य गढ़वा जिले में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करना है।

नहीं दिया वोट तो अकाउंट से कटेंगे 350 रूः आयोग (यह फेक न्यूज है)

राष्ट्रीय मुख्यधारा। बोकारो

- जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त बोकारो ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया गया है। यह खबर पूरी तरह फर्जी है
- जिलावासी/आमजन इस तरह की अफवाहों पर ध्यान नहीं दें,ऐसी खबरों को एक – दूसरे को साझा एवं प्रसारित नहीं करें,मतदान करना हमारा संवैधानिक एवं मौलिक अधिकार है,मजबूत लोकतंत्र के लिए मतदान जरूरी

लोकसभा आम चुनाव 2024 को लेकर जहां मतदान प्रतिशत बढ़ाने एवं निर्वाचन के सफल संचालन को लेकर पूरी मशीनरी एक जूट होकर काम करने में जुटी है। वहीं सोशल मीडिया पर एक खबर वायरल हो रही है कि चुनाव आयोग ने कोर्ट से मंजूरी ले ली है कि किसी ने वोट नहीं दिया तो उसके बैंक अकाउंट से 350 रुपए कट जाएंगे। किसी अखबार में बिना डेटलाइन के चल रही इस खबर में आयोग के प्रवक्ता के हवाले से (नाम नहीं) यह भी लिखा गया है कि आयोग ने सभी बैंकों को इस आदेश पर अमल करने के लिए कहा है। यह तर्क भी दिया गया कि आयोग चुनाव पर करोड़ों रुपए खर्च करता है। वोट नहीं डालने से यह बेकार जाते हैं। इस मामले में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त बोकारो श्रीमती विजया जाधव ने बुधवार को कहा कि यह खबर पूरी तरह फर्जी है। इस बाबत भारत निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया कि यह फेक न्यूज है। इस तरह का कोई भी निर्णय नहीं लिया गया है। जिलावासी/आमजन इस तरह के अफवाहों पर ध्यान नहीं दें। साथ ही, ऐसी खबरों को एक – दूसरे को साझा एवं प्रसारित नहीं करें। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त बोकारो ने कहा कि मतदान करना लोगों का अधिकार है। मतदान की जागरूकता के लिए स्वीप कोषांग बोकारो द्वारा लगातार जागरूकता अभियान/कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। उन्होंने आगामी 25 मई 2024 को मजबूत लोकतंत्र के लिए सभी मतदाताओं से मतदान करने का आह्वान किया।

हम सांसद नहीं मंत्री बनाएंगेः अरुणा शंकर

राष्ट्रीय मुख्यधारा। पलामू

भाजपा प्रत्याशी वीडी राम के नॉमिनेशन के लिए प्रथम महापौर अरुणा शंकर के नेतृत्व में कई लोगों के साथ गाजा बाजा के साथ भाजपा की पदाधिकारी, महिलाएं, युवा, लड़कियां केसरिया रंग का साफा पहने पैदल एवं मोटरसाइकिल चलाते रैली में शामिल हुइ जो आकर्षण का केंद्र रहा। मौके पर प्रथम महापौर ने कहा की हम भाजपा एवं शहर की आम महिलाए अपने सांसद को ऐतिहासिक मतों से विजय कर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करने का संकल्प लिया है ताकि हमारे सांसद इस बार सांसद नहीं मंत्री बनें और हमारे क्षेत्र का चौमुखी विकास हो।

रामगढ़ में जांच अभियान में आठ वाहनों पर लगा 2.72 लाख जुर्माना

राष्ट्रीय मुख्यधारा। रामगढ़

लोकसभा चुनाव-2024 के मद्देनजर डीसी चंदन कुमार के निर्देशानुसार जिला परिवहन पदाधिकारी मनीषा वत्स की अध्यक्षता में गोला प्रखंड के बरलंगा मार्ग पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान डीटीओ ने मालवाहक वाहन एवं चार पहिए वाहनों का आरसी बुक, फिटनेस, प्रदूषण सर्टिफिकेट, ड्राइविंग लाइसेंस एवं ओवरलोडिंग आदि के साथ वाहनों पर लगाए जाने वाले रिफ्लेक्टिव टेप की भी जांच की गई। जिन वाहनों के कागजात अधूरे या वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप नहीं पाया गया वैसे 08 वाहनों से 02 लाख 72 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। जिला परिवहन पदाधिकारी मनीषा वत्स ने वाहन चालकों से वाहनों पर आवश्यक रूप से रिफ्लेक्टिव टेप लगाने का निर्देश दिया।

बीजेपी के वीडी राम व आरजेडी के ममता भुइंया ने किया अपना नामांकन

राष्ट्रीय मुख्यधारा। पलामू

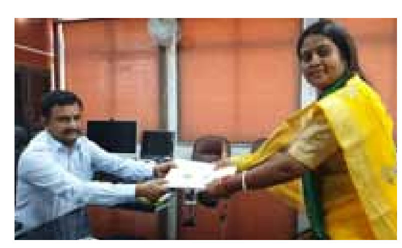

पलामू लोकसभा चुनाव के लिए बीजेपी उम्मीदवार और दो बार लगातर सांसद रहे विष्णु दयाल राम ने बुधवार को अपना नामांकन दाखिल किया। मौके पर केंद्रीय मंत्री जेनरल वीके सिंह, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी शामिल थे। बीजेपी के कई नेता रविन्द्र राय, आदित्य साहू, बालमुकुंद सहाय, मनोज सिंह समेत कई नेताओं ने भी मौके पर शिरकत की। बीजेपी प्रत्याशी वीडी राम ने पूजा अर्चना कर नामांकन दाखिल किया। वहीं पलामू लोकसभा चुनाव के लिए आरजेडी उम्मीदवार ममता भुइंया ने अपना नामांकन किया। ममता भुइंया के नामांकन के मौके पर में मंत्री सत्यानंद भोक्ता, आरजेडी प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव और जिला अध्यक्ष मोहन विश्वकर्मा शामिल रहे। वहीं आरजेडी, झामुमो और कांग्रेस के कई नेता भी शामिल थे। आरजेडी प्रत्याशी ममता भुइंया के नामांकन के पूर्व बैरिया में एक स्थल भी आयोजित की गई। इधर, मीडिया कोषांग से मिली जानकारी अनुसार पलामू लोकसभा निर्वाचन के नामांकन के छठे दिन भारतीय जनता पार्टी के विष्णु दयाल राम,भागीदारी पार्टी(पी)के सत्येन्द्र कुमार पासवान, एसयूसीआई (सी) के महेंद्र बैठा व राष्ट्रीय जनता दल के ममता भुईयां द्वारा नामांकन किया गया है.

संक्षिप्त समाचार

विस्थापित गांवों में दुल्लू ने मांगा आशीर्वाद

बोकारो : धनबाद लोस से एनडीए के उम्मीदवार दुल्लू महतो ने बुधवार को बोकारो उत्तरी विस्थापित क्षेत्र का दौरा कर ग्रामीणों से वोट मांगा। कुंडौरी, कनारी, शिबूटांड़, मोहनपुर, मानगो, करमागोड़ा, स्टेशन रोड, तुपकाडीह आदि गांवों में घूम-घूमकर उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के लिए भाजपा को वोट देने की अपील की। मौके पर विधायक बिरंची नारायण, जिलाध्यक्ष जयदेव राय, श्याम मंडल, राजू महतो, पीयूष आचार्य, मंतोष सोरेन समेत दर्जनों लोग व पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गांवों में चलाया मतदाता जागरुकता अभियान

बोकारो : लोकसभा चुनाव में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से चास प्रखंड के कई गांवों में मंगलवार को बीएलओ व सामाजिक संगठनों के द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। घर-घर जाकर आमजन को समझाया गया कि आगामी 25 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव के दिन अपने साथ परिवार के सभी मतदाताओं को लेकर बूथ में वोट देने जरूर जाएं। शिबूटांड़, मोहनपुर, कनारी, मानगो आदि गांव के मतदाता खुश दिखे। कुंडौरी की बीएलओ नीला देवी ने लोगों को बताया कि आपके एक वोट से लोकतंत्र मजबूत होता है। मौके पर गांव के लोग मौजूद रहे।

चोरी गई टाटा सूमो बरामद, एक गिरफ्तार

बोकारो : सिटी थाना क्षेत्र में बीते 22 अप्रैल को दुंदीबाद से चोरी हुई चारपहिया टाटा सूमो को पुलिस ने बरामद कर लिया। वाहन (जेएच 09 बीडी 8246) को सेक्टर नौ के पास स्थित पचौरा से बरामद किया गया है। पुलिस ने वाहन चोरी के आरोपी जावेद अंसारी (19) को गिरफ्तार भी किया गया है। सिटी डीएसपी आलोक रंजन ने बताया कि पुरुलिया (प.बंगाल) के रहने वाले हजारी महतो की टाटा सूमो शाम करीब 6 :30 बजे दुंदीबाद बाजार के पास से चोरी हो गयी थी, जिसके बाद उन्होने सिटी थाना मामला दर्ज कराया था। इसके बाद पुलिस उपाधीक्षक नगर के नेतृत्व में वाहन की बरामदगी के लिए छापामारी दल का गठन किया गया। छापामारी दल के सदस्यों व तकनीकी शाखा के सहयोग से इस कांड में चोरी हुए चारपहिया वाहन टाटा सूमो गोल्ड को ग्राम पचौरा से अभियुक्त के निशानदेही पर बरामद किया गया। साथ ही उसके पास से वीवो कंपनी का एक स्मार्ट फोन भी बरामद किया है। आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार किया है। छापेमारी दल में बीएस सिटी थाना प्रभारी सुदामा कुमार दास, सेक्टर 12 थाना प्रभारी सुभाष चन्द्र सिंह, हरला थाना प्रभारी अनिल कच्छप आदि शामिल थे।

गोनियाटो में चिकित्सा शिविर 28 को

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल डीवीसी हॉस्पिटल एवं सीएसआर के संयुक्त तत्वावधान में 28 अप्रैल को नावाडीह प्रखंड अंतर्गत ऊपरघाट के गोनियाटो एवं 2 मई को अंधुआ में ग्रामीणों के लिए हाइपरटेंशन का जांच शिविर आयोजित किया गया है। जांच शिविर में सभी महिला एवं पुरुष ग्रामीणों की जांच की जाएगी। उक्त जानकारी डीवीसी हॉस्पिटल के डीजीएम (हेल्थ) डॉ एसके झा ने दी।

संथाल परगना प्रमंडल के विद्युत महाप्रबंधक राकेश प्रसाद का साहिबगंज दौरा

साहिबगंज। दुमका संथाल परगना प्रमंडल के विद्युत महाप्रबंधक राकेश प्रसाद नें बुधवार को विधुत आपूर्ति अंचल विद्युत अधीक्षण कार्यालय साहिबगंज में जिला के साहिबगंज विद्युत अंचल विद्युत अधीक्षण अभियंता, नत्थन रजक, ओर विद्युत अभियंताओं के साथ एक समीक्षा बैठक की । इस बैठक में उपस्थित विद्युत आपूर्ति अंचल कार्यालय में जिले के सभी साहिबगंज डिविजन, कार्यपालक अभियंता राज कुमार, एमआरटी,नीतीश कुमार भंडारण कार्यपालक,अभियंता,कुणाल कुमार,,पाकुड़ कार्यपालक अभियंता शबीर अंसारी साहिबगंज सदर सहायक अभियंता प्रदीप राय,बरहरवा सायत्म मरांडी,कनीय अभियंता दिनेशर महतो,ग्रामीण कनीय अभियंता,दीपक कुमार सिंह,क्लर्क नंद किशोर पांडे ओर अन्य कर्मचारियों के साथ एक बैठक की गई।उधर संथाल परगना प्रमंडल के विद्युत महाप्रबंधक राकेश कुमार ने प्रेस को बताया कि साहिबगंज शहर में जो आरडीएसएस,होने वाले कार्यों की समीक्षा की।विशेष कर उसी मुद्दे को लेकर यह बैठक किया गया है।उन्होंने यह भी कहा कि विद्युत राजस्व उगाई को लेकर भी चर्चा की गई।उधर साहिबगंज विद्युत अंचल विद्युत अधीक्षण अभियंता, नत्थन रजक, ने प्रेस को बताया कि विद्युत राजस्व डीएस सीएस,एससी,एलटीआईएस,में शत प्रतिशत राजस्व उगाई करने को लेकर जिले के सभी कार्यपालक अभियंता कनीय अभियंता,सहायक अभियंता को निर्देश दिए।इस बैठक में मौजूद,साहिबगंज विद्युत अंचल विद्युत अधीक्षण अभियंता, नत्थन रजक, साहिबगज कार्यपालक अभियंता राज कुमार.भंडारण कार्यपालक अभियंता,कुणाल कुमार एमआरटी कार्यपालक अभियंता नीतीश कुमार, साहिबगंज सहायक अभियंता प्रदीप कुमार राय,पाकुड़ विद्युत कार्यपालक अभियंता, शबीर अंसारी,अंचल विद्युत अधीक्षण कार्यालय के सभी कनीय अभियंता,ओर अन्य लोग मोजूद थे।

डीबीएल के गंगा पुल निर्माण साइट पर एक बार फिर सुरक्षा में बड़ी चूक से एक मजदूर की मौत हो गई

साहिबगंज। बुधवार को मुफ़स्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत डीबीएल के गंगा पुल निर्माण साइट पर एक बार फिर सुरक्षा में बड़ी चूक से एक मजदूर की मौत हो गई। जबकि एक घायल हो गया। वहीं दो प्रत्यक्षदर्शी मजदूर इस हादसे को देख मूर्छित हो गए। मिली जानकारी के अनुसार बड़ी कोदरजना निवासी शत्रुघन मंडल उम्र 25,पिता हरी मंडल व लालजी यादव उम्र 22,ओर तीन लोग लगभग सुबह 6 बजे पिलर पर ग्राइंडर मशीन से छड़ काट रहा था। इस दौरान अचानक मशीन हाथ से छटक गया। जिसमें पिलर पर काम कर रहे दोनों मजदूरों में प्रथम शत्रुघन मंडल उम्र 25 गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसके बाद शत्रुघन मंडल को अस्पताल लाने की तैयारी चल ही रही थी कि उसने स्पॉट पर ही दम तोड़ दिया। इसके पूर्व दो प्रत्यक्षदर्शी मजदूर मुकेश यादव 22 बीरू यादव 22 वक्त हादसे को देखकर वहीं मूर्छित हो गए। इधर आननफानन में घायलों को सदर अस्पताल लाया गया। वहीं सदर अस्पताल में कार्यरत डॉक्टर मोहन मुर्मू चिकित्सकों ने शत्रुघन मंडल को मृत घोषित कर दिया। जबकि गंभीर रूप से घायल लालजी यादव उम्र 22 को हायर सेंटर मालदा रेफर मर दिया गया। वहीं मूर्छित हुए दो मजदूरों का सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। मृतक के चचेरा चाचा मिथिलेश कुमार ने बताया कि उनका भतीजा आलोक कुमार ठेकेदार के अंडर काम करता था। वहीं गंभीर मजदूर लालजी यादव में चाचा भरत यादव ने बताया कि पिछले कई वर्षों से भतीजा व अन्य वहां काम करते आ रहे थे।उन्होंने यह भी बताया कि डीबीएल कंपनी प्रबंधक के द्वारा जो ठिकेदार काम करवा रहे है,उन ठिकेदार के द्वारा जो मजदूर लोगो से काम करवा रहे थे।

डीपीएस बोकारो के वरिष्ठ कला शिक्षक सुनील को मिला राष्ट्रीय ख्याति-प्राप्त एमएफ हुसैन अवार्ड

एब्सट्रेक्ट पेंटिंग में महारथ है हासिल, शानदार उपलब्धि पर प्राचार्य डॉ. गंगवार ने दी बधाई

झारखंड से यह पुरस्कार पाने वाले बने एकमात्र कलाकार, 3 लाख रुपए की मिलेगी स्कॉलरशिप

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : डिजाइनिंग के क्षेत्र में अब तक सैकड़ों बच्चों का भविष्य संवार चुके डीपीएस बोकारो के वरिष्ठ कला शिक्षक एवं शहर के जाने-माने पेंटिंग आर्टिस्ट सुनील कुमार को एमएफ हुसैन अवार्ड से नवाजा गया है। भारत सरकार के एमएसएमई से निबंधित, महाराष्ट्र सरकार से अधिकृत एवं आईएसओ 9001 : 2015 से प्रमाणित महार्ट कॉन्टेस्ट (स्किल डेवलपमेंट ड्राइंग लिटरेसी मिशन) ने पूरे झारखंड से एकमात्र श्री कुमार को इस पुरस्कार के लिए चयनित किया है। इसके तहत उन्हें एक वर्ष तक प्रतिमाह 25 हजार, 700 रुपए (कुल 308400 रुपए) की स्पेशल स्कॉलरशिप मिलेगी, साथ ही अलग से 7000 रुपए की नकद पारितोषिक भी प्रदान की जाएगी। महार्ट कॉन्टेस्ट का आयोजन इसी वर्ष जनवरी महीने में किया गया था। सभी मानदंडों पर खरा उतरने के बाद श्री कुमार एमएफ हुसैन अवार्ड के लिए चुने गए। बुधवार को डाक से उनका सम्मान-पत्र व प्रतिभागिता प्रमाण-पत्र विद्यालय पहुंचा। इस उपलब्धि से अपने विद्यालय, शहर और पूरे राज्य का नाम गौरवान्वित करने वाले शिक्षक सुनील को विद्यालय के प्राचार्य डॉ. एएस गंगवार ने उनका अवार्ड सौंपते हुए उन्हें बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

राजकीय सम्मान सहित मिल चुके हैं कई अवार्ड

उल्लेखनीय है कि सुनील इससे पहले भी कई बार राष्ट्रीय स्तर का सम्मान पाकर अपने विद्यालय और शहर का नाम कला के क्षेत्र में रोशन कर चुके हैं। वर्ष 2015 में झारखंड सरकार की तरफ से राजकीय सम्मान के अलावा दो-दो बार अंतर विश्वविद्यालय युवा महोत्सव में वह स्वर्ण पदक से सम्मानित हो चुके हैं। इसके साथ ही सर्वश्रेष्ठ शिक्षक सम्मान, जोधपुर में ऑल इंडिया आर्ट एग्जीबिशन के दौरान मिला सर्वश्रेष्ठ पेंटिंग अवार्ड आदि उनकी उपलब्धियों में प्रमुखतम हैं। जिस पेंटिंग के लिए उन्हें एमएफ हुसैन अवार्ड हेतु चयनित किया गया है उसमें उन्होंने सामाजिक भावनाओं को सकारात्मक रूप में दर्शाया है। लगभग 55 वर्षीय सुनील मॉडर्न आर्ट की नेशनल गैलरी की सर्वोच्च समिति के सदस्य भी हैं। दिल्ली, कोलकाता, पटना, मणिपुर, महाराष्ट्र, भोपाल, राजस्थान, ओडिशा सहित देश के अलग-अलग जगहों में दर्जनों बार उनकी कलाकृतियों की प्रदर्शनी राष्ट्रीय स्तर पर सराहना बटोर चुकी हैं। इसी प्रकार, देश के विभिन्न भागों में उन्होंने पेंटिंग कैंप में भी हिस्सा लिया है। वहीं, देश-विदेश में विभिन्न आर्ट गैलरियों में उनकी पेंटिंग्स का कलेक्शन लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र बने हुए हैं।

कला में भी करियर की उज्ज्वल संभावनाएं

श्री कुमार ने बताया कि अब वह समय नहीं रहा कि केवल मेडिकल-इंजीनियरिंग आदि के क्षेत्र में ही बच्चे अपना करियर बना सकते हैं, कला के क्षेत्र में भी उज्वल भविष्य की असीम संभावनाएं हैं। चित्रांकन भी आज एक प्रकार से अभियंत्रण बन चुका है, जिसके तहत एनआईएफटी, एनआईडी, यूसीईईडी, वास्तुकला आदि में अपना भविष्य संवारा जा सकता है। डीपीएस बोकारो के सैकड़ों विद्यार्थी उनके मार्गदर्शन में आज उक्त कोर्स सफलतापूर्वक पूरा कर खुशहाल जीवन जी रहे हैं। इतना ही नहीं, कला में पारंगत कई निर्धन विद्यार्थियों को वह व्यक्तिगत रूप से निःशुल्क प्रशिक्षण देकर उनका भविष्य संवार चुके हैं। अपने शहर में कला के विकास को लेकर वह समय-समय पर विभिन्न गतिविधियों का भी आयोजन कराते रहे हैं।

विद्यालय परिवार के प्रति जताया आभार

एक खास बातचीत में एमएफ हुसैन अवार्डी सुनील कुमार ने कहा कि आज वह जो कुछ भी हैं, इसके पीछे डीपीएस बोकारो परिवार का महत्वपूर्ण एवं केंद्रीय योगदान रहा है। उन्होंने विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार के मार्गदर्शन एवं सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया है। कहा कि विद्यालय ने उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने का हर अवसर दिया है, जिसे वह कभी नहीं भूल पाएंगे। विदित हो सुनील ने वर्ष 1998 में डीपीएस बोकारो में अपनी सेवा शुरू की थी।

बचपन से ही पेंटिंग में थी रुचि, जानिए क्या है एब्सट्रेक्ट पेंटिंग

पटना से बैचलर और कोलकाता से मास्टर इन फाइन आर्ट्स की डिग्री अर्जित करने वाले सुनील को बचपन से ही पेंटिंग के क्षेत्र में रुचि थी। उन्हें विशेष रूप से एब्स्ट्रेक्ट पेंटिंग (अमूर्तन कला) में महारत हासिल है। किसी भी वस्तु या दृश्य को देखकर उसे अपने तरीके से नए स्वरूप में उकेर देना उनकी कलाकारी की खासियत है। एब्स्ट्रेक्ट पेंटिंग कला का वह स्वरूप है, जिसमें हम अपनी कल्पना के शुद्ध रूप को कैनवास पर उतारने का प्रयास करते हैं। इसके अंतर्गत बनाई गई हर एक पेंटिंग का अपना एक नया ही स्वरूप होता है। इसमें किसी दृश्य वास्तविकता का सटीक चित्रण प्रस्तुत करने की बजाय इसके प्रभाव को प्राप्त करने के लिए आकृतियों, रंगों, रूपों और संकेतों के निशान का उपयोग किया जाता है।

ठेकेदार से रंगदारी मामले के दो आरोपी गिरफ्तार, असलहे भी बरामद

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो पुलिस ने बुधवार को एक ठेकेदार से रंगदारी मांगने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामला सेक्टर छह थाना का है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी राजेश करमाली और आजम शेख के पास से एक 12 बोर का देसी कट्टा, एक जिंदा गोली, एक नकली पिस्टल और एक कीपैड मोबाईल बरामद किया है। नगर पुलिस उपाधीक्षक आलोक रंजन ने सिटी थाना परिसर में पत्रकारों को बताया कि 13 अप्रैल को पुल निर्माण करने वाली कंपनी ने धारक के विरूद्ध रंगदारी मांगने का आरोप दर्ज कराया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए कांड के उद्भेदन एवं अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए एक टीम गठित कर तकनीकी शाखा के सहयोग से चतरोचट्टी थाना क्षेत्र के तिसकोपी गांव में छापेमारी की गयी। छापेमारी के क्रम में अभियुक्त राजेश करमाली (35) को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उसने खुद के द्वारा ही वादी से पुल निर्माण कंपनी की तरफ से दो प्रतिशत की लेवी 9 लाख रुपए की मांग की गई थी। वहीं, लेवी नही देने पर जान से मारने की धमकी दिया जा रहा था। उक्त

अभियुक्त राजेश करमाली ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए कांड में प्रयुक्त काला रंग व भूरा रंग का कीपैड मोबाइल बरामद किया गया। डीएसपी ने बताया कि राजेश करमाली का पूर्व से आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके विरूद्ध बड़कागांव थाना, मांडु थाना में भी मामला दर्ज है। छापेमारी दल में सिटी डीएसपी के अलावे बीएस सिटी थाना प्रभारी सुदामा कुमार दास, सेक्टर 12 थाना प्रभारी सुभाष चन्द्र सिंह, थाना प्रभारी सेक्टर छह ढेना किस्कू, प्रभात कुमार, चतरोचट्टी थाना प्रभारी दीपक राणा आदि शामिल थे।

लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से कराने को लेकर पुलिस लगातार कर रही है छापेमारी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : गिरिडीह लोकसभा अंतर्गत बेरमो अनुमंडल के सभी नक्सल प्रभावित मतदान केंद्रों में शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न करवाने को लेकर पुलिस एवं सीआरपीएफ संयुक्त रूप से लगातार छापेमारी कर रही है। उक्त बातें बुधवार को बेरमो एसडीपीओ बशिष्ठ नारायण सिंह ने कही। बेरमो एसडीपीओ ने कहा कि मतदान शांतिपूर्ण तरीके से हो इसके लिए केंद्र द्वारा भेजी गयी पैरामिलिट्री फोर्स को रखने की व्यवस्था की जा रही है। पैरामिलिट्री फोर्सों को नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में रखने के लिए वैसे भवनों को चिह्नित किया जा रहा है, जहां उन्हें सारी सुविधाएं मसलन पेयजल, बिजली सप्लाई, शौचालय आदि की व्यवस्था सुचारु रुप से

हो सके। कहा कि बेरमो के झुमरा पहाड़ एवं नावाडीह के ऊपरघाट के क्षेत्रों में पुलिस की लगातार छापेमारी के कारण पर नक्सली पूरी तरह से बैकफुट हैं। नक्सलियों के मूवमेंट की किसी भी प्रकार की सूचना पर तत्काल कार्रवाई की जाती है। दोनों ही क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में पारा मिलिट्री फोर्सों को चुनाव में तैनात किया जाएगा। इसके अलावा बेरमो अनुमंडल के विभिन्न थानों के वर्षों से फरार वारंटियों को गिरफ्तार कर उन्हें न्यायिक हिरासत में तेनुघाट उपकारा भेजने का काम किया जा रहा है। एसडीपीओ ने कहा कि इसके अलावा अवैध शराब के ठिकानों पर भी उत्पाद विभाग के सहयोग से छापेमारी कर शराब को जब्त एवं नष्ट करने का काम किया जा रहा है। बताया कि शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण में लोकसभा चुनाव संपन्न कराने को लेकर बेरमो अनुमंडल के सभी थाना एवं ओपी क्षेत्र में पुलिस टीम पूरी तरह से मुस्तैद है और लगातार आपराधिक एवं असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। कहा कि वाहनों की सघनता से जांच अभियान चलाई जा रही है और यह अभियान विभिन्न थाना क्षेत्र में निरंतर जारी रहेगा।

गैस सुरक्षा के लिए प्रभावी उपायों और सुरक्षा नियमों की जानकारी जरूरी : सीजीएम

बीएसएल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, सैकड़ों अधिकारी व कर्मी हुए शामिल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट के मानव संसाधन विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में गैस सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को सुरक्षा अभियंत्रण एवं ऊर्जा प्रबंधन विभाग के द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम के उदघाटन सत्र मे मुख्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण) पीके बैसाखिया, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी शक्ति कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (ऊर्जा प्रबंधन विभाग) गुलशन कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) बीके सरतापे तथा सन्यंत्र के विभिन्न विभागो के लगभग 300 अधिकारीगण, कार्मिक तथा ठेका मज़दूर उपस्थित थे।

सहायक महाप्रबंधक (सुरक्षा अभियंत्रण विभाग) राकेश प्रसाद गुप्ता ने सभी प्रतिभागियों

तथा मुख्य अतिथियों का स्वागत किया तथा गैस सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। तत्पश्चात मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) बीके सरतापे ने सभी प्रतिभागियो को सुरक्षा शपथ दिलाई तथा इस कार्यक्रम की आवश्यकता एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

मुख्य महाप्रबंधक (ऊर्जा प्रबंधन विभाग) गुलशन कुमार ने अपने संबोधन में स्टील प्लांट के लिए गैस के सुरक्षित उपयोग के महत्व की जानकारी दी एवं सभी प्रतिभागियों से इस कार्यक्रम से लाभ उठाने की अपील की। मुख्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण) पीके बैसाखिया ने अपने संबोधन में प्लांट के लिये गैस संबंधित दुर्घटनाओं के कारण और उनसे बचाव के उपायों पर ध्यान केंद्रित करने तथा गैस सुरक्षा के लिए प्रभावी उपायों और सुरक्षा नियमों की जानकारी बढाने की सभी प्रतिभागियों से अपील की।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी शक्ति कुमार ने अपने प्रस्तुतीकरण द्वारा सभी प्रतिभागियों को जागरूक किया। तत्पश्चात ऊर्जा प्रबंधन विभाग के सहायक महा प्रबंधक सौरभ सिंह तथा महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट) विनोद कुमार ने भी अलग-अलग प्रस्तुतीकरण दिया एवं प्रतिभागियों को गैस सुरक्षा से संबंधित जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन सहायक प्रबंधक (सुरक्षा अभियंत्रण विभाग) अनिरुद्ध दिवाकर ने किया।

आवास के मेन गेट होकर निकल रही है सीवरेज वाटर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी की आवासीय कॉलोनी में निर्माणाधीन एसटीपी का कार्य विगत एक माह से बंद पड़ा हुआ है। कार्य बंद होने से विभिन्न आवासों के अंदर तथा सड़क किनारे के चैंबरों से सीवरेज का गंदा पानी निकलने एवं उससे उठने वाली बदबू के कारण कॉलोनीवासियों का रहना दूभर हो गया है। आवासीय कॉलोनी के ऐसे ही एक क्वार्टर नंबर-टाइप 3/6 में सीवरेज का पानी मेन गेट होकर पिछले एक माह से लगातार बह रहा है। सीवरेज का पानी बहने एवं उससे उठने वाली सड़ांध के कारण आसपास की कॉलोनी के रहनेवालों तथा सड़क से गुजरने वाले लोगों का जीना दूभर हो गया है। कॉलोनी के लोगों ने डीवीसी प्रबंधन से बहते सिवेज वाटर को रोकने की मांग की है।

तुपकाडीह और ओद्योगिक क्षेत्र को जोड़ने वाली पुलिया जर्जर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : जरीडीह प्रखंड की खुंटरी पंचायत के अंतर्गत भुटकूरु गांव में लगभग 40 वर्ष पूर्व बनी पुलिया पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई हैं। पुलिया की रेलिंग क्षतिग्रस्त होने के कारण कोई बड़ा हादसा हो सकता है। आए दिन लोगों को इस पुलिया से पार करना डर बना रहता हैं। पुल के ऊपरी सतह पर बड़े खतरनाक गढ्ढे बन गए हैं। इस मार्ग से एक दर्जन गांवों का संपर्क जुड़ा है, इसलिए यहां रात- दिन आवागमन होता रहता है। इस रास्ते से बड़े वाहनों का भी

आवागमन रहता है। पुलिया की रेलिंग नहीं रहने से राहगीर सहमे रहते हैं कि कहीं किसी दुर्घटना का वे शिकार न हो जाएं। अगर पुलिया टूट जाती हैं तो ग्रामीणों को करीब 3 किमी की अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ सकती है। बता दें कि यह पथ तुपकाडीह और औद्योगिक क्षेत्र को जोड़ने वाला एक मात्र रोड है।

कलशयात्रा के साथ हनुमान मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा अनुष्ठान शुरू

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोमिया (बोकारो) : गोमिया प्रखंड में बडकी चिदरी पंचायत के माघो ग्राम के हनुमान मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का शुभारंभ बुधवार को कलश-यात्रा के साथ हुआ। कलश यात्रा में 551 महिलाएं सहित भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इस कलशयात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में गिरिडीह सांसद चन्द्र प्रकाश चौधरी विशिष्ट अतिथि गोमिया विधायक डा. लम्बोदर महतो गोमिया जिप अध्यक्ष सुनीता देवी शामिल हुए। कलश यात्रा मंदिर प्रांगण से आरंभ होकर जलस्रोत पहुंची,

वहां श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर कलश में जल लिया। इसके बाद पुनः जल भर सभी महिलाएं माथे पर कलश लेकर मुख्य पथ, गली-मोहल्ला होते हुए गाजेबाजे और भक्तिमय गानों के साथ मंदिर प्रांगण पहुंचीं। वहां कलश की विधिवत रूप से स्थापना की गई। मौके पर मुख्य अतिथि ने सभी श्रद्धालुओं को शुभकामना देते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से स्वच्छ वातावरण व पवित्रता का माहौल बना रहता है ।कार्यक्रम में यज्ञ समिति के सभी सदस्य व सैकड़ों की तादाद में महिला व पुरुष बच्चों श्रद्धालु शामिल हुए।

संक्षिप्त समाचार

धातकीडीह ब्लड बैंक के पास लघुशंका करते वक्त पेड़ गिरने से युवक की मौत

जमशेदपुर , एजेंसी। बिष्टुपुर के धातकीडीह ब्लड बैंक के पास लघुशंका कर रहे युवक शेख सफीउल्ला (30) पर पेड़ गिरने से मौत हो गई। घटना सोमवार रात साढ़े दस बजे की है। शेख सफीउल्ला मूलरूप से पुरुलिया के शंकरपाड़ा छोटो मस्जिद के पास का रहने वाला था। यहां भालूबासा भोला बेकरी नूरजहां अपार्टमेंट में किराए पर रहता था। बिष्टुपुर थाने में मृतक के पिता शेख गरीबुल्ला के बयान पर अस्वभाविक मौत का मामला दर्ज कराया गया है। पिता ने बताया कि वह पिछले सात साल से शहर में रहकर सोनारी गोल्ड बेकरी में काम कर रहा था। सोमवार की रात वह काम खत्म होने के बाद बाइक से घर लौटते वक्त धातकीडीह ब्लड बैंक के पास लघुशंका करने के लिए रुका। इसी दौरान पेड उसके ऊपर गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हुआ। उसके इलाज के लिए टीएमएच ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पिता ने बताया कि वह पिछले सात साल से शहर में रहकर सोनारी गोल्ड बेकरी में काम कर रहा था। सोमवार की रात वह काम खत्म होने के बाद बाइक से घर लौटते वक्त धातकीडीह ब्लड बैंक के पास लघुशंका करने के लिए रुका। इसी दौरान पेड उसके ऊपर गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हुआ। उसके इलाज के लिए टीएमएच ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

हजारीबाग के अरण्य बिहार होटल में लगी आग, फायर कंट्रोल की नहीं थी सुविधा, पूरा होटल जल कर हुआ राख

हजारीबाग , एजेंसी। हजारीबाग के कोर्रा थाना क्षेत्र के होटल अरण्य बिहार में आज सुबह आग लग गई। यह होटल मैरेज हॉल भी है। बताया जाता है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। होटल के मैनेजर रिंकू कुमार ने बताया कि सुबह आठ बजे के करीब होटल में आग लगने की जानकारी मिली।उन्होंने बताया कि इसके बाद घटनास्थल पर पहुंच कर दमकल विभाग को जानकारी दी गई। जब तक दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचती तक तक आग विकराल रूप ले चुका था। इसके बाद दमकल की दो गाड़ियों ने लगभग तीन घंटे की मेहनत के बाद आग पर काबू पाया। जानकारी के मुताबिक होटल में प्लाइवुड की मदद से डेकोरेशन और फॉल्स सीलिंग का काम किया गया था। इस वजह से आग तेजी फैली। आगजनी में फॉल्स सीलिंग और डेकोरेशन का काम पूरी तरह से जल गया। इस वजह से लाखों के नुकसान का अनुमान लगाया गया है। घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ भी जुट गई। बताया यह जाता है कि यह शादी घर हर दिन बुक रहता था। हालांकि आज की बुकिंग नहीं थी वरना किसी भी बड़ी घटना होने से इनकार नहीं किया जा सकता था।जानकारी के मुताबिक होटल में किसी तरह की फायर कंट्रोल की सुविधा नहीं थी। यही वजह है कि आगजनी की घटना को टाला नहीं जा सका। होटल संचालक ने बताया कि शादियों के इस सीजन में कई बुकिंग थी, जिसे अब कैंसल करना पड़ेगा।

चुनाव आयोग करें भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो मामले जांच, सरयू राय ने भाजपा पर बोला हमला

धनबाद, एजेंसी। भाजपा ने 2014 में कहा था कि बाघमारा को ढुल्लू के आतंक से मुक्त कर देंगे। लेकिन आज इस आतंक करने वाले को धनबाद लोकसभा का भाजपा ने प्रत्याशी बनाया है। जिस पर 50 से अधिक मामले दर्ज हैं। यह बातें जमशेदपुर के विधायक व भारतीय जनतंत्र मोर्चा के संस्थापक सरयू राय ने धनबाद में सोमवार को पत्रकार वार्ता में कहा। उन्होंने कहा कि 22 ऐसे मामले का धारा हैं, जिसका ट्रायल अगर तुरंत शुरु हो जाए तो 5 से 10 साल तक की सजा हो सकती है। बीसीसीएल के एरिया 1 से लेकर पांच एरिया तक ढुल्लू महतो की रंगदारी चलती है। यह पुलिस के रिकॉर्ड में भी है। बाघमारा क्षेत्र के आधा दर्जन गांवों में महतो ने जबरदस्ती जमीन कब्जा करके रखा है। वहां के लोग आतंक के साए में जी रहे हैं। भारतीय जनतंत्र मोर्चा के टीम उन पीड़ितों से मिलेगी और चुनाव आयोग के पास रिपोर्ट भेजेगी। भारतीय जनता पार्टी ने 400 पर का नारा दिया है। और इन क्रिमिनलों के जरिए अगर 400 का आंकड़ा पार करना चाहती है। यह काफी दुर्भाग्य की बात है।धनबाद से चुनाव लड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि भारतीय जनतंत्र मोर्चा धनबाद से चुनाव लड़ेगी, लेकिन प्रत्याशी कौन होगा यह पांच सदस्य टीम तय करेगी। यही 5 सदस्य टीम बाघमारा के दौरे पर जा रही है। वहां से लौटने के बाद स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

चार दिव्यांगों ने सामान्य छात्रों को भी छोड़ा पीछे, 76 प्रतिशत के साथ सुबोध टॉपर

धनबाद, एजेंसी। उत्क्रमित उच्च विद्यालय आमटाल बलियापुर के सुबोध कुमार 76 प्रतिशत अंकों के साथ सफल रहे हैं। वहीं उत्क्रमित उच्च विद्यालय कोलाकुसमा के दीपक कुमार दास को कुल 318 अंक मिले हैं। इस तरह वे 63.60 प्रतिशत अंकों के साथ सफल हुए हैं। इसी स्कूल के अंकित चौहान 60.40 प्रतिशत यानि 302 अंकों के साथ और विष्णु टुडू 300 अंकों के साथ प्रथम श्रेणी से पास हुए हैं। ये सभी ऐसे दिव्यांग विद्यार्थी हैं, जो देख नहीं सकते। इन्होंने झारखंड एकेडमिक काउंसिल द्वारा जारी मैट्रिक परीक्षा 2024 में शानदार प्रदर्शन किया है। खास बात यह है कि इन विशेष विद्यार्थियों ने केवल अपनी कैटेगरी में ही नहीं, बल्कि अपने स्कूल के कई सामान्य छात्र-छात्राओं को भी पीछे छोड़ दिया है।

हवाईअड्डे की योजना बनी, सर्वे हुआ, जमीन भी चिह्नित, पर सब सिर्फ कागजों में ही

धनबाद, एजेंसी। देश के प्रतिष्ठित माइनिंग संस्थान सिंफर, आईआईटी आईएसएम, खान सुरक्षा महानिदेशालय, बीसीसीएल तथा रेलवे का व्यापक क्षेत्र होने के बावजूद एयरपोर्ट से धनबाद वंचित है। यहां एयरपोर्ट की मांग कई वर्षों से उठ रही है। इसके नाम पर कई अभियान चले, राजनीति भी खूब हुई। राज्य सरकार के अनुरोध पर 2017 में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने सर्वे किया, फिर 2017 से 2021 तक जमीन चिह्नित करने की कवायद शुरू हुई।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय की देशभर में नया ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट बनाने की योजना भी थी, पर जमीन चयन के साथ ही सरकार का प्रस्ताव जरूरी था। 2021 में जमीन चिह्नित भी हुई, पर फिर न कुछ किया गया और न ही नागरिक उड्डयन मंत्रालय के पास एयरपोर्ट बनाने का प्रस्ताव ही भेजा गया। जिस वजह से धनबाद आज तक एयरपोर्ट निर्माण का रास्ता ही नहीं नकाला गया। जानकार कहते हैं कि धनबाद में एयरपोर्ट या तो राज्य सरकार या फिर केंद्र सरकार की पहल पर ही बन सकता है। दोनों सरकारें अगर चाह लें तो एयरपोर्ट आसानी से हासिल हो सकता है। अब चुनावी बेला है। ऐसे में जनता इस बार भी फिर नेताओं से सवाल करेगी।

स्थानीय प्रशासन ~ हवाई अड्डे के लिए अधिगृहीत की जाने वाली जमीन चिह्नित करने व अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी करनी थी। बलियापुर में जमीन चिह्नित की गई, पर इसके आगे की प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकी। जमीन चिह्नित होने के बाद आगे क्या करना है, उसकी सही जानकारी और दिशा-निर्देश जिले के अधिकारियों के पास नहीं है।राज्य नागर विमानन निदेशक ने डीसी से बलियापुर में एयरपोर्ट निर्माण को जमीन की उपलब्धता की रिपोर्ट मांगी थी। डीसी के निर्देश पर नवंबर 2021 में बलियापुर सीओ ने प्रस्तावित स्थल पर 642 एकड़ जमीन चिह्नित कर डीसी को रिपोर्ट सौंपी। इसके बाद राज्य सरकार से कोई निर्देश नहीं मिला।

धनबाद के लोगों को फ्लाइट पकड़ने के लिए दुर्गापुर या रांची जाना पड़ता है। दोनों की धनबाद से दूरी 100 किमी से अधिक है। यह दूरी तय करने और खास कर रांची जाने में तीन घंटे से अधिक समय लगता है। वेल्लोर के सीएमसी अस्पताल ने धनबाद में अपना एक्सटेंशन शुरू करने की वैचारिक सहमति दी थी, पर उसकी पहली शर्त यह थी कि पास में एयरपोर्ट होना चाहिए। देश के बड़े डॉक्टर भी फ्लाइट के बाद लंबी सड़क यात्रा से बचाना चाहते हैं। देश के बड़े उद्योगपति तथा व्यवसायी अगर काम के सिलसिले में धनबाद आना-जाना चाहें तो उन्हें हवाई सेवा नहीं मिल पाती है।

आईआईटी, सिंफर, बीसीसीएल, डीजीएमएस, सीएमपीएफ और रेलवे से बड़ी संख्या में अधिकारी और कर्मी दिल्ली, कोलकाता सहित अन्य शहरों के लिए हवाईयात्रा करते हैं।

रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम के तहत बोकारो एयरपोर्ट विकसित हुआ है, जहां से पहले चरण में कोलकाता और पटना की फ्लाइट की मंजूरी थी। जमशेदपुर, दुमका व आसपास के शहरों को बोकारो से एयर कनेक्टिविटी मिल सकती है। ऐसे में बोकारो एयरपोर्ट से धनबाद के लोगों को खास लाभ नहीं मिलेगा।

देश की कोयला राजधानी में आईआईटी,ि संफर, डीजीएमएस, बीसीसीएल जैसे संस्थान, हर माह मिल सकते हैं 10000 हवाई यात्री, पर कभी एयरपोर्ट की गंभीर पहल हुई ही नही।

हाई कोर्ट की शिकायत लेकर सबसे बड़ी अदालत पहुंचे हेमंत सोरेन

रांची, एजेंसी। जेल में बंद झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अब सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। बुधवार को उन्होंने अपनी याचिका पर तत्काल सुनवाई करने का अनुरोध किया है, जिसमें पूर्व सीएम ने झारखंड हाई कोर्ट पर आरोप लगाया है कि उनकी याचिका पर फैसला सुनाने में देरी की जा रही है। दरअसल, हेमंत सोरेन ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की गिरफ्तारी को चुनौती दी है। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने जस्टिस संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की पीठ के समक्ष मामले का उल्लेख करते हुए चल रहे लोकसभा चुनावों के मद्देनजर सोरेन के केस की तुरंत सुनवाई करने का अनुरोध किया है।

हाई कोर्ट पर क्या आरोप

पूर्व सीएम के वकील कपिल सिब्बल ने बताया कि हमने अनुच्छेद 32 के तहत इस अदालत का रुख किया था, लेकिन हमें पहले हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाने के लिए कहा गया था। हम वहां गए। मामले की सुनवाई 27 और 28 फरवरी को हुई और फैसला सुरक्षित रख लिया गया। लेकिन अभी तक फैसला नहीं सुनाया गया है। हम जज के पास वापस गए, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं कहा।

बहू ने सास को पीटकर 30 लाख के गहने छीने, परेशान होकर पति रहता है घर से दूर

रांची, एजेंसी। रांची के हरिहर सिंह रोड में गणेश अपार्टमेंट में रहने वाली बुजुर्ग महिला शकुंतला कुमारी के साथ सोमवार को बहू संजना वर्मा, उसकी मां, मौसा सुनील वर्मा और मौसी ने मारपीट की। बहू ने रिश्तेदारों के साथ मिलकर सास के कमरे में रखे 30 लाख रुपए के जेवर भी लूट लिए। इससे पूर्व प्रतिकार करने पर सभी ने एकमत होकर वृद्ध महिला की जमकर पिटाई की और गरदन दबाकर हत्या का प्रयास किया। पीड़िता की लिखित शिकायत पर बरियातू थाना में बहू संजना, मां, मौसा व मौसी पर नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया है कि उनके पुत्र ईशान का विवाह संजना के साथ साल 2011 में हुआ था। विवाह के कुछ दिन बाद से ही बहू बेटा ईशान, सास एवं सुसर को शारीरिक एवं मानसिक प्रताड़ना देने लगी। बहू बाद में पटना में अपनी मौसी के यहां रहने लगी। बताया गया कि उनके पुत्र ईशान ने वर्ष 2022 में तलाक की अर्जी दायर की। पता चलते ही वह रांची आई और फ्लैट में रहने लगी। पत्नी के व्यवहार से आजिज ईशान अपने भाई के यहां रहने लगा।इसी बीच पिछले 19 अप्रैल को सास शकुंतला अपने घर धनबाद चली गई। वह जब सोमवार को लौटी तो बहू ने अपनी मां, मौसा-मौसी के साथ मिलकर मारपीट की और जबरन आलमीरा की चाबी छिन ली। इसके बाद उसने वहां रखे 30 लाख रुपए मूल्य के जेवरात अपने कब्जा में कर लिया। इधर केस दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

जमशेदपुर में धराशायी होंगी कई इमारतें ! अवैध निमार्ण पर हाई कोर्ट ने कहा- अब बिल्डिंग गिरेगी, फिर होगी बात

जमशेदपुर, एजेंसी। शहर में बढ़ते अवैध निर्माण को लेकर झारखंड हाईकोर्ट ने जमशेदपुर अक्षेस के प्रति सख्त रुख अपनाया है। जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय और जस्टिस दीपक रौशन की पीठ ने अक्षेस द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट पर नाराजगी जताते हुए कहा कि पहले कुछ अवैध निर्माणों को ध्वस्त करके दिखाएं, उसके बाद ही आगे की बातचीत होगी।

सोमवार को राकेश झा द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट द्वारा गठित अधिवक्ता आयोग के अध्यक्ष, वरिष्ठ अधिवक्ता आरएन सहाय ने अपनी दूसरी रिपोर्ट अदालत में पेश की। इस रिपोर्ट में शहर में फैले अवैध निर्माण के जाल और अक्षेस की लापरवाही का विस्तृत ब्यौरा दिया गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि किस तरह से नियमों को ताक पर रखकर अवैध निर्माण किए जा रहे हैं और अक्षेस के अधिकारी मूकदर्शक बने हुए हैं।

सुनवाई के दौरान अक्षेस के अधिवक्ता ने दावा किया कि 46 अवैध भवनों को सील कर दिया गया है। इस पर अदालत ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पूछा कि कितने अवैध निर्माणों को वास्तव में ध्वस्त किया गया है। अदालत ने कहा कि अक्षेस द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट महज दिखावा है और इसमें 2011 में सील किए गए भवनों की सूची को ही दोहराया गया है, जबकि हकीकत में इन भवनों से सीलिंग हटा ली गई है और एक भी अवैध निर्माण को गिराया नहीं गया है।

कमीशन की रिपोर्ट का अध्ययन करने के बाद अदालत ने अक्षेस के अधिवक्ता से कहा कि बेसमेंट में पार्किंग और कमर्शियल काम्प्लेक्स बनाने की बात तो सुनी है, लेकिन बेसमेंट में किचन बनाने की बात कभी नहीं सुनी। अदालत सेंटर प्वाइंट होटल में हुए अवैध निर्माण का उदाहरण देते हुए यह टिप्पणी कर रही थी। इस पर अक्षेस के अधिवक्ता कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। चूंकि कमीशन ने सोमवार को ही अपनी रिपोर्ट पेश की है, इसलिए अदालत ने कहा कि वह रिपोर्ट का विस्तृत अध्ययन करना चाहेगी। इस मामले की अगली सुनवाई 30 अप्रैल को निर्धारित की गई है। अदालत ने अक्षेस को चेतावनी देते हुए कहा कि अगली सुनवाई तक ठोस कार्रवाई करके दिखाएं, वरना सख्त कदम उठाए जाएंगे।

याचिकाकर्ता के वकील अखिलेश श्रीवास्तव ने कहा कि अक्षेस के अधिवक्ता अदालत को लगातार गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अक्षेस द्वारा की गई कार्रवाई नाकाफी है और शहर में अवैध निर्माण का धंधा बदस्तूर जारी है।

उन्होंने अदालत से अनुरोध किया कि वह इस मामले में सख्त रुख अपनाए और अक्षेस को अवैध निर्माण पर रोक लगाने के लिए ठोस कदम उठाने का निर्देश दें।

शहर में बड़े पैमाने पर हो रहे अवैध निर्माण के कारण शहर की बुनियादी सुविधाओं पर भारी दबाव पड़ रहा है। सड़कें संकरी हो रही हैं, जल निकासी की व्यवस्था चरमरा गई है और पार्किंग की समस्या विकराल रूप ले चुकी है।

गर्भावस्था में इम्युनिटी कमजोर होने से मलेरिया होने की संभावना प्रबल

छपरा, एजेंसी। एक्सीलिरेटिंग द फाइट अगेंस्ट मलेरिया फॉर ए मोर इक्विटेबल वर्ल्ड थीम के तहत आगामी 25 अप्रैल को विश्व मलेरिया दिवस मनाए जाने को लेकर विभागीय स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई है। सिविल सर्जन डॉ सागर दुलाल सिन्हा ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिलेवासियों की मदद से लोगों में मलेरिया के प्रसार को रोकने के लिए जागरूकता पैदा करना मुख्य उद्देश्य होना चाहिए।

क्योंकि मलेरिया एक जानलेवा बीमारी है जो मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से होता है। प्लाजमोडियम परजीवी से संक्रमित इस मच्छर के काटने से यह परजीवी मनुष्य के शरीर में प्रवेश कर जाता है। हालांकि पूरे विश्व में मलेरिया को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए हर संभव प्रयास किया जाता है।

लक्षणों के आधार पर मरीजों की जांच कर दी जाती है दवा जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी (डीवीबीडीसीओ) डॉ दिलीप कुमार ने बताया कि मलेरिया बीमारियों से संबंधित लक्षणों के आधार पर मरीजों का रक्त जांच कर बुखार उतारने के लिए दवा दी जाती है। ताकि गर्भवती महिलाएं और बच्चों को मलेरिया से बचाव किया जा सके। क्योंकि गर्भावस्था में इम्युनिटी बहुत कमजोर हो जाती है, जिस कारण मलेरिया सामान्य की तुलना में जल्दी और अत्यधिक गंभीर होने की संभावना प्रबल हो जाती हैं।

जिससे गर्भवती महिलाओं को बार-बार मलेरिया होने के कारण कई जटिलताओं पैदा हो सकती हैं। इसको रोकने के लिए मच्छरों को पनपने से रोकना होगा। क्योंकि मलेरिया के मच्छर शाम या रात में अधिक सक्रिय रहते हैं। अपने घर के आसपास गंदे पानी का जमाव और कूड़े कचरे को फैलने से रोकना होगा। पूरे शरीर को ढंकने वाले कपड़े पहनें और मच्छर के प्रकोप को रोकने के लिए घरेलू उपायों के साथ ही मच्छरदानी लगाकर ही सोने की सलाह दी जाती है।

छात्रा से चैटिंग करता था टीचर, होने वाले पति ने खुलासा कर शादी से किया इनकार

रांची, एजेंसी। झारखंड में एक स्कूल के टीचर को बंधक बना लिया गया। दरअसल, शिक्षक पर आरोप है कि वह अपने स्कूल की एक छात्रा के साथ वाट्सऐप पर चैटिंग करता था। टीचर की पहचान बालकुमार के रूप में हुई है। वह चतरा के उत्क्रमित इंटर स्कूल में पढ़ाता है। शिक्षक को लेकर इन दिनों सोशल मीडिया पर भी खूब चर्चा है।

जानकारी के मुताबिक, टीचर के चैटिंग करने का खुलासा उस छात्रा के होने वाले पति ने किया। लड़की की इसी साल शादी होनी है। टीचर और छात्रा के बीच चैटिंग की जानकारी होने वाले पति को मिली। जानकारी मिलते ही उसने लड़की से शादी करने से इनकार कर दिया। तब मामले की जानकारी कुछ और लोगों को मिली। इसके बाद शिक्षक को पदमा बुलाया गया। ग्रामीणों ने शिक्षक के साथ कड़ी पूछताछ की। टीचर को उन लोगों ने घंटों अपने कब्जे में रखा।वहीं चतरा के सोंकी के उत्क्रमित इंटर स्कूल के प्राचार्य ने बताया कि इस मामले के संबंध में मुझे जानकारी नहीं है। शिक्षक ने दो दिनों की छुट्टी का ऑनलाइन आवेदन दिया है। चुनाव के कारण छुट्टी उच्च अधिकारी द्वारा मंजूर की जाती है।

पिस्कानगड़ी थाना क्षेत्र में एक 15 वर्षीया नाबालिग लड़की से सोमवार की रात छह युवकों ने दुष्कर्म किया। पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता की ओर से थाने में दर्ज कराई गई प्राथमिकी के अनुसार, वह अपने रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में गई थी।

वहां रात 10 बजे नाच-गान कर रही थी। उसी दौरान एक आरोपी उसे बहलाकर घर के पीछे ले जाकर दुष्कर्म किया। इसके बाद फोन कर अपने पांच अन्य साथियों को भी बुला लिया। साथियों ने भी दुष्कर्म किया। इसके बाद घटना की जानकारी किसी को देने पर जान मारने की धमकी देते हुए सभी वहां से निकल भागे। घटना के बाद पीड़िता मुश्किल से घर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी।

हल्की लापरवाही भी बड़े नुकसान के बन सकते हैं कारण : विजयंत रंजन

निरसा , एजेंसी। एमपीएल मुख्य प्लांट परिसर में अग्निशमन सेवा दिवस को लेकर आयोजित अग्नि सुरक्षा सप्ताह का समापन मंगलवार को किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से एमपीएल के सीईओ विजयंत रंजन मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरूआत कर्तव्य पालन के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले अग्नि शमन कर्मियों को श्रद्धांजलि देकर की गई। नए फायर टेंडर का उद्घाटन व अग्निशमन उपकरणों का लाइव प्रदर्शन भी किया गया।

वहीं एमपीएल के विभिन्न स्थानों में स्लोगन, पोस्टर, चित्रांकन के अलावा जगह-जगह जागरूकता शिविर, आग से बचाव के लिए प्रायोगिक परीक्षण सहित अन्य कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इधर डीवीसी में प्रतिनियुक्त सीआईएसएफ एवं एमपीएल के अग्निशमन दल ने एमपीएल आनंदम टाउनशिप में संयुक्त रूप से मॉक ड्रिल किया। उक्त कार्यक्रम का उद्घाटन एमपीएल के सीएमओ सुधाकर टंडन ने किया। बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को एमपीएल प्रबंधन ने सम्मानित भी किया।

सीईओ विजयंत रंजन ने कहा कि सुरक्षा को सर्वोपरि है। हल्की लापरवाही बड़े नुकसान के कारण बन सकते हैं। हर पल चौकन्ना रहने व एहतियात बरतने की आवश्यकता पर बल देना है। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुरक्षा प्रमुख उमेश गौतम, सुरक्षा अधिकारी ओपी आर्या, अभिजीत पांडे व अग्निशमन अधिकारी राज कुमार राय का योगदान रहा। इधर विश्व पृथ्वी दिवस को लेकर भी एमपीएल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पृथ्वी को हरा भरा एवं स्वस्थ्य रखने का संकल्प लिया गया। प्लास्टिक मुक्त वातावरण को बढ़ावा देने जैसी सक्रिय पहल की गयी। पौधे भी लगाए गए। एमपीएल के सीईओ विजयंत रंजन ने पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रकृति से जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम में एमपीएल अधिकारी सुधाकर टंडन, प्रवीण बी राउत, सुप्रतीक मुखर्जी, पीके बंधु, उमेश गौतम, राज कुमार राय, ओपी आर्या, अभिजित पाण्डे, अमन सिंह, अजय कुमार आदि थे।

संयुक्त रूप से मॉक ड्रिल किया। उक्त कार्यक्रम का उद्घाटन एमपीएल के सीएमओ सुधाकर टंडन ने किया। बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को एमपीएल प्रबंधन ने सम्मानित भी किया। सीईओ विजयंत रंजन ने कहा कि सुरक्षा को सर्वोपरि है। हल्की लापरवाही बड़े नुकसान के कारण बन सकते हैं। हर पल चौकन्ना रहने व एहतियात बरतने की आवश्यकता पर बल देना है।कार्यक्रम को सफल बनाने में सुरक्षा प्रमुख उमेश गौतम, सुरक्षा अधिकारी ओपी आर्या, अभिजीत पांडे व अग्निशमन अधिकारी राज कुमार राय का योगदान रहा। इधर विश्व पृथ्वी दिवस को लेकर भी एमपीएल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पृथ्वी को हरा भरा एवं स्वस्थ्य रखने का संकल्प लिया गया। प्लास्टिक मुक्त वातावरण को बढ़ावा देने जैसी सक्रिय पहल की गयी। पौधे भी लगाए गए। एमपीएल के सीईओ विजयंत रंजन ने पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रकृति से जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम में एमपीएल अधिकारी सुधाकर टंडन, प्रवीण बी राउत, सुप्रतीक मुखर्जी, पीके बंधु, उमेश गौतम, राज कुमार राय, ओपी आर्या, अभिजित पाण्डे, अमन सिंह, अजय कुमार आदि थे।

धनबाद में शराब के शौकीनों पर गिरी गाज, मई में चुनाव के कारण नौ दिन रहेगा ड्राई डे

धनबाद, एजेंसी। चुनाव का पर्व, देश का गर्व लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर हर तरह के एहतियात भारत निर्वाचन आयोग बरत रही है। लोगों को मतदान को लेकर परेशानी ना हो, सुरक्षा के चाक चौबंद व्यवस्था हो, किसी भी तरह से लोक शांति भंग ना हो और विधि व्यवस्था बनी रहे। हर छोटी सी छोटी स्थिति पर नजर रखी जा रही है। इसी कड़ी में शराब बंदी भी महत्वपूर्ण है।

चुनाव आयोग के प्रविधानों के अनुसार मतदान समाप्त होने से 48 घंटा पूर्व से लोकसभा क्षेत्र और इसके सीमावर्ती जिलों में ड्राई डे घोषित किया जाना है।ऐसे में मई माह में धनबाद के शराब के शौकिनों के लिए नौ दिन ड्राई डे रहेगा। इस दौरान जिले की सभी अंग्रेजी व देशी अनुज्ञप्ति प्राप्त दुकानें बंद रहेंगी। इस दौरान होटलों, ढाबा, भोजनालय आदि सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन पर भी प्रतिबंध रहेगा।धनबाद जिला की बात करें तो इसकी सीमा पांच लोक सभा क्षेत्रों से सटी हुई है।

मतदाता सूची में नाम न हो तब भी कर सकते है मतदान!

देश मे पहले चरण का लोकसभा चुनाव मतदान 19 अप्रैल को हो रहा है।लोकसभा की 543 सीटों के लिए 97 करोड़ से अधिक मतदाता 10.50 लाख मतदान केंद्रों के माध्यम से विभिन्न चरणों मे मतदान कर सकेंगे।जिसके लिए चुनाव आयोग ने लगभग डेढ़ करोड़ चुनाव अधिकारियों की नियुक्ति की है।मतदान सहज रूप से मतदाताओं को आवश्यक सुविधाओं के साथ सम्पन्न कराया जा सके ,इसके लिए मतदान स्थल पर पेयजल सुविधा, शौचालय, व्हीलचेयर, रैंप, शेड,बिजली आपूर्ति, स्वयं सेवक प्रदत्त किये गए है।देश को मिली आजादी के बाद से अभी तक मतदान के विभिन्न चुनाव में विभिन्न तरीके अपनाये गए है। गांव स्तर से लेकर राज्य और केन्द्र स्तर तक अपना जनप्रतिनिधी चुनने के लिए जो तरीके अपनाये गए उनमें हाथ उठाकर अपना वोट डालने से लेकर ईवीएम वोटिंग मशीन तक का उपयोग मतदाताओं के लिए वरदान बना है। सन 1952 से लेकर साथ के दशक तक गांव में लोग अपना प्रधान व ग्राम सदस्यों का चुनाव हाथ उठाकर करते थे। तब न बैलट पेपर का झंझट था ,न वोटिंग मशीन की जरूरत थी, बस हाथ उठाओं और हो गया वोट । हरिद्वार जिले के गांव खुब्बनपुर निवासी मास्टर सुमन्त सिंह आर्य ने अपनी सरकारी नोकरी के दौरान चार बार ऐसे चुनाव कराये जब वोट बैलट के बजाए हाथ उठाकर दिया गया था। ग्राम सभाओं के ग्राम प्रधान व ग्राम सभा सदस्यो के चुनाव सन 1962 तक हाथ उठाकर ही कराये जाते थे। लेकिन जब हाथ उठाकर वोट देने के कारण लोगो के बीच आपसी राजनीतिक रंजिश बढने लगी तो हाथ उठाकर वोट देने की सरल व सुगम परम्परा को बन्द करना पडा। हालांकि आजादी के पहले तक तो हाथ उठाकर वोट डालने की परम्परा सामान्य थी। लेकिन तब भी कभी बडे सदनो के लिए हाथ उठाकर वोट डालने की प्रक्रिया को नही अपनाया गया।अपने जीवनकाल में स्वाधीनता सेनानी सत्यवती सिन्हा ने अपने अनुभव सुनाते हुए बताया था कि पहले लोग वोट का मतलब तक नही समझते थे । एक बार जब वे लोगो को एक पार्टी विशेष के पक्ष में वोट डालने के लिए कहने गई और उन्हे उस समय के चुनाव चिन्ह बैलो की जोडी के बारे में बताया तो गांव की महिलाओं ने वोट डालने के लिए मतदान केन्द्र पर जाने के बजाए खेतो में जाकर बैलो की जोडी के सामने पांच पांच पैसे चढा दिये और समझ लिया कि उन्होने मतदान कर दिया है।

कांग्रेस, पाकिस्तान और मुसलमान

पूर्णेन्दु पुष्पेश

जैसे कि उम्मीद थी तकरीबन वैसा ही हो रहा है। 2024 के आम चुनाव में भी भारतीय जनता पार्टी की इलेक्शन कैंपनिंग कांग्रेस, पाकिस्तान और मुसलमानों के ईर्द-गिर्द ही घूम रही है। चुनाव शुरू होने से पहले और अब तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जितनी भी सभाएं हुईं हैं या जितनी दफा भी उन्होंने भाषण दिए हैं उनका केन्द्र या तो पूर्ववर्ती कांग्रेसनीत सरकार की खामियां गिनाना रहा है या फिर पाकिस्तान की बात करना या प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष तौर पर मुसलमानों का जिक्र करना ही रहा है। मोदी ने अपने अब तक के कार्यकाल की उपलब्धियों को शायद कम ही गिनाया है। इसके पीछे वजह जो भी हो लेकिन मोदी जैसी शख्सियत से ये उम्मीद तो की ही जानी चाहिए कि वो अपने कामों से वोट मांगें।हाल ही में पीएम नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के एक पुराने भाषण का हवाला देते हुए मुसलमानों पर टिप्पणी की थी, जिसमें उन्हें घुसपैठिए और ज्यादा बच्चे पैदा करने वाला कहा गया था। पीएम मोदी ने मनमोहन सिंह के जिस 18 साल पुराने भाषण का जिक्र किया है, उसमें मनमोहन सिंह ने मुसलमानों को पहला हक देने की बात नहीं कही थी। तब मनमोहन सिंह ने 2006 में कहा था, अनुसूचित जातियों और जनजातियों को पुनर्जीवित करने की जरूरत है। हमें नई योजनाएं लाकर ये सुनिश्चित करना होगा कि अल्पसंख्यकों का और खासकर मुसलमानों का भी उत्थान हो सके, विकास का फायदा मिल सके। इन सभी का संसाधनों पर पहला दावा होना चाहिए। अब, इतने साल बाद मोदी ने मनमोहन सिंह की इस टिप्पणी को अपने भाषण में क्यों इस्तेमाल किया ये बताने की जरूरत नहीं है। जिनके ज्यादा बच्चे हैं.. ये बात वो मोदी कर रहे हैं जो खुद 6 भाई-बहन हैं जिनमें वे तीसरें नंबर के हैं, उनकी एक बहन भी है। ये सभी जानते हैं कि नरेन्द्र मोदी का जन्म तत्कालीन बॉम्बे राज्य के महेसाना जिला स्थित वडनगर ग्राम में हीराबेन मोदी और दामोदरदास मूलचन्द मोदी के एक मध्यम-वर्गीय परिवार में 17 सितम्बर 1950 को हुआ था। वह पैदा हुए छह बच्चों में तीसरे थे। हीराबेन मोदी और दामोदरदास मूलचन्द मोदी के सबसे बड़े बेटे सोमभाई मोदी हैं। दूसरे नंबर पर अमृतभाई मोदी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने भाई-बहनों में तीसरे नंबर पर हैं। पीएम नरेंद्र मोदी से छोटे उनके भाई प्रह्लाद मोदी, फिर इकलौती बहन वसंतीबेन और सबसे छोटे भाई पंकज मोदी हैं। मोदी का परिवार मोध-घांची-तेली समुदाय से था, जिसे भारत सरकार द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। पीएम मोदी के ज्यादा बच्चे और घुसपैठिये वाले बयान

के बाद अब खुद मोदी और भाजपा नेता अपनी सरकार को मुसलमान हितैषी बताने की कोशिश कर रहे हैं। यहां ये बताना लाजमी होगा कि कुछ महीनों पहले ही भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा और मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने भी मुसलमानों को भाजपा से जोड़ने की कोशिश की थी। भाजपा ने पिछले साल मुसलमानों को पार्टी से जोड़ने के लिए मोदी भाईजान अभियान शुरू किया था। इसके तहत मुस्लिम बहुल गांवों में कौमी चैपाल मुहिम चलाई थी। लेकिन, जल्द ही भाजपा का कथित मुस्लिम प्रेम ज्यादा दिन परवान नहीं चढ़ सका और राजस्थान में पीएम मोदी ने मुसलमानों को ज्यादा बच्चा पैदा करने वाला और घुसपैठिया तक कर दिया। इससे पहले भी असम में मुसलमानों की तुलना घुसपैठियों से करते हुए मोदी ने बांग्लादेशी प्रवासियों पर भी टिप्पणी की थी। पश्चिम बंगाल में भाषण के दौरान मोदी कह चुके हैं कि बांग्लादेश से केवल उन लोगों का स्वागत है जो दुर्गाष्टमी मनाते हैं। बवाल के बाद मोदी ने ये कहकर पल्ला झाड़ लिया था कि उनके भाषण का गलत मतलब निकाला गया। पीएम मोदी कभी खुद को मुसलमानों का हितैषी बताते हैं तो कभी मुसलमानों को विपक्ष का वोट बैंक। यदि भाजपा में मुस्लिम प्रतिनिधित्व की बात की जाए तो 24 के आम चुनाव में भाजपा ने महज एक मुसलमान अब्दुल सलाम को टिकट दी है। अब्दुल सलाम केरल के मलप्पुरम से प्रत्याशी बनाया गया है। 2019 के लोस चुनाव में भाजपा ने आधा दर्जन मुसलमानों को टिकट दी थी। ऐसा नहीं है कि मुसलमानों में राजनीतिक काबलियत नहीं है। पिछले चुनाव में 27 मुस्लिम सांसद निर्वाचित हुए थे। 1980 के आम चुनाव में तो 49 मुसलमान जीतकर संसद पहुंचे थे। जो भाजपा नेता ये सोचते हैं कि मुसलमान भाजपा को वोट नहीं देते शायद वो ये भूल जाते हैं कि मुस्लिम बाहुल्य सीटों से आखिर भाजपा जीतती कैसे है। मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र सहित देश के अन्य राज्यों के मुस्लिम बाहुल्य विधानसभा क्षेत्रों का रिकार्ड उठाकर देखा जाए तो साफ हो जाता है कि कई मुस्लिम सीटों पर भाजपा प्रत्याशी जीतें हैं वो भी खासी बढ़त से। बावजूद इसके कभी मुगलों को लेकर तो कभी पहनावे को लेकर या फिर खान-पान को लेकर मुसलमान निशाने पर रहते हैं। भाजपा या अन्य किसी भी दल का नेता इस तरह से मजहबी तौर पर किसी को निशाना बनाए तो इसे अपरिपक्व माना जा सकता है लेकिन प्रधानमंत्री जैसे ओहदे पर बैठे और खासकर मोदी से मंझे हुए राजनेता से इस तरह की टिप्पणी की उम्मीद तो शायद ही किसी को हो। इस आम चुनाव से पहले तक तो प्रधानमंत्री मोदी हिंदू, हिंदुत्व, मुस्लिम जैसे शब्दों का इस्तेमाल कम ही करते थे, हालांकि वो इशारा जरूर कर देते थे कि किस के लिए क्या कहना चाह रहे हैं। बहरहाल, यदि मोदी कुछ कह रहे हैं तो इसके पीछे जरूर कोई गहरी बात होगी। शायद यही कि भाजपा को बहुसंख्यकों का वोट चाहिए। पार्टी के घोषणा पत्र में योजनाएं-नीतियां और विकास कार्यों का खाका तो है लेकिन हिन्दु-हिन्दुत्व की कसर भाषणों से पूरी की जा रही है। कुल मिलाकर, कांग्रेस, पाकिस्तान, हिन्दु-मुसलमान के बिना ये आम चुनाव भी नहीं होगा.....।

सड़कों पर कैसे थमे अराजकता

आर.के. सिन्हा

यकीन मानिए कि किसी देश और वहां के लोगों को जानने के लिए आपको कोई बहुत घुमक्कड़ी करने की जरूरत नहीं है। आप जिस देश के समाज को जानना चाहते हैं, उसके एयरपोर्ट से उतरने के बाद वहां की सड़कों में चल रहे यातायात को देख भर लें। आपको सब कुछ पता चल जाएगा कि वहां का समाज कितना अनुशासन प्रिय है या अराजकता में कितना यकीन करता है। राजधानी दिल्ली की सड़कों से गुजरते हुए यहां पहली बार आने वाले शख्स को इतना तो पता ही चल जाता होगा कि इधर की सड़कों पर यातायात नियमों को मानना भी लोग अपनी शान के खिलाफ समझते हैं। बेशक, राजधानी दिल्ली की सड़कों का नजारा देखकर डर लगता है। दो पहिया चलाने वाले न जाने कितने ड्राइवर दिखाई देते हैं, जिन्होंने हेलमेट नहीं पहना होता है । बात यहीं खत्म नहीं होती। वे बेखौफ ड्राइवर भी भरपूर मात्रा में मिल जाते हैं जो अपनी मोटरसाइकिल या स्कूटी चलाते हुए लगातार मोबाइल पर बात भी कर रहे होते हैं या म्यूजिक सुन रहे होते हैं । यह बहुत साफ है कि ड्राइविंग करते समय मोबाइल फोन का उपयोग करने से दुर्घटना का खतरा भयंकर रूप से बढ़ जाता है। जिस इंसान को अपनी जान की ही चिंता नहीं होगी, वह यातायात के नियमों को क्यों मानेगा। दिल्ली पुलिस की साल 2022 की एक रिपोर्ट के अनुसार, राजधानी में सड़क दुर्घटनाओं में पैदल चलने वालों के बाद दोपहिया वाहन चालक दूसरे सबसे अधिक पीड़ित हैं। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि 2022 में 539 दोपहिया वाहन चालकों की मृत्यु हुई, जो 2021 में 459 थी। ज्यादातर मामलों में, यह दोपहिया वाहन भारी वाहनों की चपेट में आए, उसके बाद चार पहिया वाहन आए। दिल्ली में पंजीकृत

दोपहिया वाहनों की भारी संख्या को देखते हुए, इन सवारों की भलाई के लिए एक सुरक्षित डिजाइन प्रणाली सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण हो जाता है। दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा को प्रभावित करने वाले सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक है हेलमेट का उपयोग न करना। हालांकि हेलमेट पहनना दिल्ली में वाहन चालकों और पीछे बैठने वालों के लिए भी अनिवार्य है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, बिना हेलमेट के गाड़ी चलाने के मामले हर साल बढ़ ही रहे हैं। इस साल 15 अप्रैल तक, पुलिस ने बिना सीट बेल्ट के गाड़ी चलाने या बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चलाने पर 20,822 चालकों पर जुर्माना किया है। 2023 में, हेलमेट नहीं पहनने पर 572,866 लोगों पर जुर्माना किया गया, जो पिछले वर्ष 212,440 की तुलना में 250 फीसद अधिक है। याद रख लें कि हेलमेट पहनने का तरीका भी महत्वपूर्ण। अध्ययनों से पता चला है कि दिल्ली में हेलमेट पहनने वालों में से बहुत कम लोग इसे ठीक से बांधते हैं, जिससे दुर्घटना की स्थिति में सिर की गंभीर चोट लगने का खतरा बढ़ जाता है। कहने की जरूरत नहीं है कि ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जरूरत है। वे ऐसे लापरवाह लोग हैं जो अपनी जान के साथ-साथ दूसरों की जान से भी खिलवाड़ करते हैं I उन पुलिस वालों पर भी कठोर एक्शन लेना ही होगा जो यातायात नियमों को तोड़ने वालों से घूस लेते हैं और छोड़ देते हैं । अब कोई यह न कहे कि पुलिस महकमे में घूसखोर नहीं बैठे हैं। वहां घूसखोरों की कोई कमी नहीं है। क्या यह देश भूल गया है कि सड़क हादसों में ही केन्द्रीय मंत्री राजेश पायलट, दिल्ली के मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा, केन्द्रीय मंत्री गोपीनाथ मुंडे और मशहूर एक्टर जसपाल भट्टी को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा था? इन हादसों में कितने लोग जीवन भर के लिए विकलांग हो जाते हैं, इसका तो कहीं से कभी कोई आंकड़ा मिल ही नहीं सकता। बहरहाल, लोगों को हेलमेट और सीट बेल्ट के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए लगातार अभियान चलाए जाने चाहिए। गुणवत्तापूर्ण हेलमेट और सीट बेल्ट की उपलब्धता सुनिश्चित करना भी जरूरी है। लोगों को मानक हेलमेट और सीट बेल्ट खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसके साथ ही सड़कों की खराब स्थिति, अपर्याप्त साइनेज और पैदल चलने वालों के लिए सुविधाओं की भारी कमी जैसे मुद्दों को दूर करने की आवश्यकता है। देखिए दिल्ली का तो यहां उदाहरण दे दिया गया। यातायात नियमों की तो सारे देश में अनदेखी हो रही है। यह अफसोसजनक स्थिति है(एक बात और कहने का मन कर रहा है I जब बात सड़कों के चौड़ीकरण, सौदर्यकरण और इनके विस्तार पर होती है तो पैदलयात्री के बारे में कोई नहीं सोचता। उसकी एक वजह यह भी है कि वह समाज का सबसे बेबस व्यक्ति है। वह गरीब है। उसकी आर्थिक-सामाजिक हैसियत कमजोर है। तो क्या इसलिए वो सड़क पर तड़प-तड़प कर मरने के लिए अभिशप्त है। क्या अमीरजादे सड़कों पर पैदलयात्रियों को कुचलते रहेंगे? पैदलयात्रियों का सड़कों पर कुचला जाना और यातायात के नियमों अनदेखी का सीधा संबंध है। कारों और दूसरे वाहनों की बिक्री को तो रोका नहीं जा सकता । लेकिन, सरकार कड़े उपाय करके पैदलयात्रिओं को राहत तो दे ही सकती है। फुटपाथों को फिर से कायम तो किया ही जा सकता है । सड़कों के किनारे जहां स्कूल, अस्पताल, मंदिर, मस्जिद आदि सार्वजनिक स्थान हों वहां तो अंडरपास या फुट ओवरब्रिज बनाए ही जा सकते हैं । कम से कम स्कूल की छुट्टी के समय एक ट्रैफिक का सिपाही तो तैनात हो ही सकता है । आज तो फुटपाथों की स्थिति यह हो गई है कि वहां पुलिस हफ्ते वसूल कर बाजार लगवा रही है I यह हर फुटपाथ पर आप देख सकते हैं I जरा सोचिए कि सड़क हादसों में मरने वालों में 50 फीसद 14-35 साल की उम्र के होते हैं। इनमें से बहुत सारे अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य होते हैं। यूं तो सड़क हादसों के तमाम कारण गिनाए जा सकते हैं। पर 66 फीसद हादसों का कारण तेज रफ्तार से और लापरवाही पूर्वक वाहन चलाना है। तो इस पर हर हाल में नियत्रंण करना होगा।

साहित्य/लोक साहित्य

ब्रह्मेश्वर नाथ मिश्र की कविता

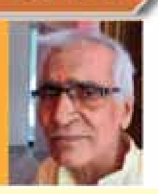

भगवान कृष्ण गोकुल छोड़ कर चले गए हैं। राधा जी कृष्ण विरह में व्याकुल विचार कर रही हैं कि कौन ऐसा उपाय करें जिससे कृष्ण से मिलन हो जाय। राधा जी के मनोभावों को व्यक्त करते हुए प्रस्तुत है मेरी ये रचना :-----

माधव कवन जतन अब मिलिहैं।
जब से छोड़ि गए गोकुल को ,
गलियाँ हो गईं सूनी।
दधि माखन काहू नहिं भावै ,
माखन कौन चुरैहैं।
माधव कवन जतन अब..........
कदम कि डाली जमुना के तट ,
तोहके रोज पुकारत।

मुरलि कि धुन अब सुन नहिं पावैं ,
मुरली कौन बजैहैं।
माधव कवन जतन अब..........
मधुबन रास रंग को प्यासा .
बन बन छाई उदासी।
तुम बिन मोहन इस मधुबन में ,
के अब रास रचैहैं।
माधव कवन जतन अब..........

आज का राशिफल

मेष : अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-5-6-7

वृष : संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। यात्रा का योग बनेगा। विद्यार्थियों को लाभ। शुभांक-5-7-8

मिथुन : शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। स्वविवेक से कार्य कर। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-7

कर्क : कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-6-7

सिंह : प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-9

कन्या : स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। उन्नति के योग हैं। शुभांक-4-5-7

तुला : नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-7-8-9

वृश्चिक : जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-4-6-8

धनु : कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर वाले मदद करेंगे। शुभांक-5-7-9

मकर : बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दें। शुभांक-2-4-6

कुंभ : सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय होगा और प्रसन्नताएं बढ़ेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। **मीन** : धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगे।

शब्द पहेली - 8108

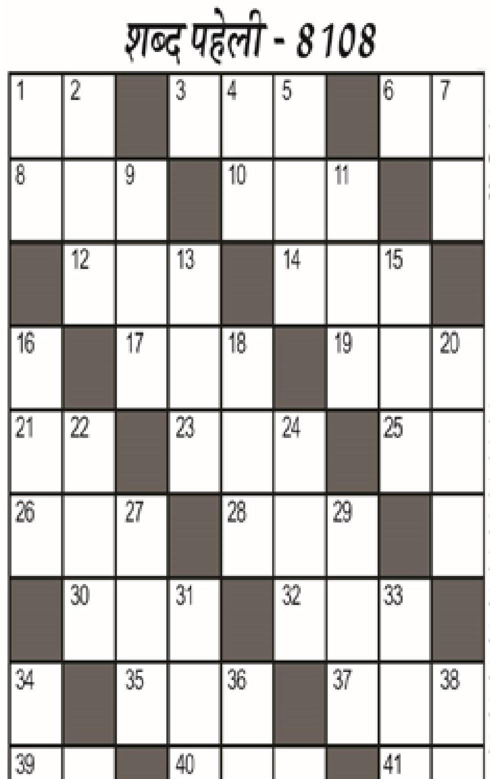

बाएँ से दाएँ

1.ईश्वर,भगवान-2
3.सुंदर,खूबसूरत-3
6.सलाह,मत-2
8.स्नान करना-3
10.वध करना-3
12.निर्माण-3
14.रूई का पौधा-3
17.आयोग्य-3
19.अंजाम देना-3
21.कत्ल,हत्या-2
23.नौकरानी-3
25.गाने का ढंग, शैली-2
26.मुलायम-3
28.एक गहरा व बड़ा बर्तन-3
30.तृतीय, दूसरे के बाद-3
32.सेनापति, अगुवा-3
35.भीरु,डरपोक-3
37.कथा,गाथा-3
39.वध,मर्डर-2
40.राहु का एक पुत्र-3
41.एक विदेशी शराब

ऊपर से नीचे

1.क्रिकेट में बनते हैं-2
2.बसंत का समय-3
4.हद,सरहद-2
5.स्वर्ग का विलोम-3
7.यमराज,मृत्यु देवता-2
9.नृत्य करना-3
11.अपवित्र-3
13.असफल-3
15.सहज, आसान-3
16.श्रावण, आषाढ़ के बाद का महीना-3
18.आराम, मदद, चैन-3
20.मुखिया, सरदार-3
22.भूमि, वसुंधरा-3
24.क्रुद्ध, खफा होना-3
27.मक्खन-3
29.योग्य, काबिल, गुणवान-3
31.दही का एक भोज्य पदार्थ-3
33.एक जाती जो प्राय: डोली ढोने, पानी भरने आदि के काम करती है-3
34.रास्ता, मार्ग-2
36.एक अंग्रेजी शराब-2
38.एक औषधीयुक्त पेड़-2

शब्द पहेली -8107 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7046

* ☆☆☆☆ सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7045 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु पुष्पेश** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय– गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013. झारखंड।
संपादक : **पूर्णेन्दु पुष्पेश***; प्रबंध संपादक : **राजेश मोहन सहाय**; समाचार संपादक : **राजेश कुमार**। बिहार प्रभारी : **संतोष श्रीवास्तव।** **रांची** – 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड। **गिरिडीह** – बाभनटोली, गिरिडीह, झारखंड।
फोन– 9142412511/9334444424/9102251947/9431366404; WhatsApp- 9142412511; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com
*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित लेखों–आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

संक्षिप्त समाचार

नई दिल्ली, पुरी और वडोदरा के लिए 5 स्पेशल ट्रेन

हाजीपुर। यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने 5 जोड़ी समर स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है। इसमें आनंद विहार और कानपुर से पटना के लिए, कटिहार से आनंद विहार के लिए, पुरी से नई दिल्ली के लिए और सियालदह से वडोदरा के लिए 1-1 जोड़ी समर स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। मुख्य जनसंपर्क पदाधिकारी ने बताया कि गाड़ी संख्या 04112 कानपुर सेंट्रल-पटना समर स्पेशल कानपुर से 24 अप्रैल से लेकर 26 जून तक हर बुधवार को 20.00 बजे खुलेगी। इसके बाद अगले दिन 08.00 बजे पटना पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 04111 पटना-कानपुर सेंट्रल समर स्पेशल पटना से 25 अप्रैल से 27 जून तक हर गुरुवार को 10.15 बजे खुलेगी। इसके बाद अगले दिन 22.30 बजे कानपुर सेंट्रल पहुंचेगी। इस स्पेशल ट्रेन में द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी के 01, तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के 08, शयनयान श्रेणी के 08 और साधारण श्रेणी के 05 कोच होंगे। गाड़ी संख्या 04078 आनंद विहार-पटना सुपर फास्ट समर स्पेशल आनंद विहार से 29 अप्रैल से लेकर 24 जून तक हर सोमवार को 23.55 बजे खुलेगी। इसके बाद अगले दिन 16.45 बजे पटना पहुंचेगी। वहीं वापसी में गाड़ी संख्या 04077 पटना-आनंद विहार सुपरफास्ट समर स्पेशल पटना से 30 अप्रैल से 25 जून तक हर मंगलवार को 20.00 बजे खुलेगी। इसके बाद अगले दिन 14.00 बजे आनंद विहार पहुंचेगी। इसमें वातानुकूलित श्रेणी के 01, द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी के 05, तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के 12 कोच होंगे।

गैस सिलेंडर ब्लास्ट में झुलसे भाई-बहन की मौत, PMCH में चल रहा था इलाज, 6 अभी भी भर्ती

ठवैशाली में गैस सिलेंडर से गैस रिसाव और ब्लास्ट करने के दौरान घर में लगी आग से झुलसे दो भाई-बहन की इलाज के दौरान पीएमसीएच में मौत हो गई। परिजनों में कोहराम मच गया है। हालांकि अगलगी की घटना में झुलसे और भी छह लोगों की स्थिति नाजुक बनी हुई है। फिलहाल सभी का इलाज पटना पीएमसीएच में चल रहा है। दोनों मृतक किशोर संजीत साह के बेटे शिवा कुमार और उसकी बेटी लक्ष्मी कुमारी है। जबकि उसकी पत्नी सोनम कुमारी गंभीर रूप से घायल है। बता दें कि बिदुपुर थाना क्षेत्र की नावानगर पंचायत के वार्ड संख्या-7 में मंगलवार की दोपहर गैस लीकेज के दौरान एक घर में आग लग गई थी। आग के बीच ही गैस सिलेंडर ब्लास्ट कर गया था जिसमें एक ही घर के आठ लोग झुलस गए। इसमें चार बच्चे, तीन महिलाएं और एक पुरुष शामिल थे। सभी को इलाज के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर लाया गया था, जहां से सभी को गंभीर स्थिति में पीएमसीएच रेफर कर दिया गया था।

यात्री को झांसे में लेकर ATM से निकाले 5000 रुपए

पटना। पटना जंक्शन के पास यात्री को झांसा देकर शातिर ने एटीएम से 5 हजार रुपए निकाल लिए। पीड़ित ने स्थानीय लोगों की मदद से उसे पकड़कर कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी अजीत कुमार का आपराधिक इतिहास रहा है। पहले भी कई मामलों में जेल जा चुका है। पीड़ित देवराज कुमार ने बताया कि आंध्र प्रदेश से मजदूरी करके पटना पहुंचा था। यहां से खगड़िया के लिए ट्रेन पकड़नी थी। जंक्शन के पास अजीत और उसके साथियों से मुलाकात हुई। बातचीत के दौरान उसने बताया कि उसका भाई बैंक मैनेजर है और मानसी के तरफ ही गाड़ी से जाने वाला है। हमलोग साथ में निकल जाएंगे। उसके झांसे में आकर अपना एटीएम कार्ड, तीन मोबाइल दे दिया। कुछ देर बाद अपने साथियों के साथ वो फरार हो गया। उन्होंने आगे कहा कि अजित को खोजते-खोजते स्टेशन से बाहर जीपीओ की तरफ आया तो देखा कि वो पान की दुकान पर खड़ा है। मुझे देखकर वो भागने लगा। स्थानीय लोगों की मदद से उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी ने पीड़ित को एटीएम और मोबाइल वापस कर दिया है। उसने एटीएम से 5 हजार रुपए निकाला था, जिसे पुलिस कौ सौंप दिया है। कोतवाली पुलिस उसके अन्य साथियों की तलाश और सामान की बरामदगी में जुट गई है।

घर से बाहर निकली बुजुर्ग वापस नहीं लौटी, रिश्तेदार के यहां गए हुए थे परिवार के लोग, बेटा बोला- कोई नाराजगी नहीं थी

पटना। पटना के जक्कनपुर थाना अंतर्गत जीपीओ गोलंबर और करबिगहिया के बीच से गायब हो गई है। महिला का नाम देवमंती देवी है। उम्र लगभग 60 वर्ष है। पूरा परिवार गोलंबर से सटे ही रहता है। बेटा उदय कुमार का व्यवसाय करते हैं। उदय ने बताया कि गया रिश्तेदार की शादी में गए थे। बीवी मेरी दुकान पर गई थी। घर पर मेरा एक छोटा बेटा सुमित था। मंगलवार की सुबह लगभग 8:30 बजे अपने पोते से बोलकर निकली की घूमने जा रही हूं। फिर घूमकर आ रही हूं। लेकिन पूरे दिन बीत जाने के बाद भी घर नहीं लौटी। इस बाबत में उदय ने जक्कनपुर थाने में आवेदन भी दिया है। जीआरपी में जाकर सीसीटीवी कैमरे दिखाने का भी बेटे ने आग्रह किया। हालांकि वहां नहीं दिखाया गया। बेटा कोतवाली थाना भी पहुंचा था। जहां से खोजबीन करने का आश्वासन मिला है। बेटे ने बताया कि कोई नाराजगी नहीं थी। अचानक घर से निकली और गायब हो गई। ये चिंता का विषय है। रिश्तेदार के यहां से लौटकर लगातार खोजबीन कर रहा हूं। लेकिन कोई पता नहीं है। थाना के द्वारा अभी आवेदन का रिसीविंग भी नहीं दिया गया है। जक्कनपुर थानाध्यक्ष एचएन सिंह ने बताया कि आज ही आवेदन प्राप्त हुआ है। पुलिस छानबीन कर रही है। महिला स्वेच्छा से घर से बाहर निकली है। बता दें कि तीन महीने पहले एक नाबालिग लड़की भी जक्कनपुर थाना क्षेत्र से गायब हुई थी। जो अभी तक बरामद नहीं हो पाई है।

नर्सिंग हॉस्टल के कबाड़ में लगी आग, फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर पाया काबू, कई सामान भी जल कर खाक

पटना। पटना सिटी के खाजेकला थाना क्षेत्र के गुरु गोविंद सिंह अस्पताल नर्सिंग हॉस्टल कैंपस के बगल में बुधवार की सुबह कबाड़ में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें पूरे कबाड़ को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही नर्सिंग हॉस्टल में अफरा तफरी मच गई। लोगों ने इसकी सूचना फायर ब्रिगेड की टीम को दी। अग्निदस्ते की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची। इसके बाद आग पर काबू पाया गया। गुरु गोविंद सिंह अस्पताल नर्सिंग हॉस्टल के बगल में बड़े पैमाने पर कबाड़ का टाल लगा है। बुधवार की सुबह अचानक कबाड़ के टाल में तेजी से धुआं उठने लगा। इस घटना से नर्सिंग हॉस्टल के छात्राओं के बीच भगदड़ मच गई। छात्राओं ने इसकी सूचना अस्पताल प्रबंधन को दी। सूचना मिलते ही अस्पताल प्रबंधन ने इसकी जानकारी स्थानीय थाने को दी। घटना की सूचना मिलने के बाद पटना सिटी फायर स्टेशन से अग्नि दस्ते की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। कबाड़ में रखे गए अस्पताल के कई समान जलकर नष्ट हो गए। घटना की पुष्टि करते हुए स्थानीय थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले में उन्हें कोई लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आग लगने से नुकसान के आंकड़े के बारे में उन्होंने बताया कि जब तक कोई आवेदन प्राप्त नहीं होता है, तब तक इसका अंदाज लगाना मुश्किल है।

इलेक्टोरल बॉन्ड में राजद को शराब कंपनियों से आया पैसा

नीरज ने तेजस्वी पर लगाया आरोप, कहा- कंपनी से चंदा के बदले बिहार में लागू करते शराब

एजेंसी, पटना।

जदयू एमएलसी और मुख्य प्रवक्ता ने इलेक्ट्रोल बॉन्ड पर जदयू कार्यालय में प्रेस वार्ता बुलाया। इस दौरान उन्होंने तेजस्वी यादव पर जमकर हमला बोला। नीरज कुमार का कहना है कि इलेक्ट्राल बांड में राजद को शराब कंपनियों से पैसे आए हैं। उन्होंने कहा कि जिनको हमने राजनीति में 17 महीने की नौकरी दिया। उन्होंने क्या किया इस बिहार में? सबको लगता था कि क्यों गठबंधन टूट गया, क्यों अलग हुए। धीरे-धीरे सभी कारणों का खुलासा करेंगे। बिहार के अंदर पूर्ण शराब बंदी लागू है। सर्वदलीय सहमति भी है, विधानमंडल के अंदर संकल्प है, तेजस्वी यादव के पिता लालू यादव गांधी मैदान में आयोजित ह्युमन चैन में शामिल भी हुए। लेकिन जब इलेक्ट्रोल बॉन्ड का हिसाब देखा गया तो जुलाई 2023 से जनवरी 2024 तक केवल 7 महीना में 70 करोड़ का इलेक्ट्रोल बॉन्ड आया।

63% पैसा शराब कंपनियों से आया: यह जानकर आश्चर्य होगा कि राजद को शराब कंपनियों से 46 करोड़ 64 लाख रुपया चंदा मिला है। कल 63% इलेक्ट्रॉन बॉन्ड में शराब कंपनियों से पैसा आया है। आरजेडी सत्ता में साझेदार थी फिर इन शराब कंपनियों से पैसा क्यों मिला? इस बात का जवाब बिहार की जनता जानना चाहती है। तेजस्वी यादव बताएं कि शराब कंपनियों से उनकी क्या डील थी? जब बिहार के अंदर शराबबंदी लागू है तो शराब की कंपनी आपके पैसे कैसे दे रही थी? यह कंपनियां ज्यादातर बंगाल की है इसलिए वह कोलकाता आते-जाते रहते थे। वह कोलकाता शराब कंपनियों से डील करने जा रहे थे।

कंपनियों के साथ जालसाजी राजद की पुरानी आदत: नीरज कुमार ने सवाल करते हुए कहा कि क्या तेजस्वी यादव ने शराब कंपनियों से यह डील किया था कि तुम इलेक्ट्रोल बांड में मदद करो और हम बिहार में शराबबंदी खत्म कर देंगे। बिहार में जो महिलाओं का घरेलू हिंसा जो घटा है और नशा मुक्ति की ओर बिहार बढ़ रहा है। बिहार के मानव विकास में शराबबंदी एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही है। वैसे राज्य में शराब कंपनियों के साथ लुका छुपी का खेल खेल कर तेजस्वी यादव ने स्थापित कर दिया कि वह महिलाओं के साथ जो अपराध होता है तो वह अट्टहास करते हैं। वह युवाओं को नशे की दुनिया में धकेलना चाहते हैं। खासतौर पर कंपनियों के साथ जालसाजी तो उनकी पुरानी आदत है यह सब को पता है। लेकिन बिहार की जनता उनका हिसाब किताब करेगी।

किसान से 75 हजार की ठगी, 2 हजार के लालच में गंवाए रुपए

एजेंसी, पटना।

पटना में एक किसान से 75 हजार रुपए की ठगी हुई है। पीड़ित की शिकायत पर साइबर थाना में केस दर्ज हुआ है। मामले की छानबीन की जा रही है।

किसान मित्र के नाम पर शातिर ने दिया झांसा

किसान मित्र के नाम पर दिया झांसा: राजापुर निवासी पीड़ित विपिन कुमार ने बताया कि उनक मुख्य काम खेती-बाड़ी है। 18 अप्रैल को सुबह 9:36 बजे मोबाइल नंबर 9153242713 से कॉल आया। फोन करने वाले ने कहा कि किसान मित्र बोल रहा हूं। क्या आपको साल में 3 बार 2-2 हजार रुपए मिलता है। इस पर मैंने कहा कि नहीं मिलता है। ठग ने कहा कि आप अपना डिटेल दे दीजिए। इसको हम अपडेट कर देते हैं। इस साल का पहला लॉट आज से कल में आ जाएगा। ठग ने एक लिंक भेजा, जो ओपन नहीं हुआ। इसके बाद एक फॉर्म भेजा, जिसमें डिटेल भरने को कहा। डिटेल भरने के बाद जिस अकाउंट में पैसा मंगाना था वो मांगा गया। उसमें एक स्कैनर दिया गया था। रजिस्ट्रेशन के नाम 2000 रुपए का भुगतान किया। शातिर ने कहा कि 8 से 9 घंटे में पहला इंस्टॉलमेंट आ जाएगा।

दो बार में कटे 75 हजार रुपए: पीड़ित ने आगे कहा कि पेमेंट करते ही पहले 40 हजार रुपए, फिर 35 हजार कटने का मैसेज आया। उस नंबर पर जब कॉल किया तो स्विच ऑफ था। शक होने पर साइबर थाना में मामला दर्ज कराया।

बैंक से डिटेल मांगा गया है- साइबर पुलिस: साइबर थाना की एसआई संगीता ने बताया कि विपिन के साथ साइबर फ्रॉड हुआ है। पैसा किस अकाउंट में ट्रांसफर हुआ है, इसका डिटेल बैंक से मांगा गया है। जिस नंबर से फोन आया था उसकी भी जांच की जा रही है।

बिहटा में दहेज के लिए विवाहिता की हत्या

एजेंसी, पटना।

पटना जिले के बिहटा में 1 कट्ठा जमीन और 10 लाख रुपए के लिए विवाहिता की हत्या कर शव को बालू घाट में दफना दिया। घटना के बाद से ही पति समेत ससुराल पक्ष के लिए लोग फरार हैं। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतका की पहचान श्रीरामपुर गांव निवासी रमेश राय की पुत्री सोनी कुमारी के रूप में हुई है। मृतका कि भाई ने थाने में आवेदन देकर ससुराल पक्ष पर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि 2 साल पहले लेखन टोला निवासी छोटन राय के पुत्र धीरज कुमार के साथ सोनी की शादी हुई थी।

बहन को लगातार प्रताडित किया जा रहा था- मृतका का भाई: शादी के कुछ दिन बाद ही एक कट्ठा जमीन और 10 लाख रुपए की मांग करने लगे। बहन को लगातार प्रताडित किया जा रहा था। मारपीट भी की जाती थी। 23 अप्रैल को उसकी बहन की हत्या कर दी।

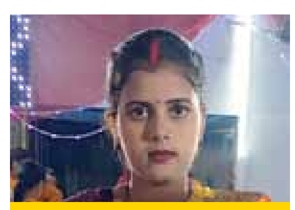

शव को बालू घाट में दफनाया, परिजन बोले- ससुराल वाले 1 कट्ठा जमीन और 10 लाख मांग रहे थे

मृतका के भाई ने दिया था आवेदन: दानापुर डीएसपी पंकज कुमार मिश्रा ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि महिला के भाई ने थाने में आवेदन दिया था। पुलिस की छानबीन चल रही थी, इस बीच आज सुबह जानकारी मिली कि एक महिला के शव को सुरौंधा बालू घाट के पास दफनाया गया।

नीतीश के पत्र पर आरजेडी का तंज, कहा-

पत्र में सृजन घोटाला और बालिका गृह कांड का जिक्र भी कर दिए होते नीतीश कुमार

एजेंसी, पटना।

लोकसभा चुनाव में नीतीश कुमार ने बिहार के लोगों के नाम पर पत्र लिखा है। उन्होंने बिहार के लोगों को परिवार कहा है। पत्र के जरिए नीतीश कुमार ने एक बार फिर से लालू राज का चेहरा सामने रखा है। साथ ही कहा है कि आपको याद होगा 2005 से पहले की सरकार ने बिहार को किस हाल में पहुंचा दिया था।

ये सब बिहार की पहचान बन चुके थे: नीतीश कुमार ने कहा है कि घोटाले, अपराध,अपहरण, हत्या, डकैती, नरसंहार,माफिया राज बिहार की पहचान बन चुके थे। उद्योग-धंधे बंद हो गए थे। व्यापारी-कारोबारी पलायन कर गए थे। हमने बिहार को अराजकता से बाहर निकाला। हमने सात निश्चय-2 के अंतगत बहार में 10 लाख सरकारी नौकरियां और 10 लाख रोजगार देने की बात कही थी। इस दिशा में बिहार अब इतिहास रच रहा है। पत्र में आगे नीतीश कुमार ने अपनी सरकार द्वारा किए एक विकास कार्यों को गिनाया है।

इन सब बातों का भी जिक्र कर दिए होते नीतीश कुमार- एजाज अहमद, आरजेडी प्रवक्ता: एक तरफ नीतीश कुमार का यह पत्र है और दूसरी तरफ आरजेडी या गठबंधन इंडिया की चुनावी सभा में तेजस्वी यादव बोल रहे हैं कि नौकरी देने का जो काम 17 वर्षों में नीतीश कुमार ने नहीं किया वह 17 माह में हमने करवाया। आरेजडी ने नीतीश कुमार के पत्र पर अपनी तीखी प्रतिक्रिया दी है। आरजेडी के प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा है कि 15 वर्षों में उन्होंने सिर्फ जुमलेबाजी की है। नीतीश कुमार ने पत्र में उन बातों का उल्लेख क्यों नहीं किया कि पटना यूनिवर्सिटी को सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी का दर्जा देने का मांग पीएम नरेन्द्र मोदी के सामने किया था। नरेन्द्र मोदी ने इस पर कुछ नहीं कहा। आपने बीजेपी को भारत जलाओ पार्टी कहा था, उसका जिक्र भी पत्र में कर दिए होते। पत्र में बिहार और बिहार के लोगों को अपील तो कर रहे हैं लेकिन आप अपनी राजनीतिक स्थिति को बचाने के लिए कभी बीजेपी के साथ तो कभी आरजेडी के साथ। आपकी राजनीति की पोल खुल चुकी है। बीजेपी तो आपके साथ मंच भी साझा नहीं करना चाहती। जनता को नहीं बरगलाएं, वह सब जानती है। रोजगार वाली सरकार को आपने समाप्त करने का काम किया। नौजवानों के भविष्य के साथ मजाक किया, नौजवानों को नौकरियां मिल रही थीं। पत्र में सृजन घोटाला और बालिका गृह कांड का भी जिक्र कर दिए होते। आप बीजेपी के साथ कैसे भ्रष्टाचार को शिष्टाचार बना रहे थे, इसका भी जिक्र कर दिए होते।

रास्ते से भटक गए हैं भोजपुरी पावर स्टार, मनोज तिवारी बोले-

राष्ट्रवादी व्यक्ति हैं पवन सिंह, उनसे बातचीत करेंगे

एजेंसी, पटना।

भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह बिहार के काराकाट से निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे। वहीं, इसको लेकर पटना एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत के दौरान सांसद मनोज तिवारी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि पवन सिंह राष्ट्रवादी व्यक्ति है। हमने उनको आसनसोल से टिकट दिया था। लेकिन उन्होंने मना कर दिया। हम आपसे क्या कहें, हम पवन से बात करेंगे। मेरे भाई जो राष्ट्रवादी हैं और रास्ता से भटक गए हैं, उनसे हम बात करने की कोशिश करेंगे।

कन्हैया पर क्या बोले मनोज तिवारी: कन्हैया कुमार आपके खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। इसको लेकर मनोज तिवारी ने कहा कि बेगूसराय की जनता ने उन्हें चार लाख वोट से हराकर भेजा था। अब दिल्ली वाले उन्हें 5 लाख से ज्यादा वोट से हराकर भेजेंगे। क्योंकि यह टुकड़े-टुकड़े गैंग को देश का कोई भी व्यक्ति स्वीकार करने वाला नहीं है। दरअसल कांग्रेस ने दिल्ली की उत्तर पूर्वी लोक सभा सीट से कन्हैया कुमार को टिकट दिया है। कन्हैया के सामने बीजेपी के मनोज तिवारी मैदान में होंगे।

तेजस्वी यादव पर भी साधा निशाना: इधर, तेजस्वी यादव कह रहे हैं कि बिहार में इस बार एनडीए का सुपाड़ा साफ हो जाएगा। इसको लेकर मनोज तिवारी ने कहा कि लगातार जनता उनको नकारती आई है। मुझे लगता है कि तेजस्वी को अपने गिरेबान में झांक कर देखना चाहिए कि क्यों इतने मिलन के बाद भी इतने बड़े-बड़े झटके लगे हैं। बिहार की जनता तेजस्वी और उनकी पार्टी की सोच को पहचान चुकी है। अब इनके लिए बिहार में कुछ नहीं है। विपक्ष की ओर से लगातार विवादित बयान दिए जा रहे हैं कि किसी का मानसिक संतुलन खराब हो गया है तो किसी का कुछ। इसको लेकर मनोज तिवारी ने कहा कि रोहिणी आचार्य का बयान देखिए, कांग्रेस का मेनिफेस्टो देखिए, इंडिया गठबंधन द्वारा सनातनी को नष्ट करने की भाषा देखिए। कुल मिला कर समझ में आ जाएगा की मानसिक संतुलन इंडी गठबंधन का खो चुका है।

बिहार में एनडीए क्लीन स्वीप करेगी

पटना। मनोज तिवारी ने पटना में कहा कि आप लोग देख रहे हैं कि इतनी गर्मी के बावजूद भी चुनाव को लेकर माहौल काफी अच्छा है। इस बार बिहार में हम लोग क्लीन स्वीप करेंगे। आज मेरा अररिया, भागलपुर में जनसभा है फिर शाम में दिल्ली लौट जाऊंगा। आगे उन्होंने कहा कि कांग्रेस का यह कहना कि हम सभी देशवासियों के प्रॉपर्टी की समीक्षा करेंगे। मुझे लगता है अब कुछ बताने की जरूरत नहीं है कि यह लोग देश को बांटने में किस तरीके से लगे हैं। तेजस्वी यादव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जनता उनको नकारती आई है।

ट्रक ड्राइवर और कार मालिक के बीच विवाद, पटना से चालक को ले गया नवादा

एजेंसी, पटना।

पटना के जक्कनपुर थाना क्षेत्र के सिपारा के पास ट्रक और कार से रगड़ खाने के मामूली विवाद में हाई वोल्टेज ड्रामा हुआ। पुलिस भी इसमें दिनभर लगी रही। पहले कार मालिक ने ट्रक ड्राइवर और खलासी से नुकसान की भरपाई के लिए रुपए की डिमांड की। इसी बात पर धीरे-धीरे विवाद बढ़ते चला गया। ट्रक ऑनर से भी कार मालिक ने नुकसान की भरपाई के लिए टेलीफोनिक बातचीत की। लेकिन, दोनों के बीच लेन-देन को लेकर कम्युनिकेशन गैप रहा। फिर कार मालिक घटनास्थल से ट्रक ड्राइवर को अपने साथ लेकर नवादा चला गया। घटना की सूचना मिलने के बाद कार मालिक, जक्कनपुर थाने की पुलिस और मध्यप्रदेश से ट्रक ऑनर लगातार फोन पर बातचीत करते रहे।

अपहरण की बात आई सामने: पटना से नवादा ले जाने के बाद ट्रक ड्राइवर के अपहरण की खबर आई। लेकिन जक्कनपुर थाने की पुलिस ने अपहरण जैसी कोई भी घटना से इंकार किया है। थानेदार ने बताया कि सिपारापुल के पास दूसरे राज्य से नींबू लेकर एक ट्रक आया था। बैक करने के दौरान चार चक्का गाड़ी का लुकिंग ग्लास टूट गया। इसके बाद ट्रक ऑनर से कार मालिक ने मुआवजे की मांग की। लेकिन बात नहीं बनने के बाद ट्रक मालिक ने कार मालिक से केस करने के लिए कहा। लेकिन उसने केस भी नहीं किया। ड्राइवर को पटना से नवादा ले जाने की बात सामने आई, लेकिन ड्राइवर की ओर से कोई शिकायत नहीं की गई है।

गार्डिनर अस्पताल में डिजिटल एक्स-रे की सुविधा शुरू

एजेंसी, पटना।

पटना के गार्डिनर अस्पताल में डिजिटल एक्स-रे की सुविधा फिर से शुरू हो गई। पिछले छह माह से ये सेवा बंद थी, जिससे मरीजों की परेशानी बढ़ गई थी। एक्स-रे मशीन लगने से मरीजों को राहत मिली है।

टेंडर में गड़बड़ी के चलते मशीन लगने में हुई देरी: अस्पताल के अधीक्षक मनोज कुमार ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि टेंडर में गड़बड़ी के चलते नई मशीन लगने में देरी हुई है। अब नई डिजिटल एक्स-रे मशीन को लगा दिया गया है। मरीजों को दिक्कत नहीं होगी। बता दें, गार्डिनर अस्पताल में पहले मैनुअल एक्स-रे मशीन काम कर रहा था। प्रत्येक दिन 50 से अधिक मरीजों का एक्स-रे किया जाता था। ऐसे में विभाग को डिजिटल एक्स-रे मशीन लगाने का विभाग को प्रस्ताव भेजा गया था

मरीजों के लिए 67 प्रकार की दवाइयां उपलब्ध: जानकारी के मुताबिक यहां मधुमेह, थायराइड, नेफ्रोलॉजी और हीमोफीलिया जैसी गंभीर बीमारियों का मुफ्त इलाज किया जाता है। मरीजों के लिए 67 प्रकार की दवाइयां उपलब्ध है। एफटी, एलएफटी, सिरम इलेक्ट्रोलाइटिस समेत 36 तरह की जांच की व्यवस्था है। इंसुलिन, फैक्टर 8 और 9 जैसे आवश्यक और महंगी दवाएं भी दी जाती है। डायलिसिस के साथ एक्स-रे और अल्ट्रासाउंड की भी सुविधा है।

वोट अपील वाला पत्र उल्टा न पड़ जाए सीएम नीतीश को!

सोशल मीडिया पर खूब कोस रहे लोग, वोटर्स बोले- पड़ोसी राज्य में वोट मांगें यहां नहीं

एजेंसी, पटना।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लोकसभा चुनाव में अपने पक्ष में बातों को मजबूत करने के लिए जनता के नाम पत्र लिखा है। पत्र में 2005 से पहले के लालू प्रसाद राज को नसीहतें दी हैं। जनवरी तक नीतीश कुमार लालू प्रसाद की पार्टी के साथ बिहार सरकार चला रहे थे। उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव थे, लालू प्रसाद के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव भी उस सरकार में मंत्री थे। लेकिन दो-ढ़ाई माह भी नहीं बीते कि उन्होंने लालू प्रसाद के शासन की बखिया उधेड़नी शुरू कर दी। घोटाला, अपराध, अपहरण, हत्या, डकैती, नरसंहार, माफिया राज उद्योग-धंधों की बर्बादी, व्यापारियों- कारोबारियों का पलायन यह सब याद दिलाने लगे। 17 महीने वे बीजेपी को रोकने के लिए लालू प्रसाद के साथ थे। अब लालू प्रसाद को रोकने के लिए बीजेपी के साथ हैं! इसकी आशंका खूब है कि लोकसभा चुनाव में नीतीश कुमार का लिखा पत्र उनके लिए कहीं उल्टा न पड़ जाए! लालू प्रसाद की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल नीतीश कुमार के पत्र पर प्रेस कांफ्रेस कर जवाब देने की तैयारी में है।

कई वजहों से चर्चा में रहे नीतीश: हाल के दिनों में विधान सभा के बजट सत्र में सेक्स पर दिया उनका बयान हो या जीतन राम मांझी को फटकार, लालू प्रसाद के बच्चों पर दिया बयान, 40 सीट की जगह गलती से 4 हजार सीट बोला हो। इस सब से वे खासे चर्चा में रहे हैं। अब वोट देने की अपील से जुड़े पत्र से उनकी फजीहत सोशल मीडिया पर हो रही है। लोग तरह-तरह की राय दे रहे हैं। खास तौर से डोमिसाइल नीति की आलोचना युवा कर रहे हैं। शिक्षकों का बड़ा वर्ग कई तरह की नसीहतें नीतीश कुमार को दे रहा है।

शिक्षकों में सबसे ज्यादा आक्रोश: नीतीश कुमार के पत्र पर खास तौर से शिक्षकों का आक्रोश तो गजब का दिख रहा है। बिहार में साढ़े छह लाख शिक्षक हैं। एक लाख 87 हजार शिक्षक तो सिर्फ बीपीएससी से बहाल हुए हैं। नियोजित शिक्षकों के ट्रांसफर के लिए सॉफ्टवेयर कई वर्ष से बन रहा है। बीपीएससी से बहाल ज्यादातर महिला शिक्षकों को भी काफी दूर पोस्टिंग दी गई है। यह सब जनता दल यूनाइटेड के एक्स हैंडिल पर आ रही लोगों की प्रतिक्रिया से साफ हो रहा है। बता दें स्कूलों में टाइमिंग को लेकर भी काफी जिच हुई, आश्वासन के बावजूद सुधार नहीं हुआ। यूनिवर्सिटी के मामले में राजभवन और विभाग के बीट अलग टकराव चल रहा है। कॉलेजों के कर्मियों को जनवरी से वेतन नहीं मिला है,पेंशन पाने वाले कर्मियों की स्थिति सबसे अधिक खराब है। होली, ईद ऐसे ही मनी है।

संक्षिप्त समाचार

खाना खाया, टीवी देखी...परिवार के लोग सो गए, सुबह फंदे पर लटकी मिली 9वीं की छात्रा की लाश

आगरा, एजेंसी। आगरा के न्यू आगरा थाना क्षेत्र में छात्रा का शव फंदे से लटका मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने बताया कि 15 वर्षीय छात्रा ने इस साल 9वीं की परीक्षा पास की थी। पढ़ने में भी बहुत होशियार थी। पिता ड्राइवर हैं। सोमवार रात को छात्रा ने घर पर सब लोगों के साथ खाना खाया था।

परिवार के लोगों ने बताया कि टीवी देखने के बाद सब सोने चले गए। वह भी अपने कमरे में चली गई। सुबह पांच बजे उसकी मां जागी। उन्होंने बेटी के कमरे की कुंडी को बजाया। अंदर से काई आवाज नहीं आई। इस पर उन्होंने खिड़की से झांककर देखा तो वह फंदे से लटकी थी। मां ने शोर मचाया तो परिवार के अन्य लोग भी मौके पर पहुंच गए।

कमरे का दरवाजा तोड़कर उसको फंदे से नीचे उतारा। तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इस पर पुलिस को सूचना दी। परिजन आत्महत्या का कारण नहीं बता सके। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सड़क किनारे तीन साल से खड़ी थी बस, अचानक उठने लगीं आग की लपटें

आगरा, एजेंसी। आगरा के हरीपर्वत थाना क्षेत्र में आईएसबीटी के पास खड़ी बस में मंगलवार तड़के आग लग गई। धमाकों के साथ इससे लपटें उठने लगीं। सूचना पर पहुंची दमकल ने करीब 30 मिनट में आग पर काबू पाया। आईएसबीटी बस स्टैंड के पास आरटीओ रोड के किनारे करीब 3 साल से एक बस खड़ी थी। इसमें मंगलवार तड़के 5 बजे आग लग गई। मौके पर पहुंचे दुकानदारों ने मिट्टी डालकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। बस में एक के बाद एक धमाके होने लगे। 10 मिनट में 4 धमाके हुए। धमाकों की आवाज सुनकर बस स्टैंड पर खड़े यात्री सहम गए।

सूचना पर पहुंची दमकल ने 30 मिनट में आग पर काबू पाया। तब बस पूरी तरह से जल गई। आग किस कारण से लगी ये पता नहीं चल सका। इससे पहले ट्रांसपोर्ट नगर में खड़े कई वाहनों में आग लग चुकी है। दो महीने में यह तीसरी घटना है। टीपी नगर चौकी इंचार्ज ने बताया कि जिस बस में आग लगी है। उसे आरटीओ ने करीब 3 साल पहले सीज कर खड़ी कराया था। एफओ सोमदत्त ने बताया कि आशंका है कि किसी युवक ने जलती बीड़ी या माचिस की तीली फेंक दी होगी। इस वजह से आग लगी है।

मदद नहीं धोखा: एटीएम से पैसे निकालते समय डेबिट कार्ड को लेकर बरतें ये सावधानी

आगरा , एजेंसी। आगरा के सदर थाना पुलिस ने मदद का झांसा देकर देकर डेबिट कार्ड बदलकर रुपये निकालने वाले अंतरराज्यीय गैंग के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से 59 हजार रुपये, एक कार, 9 डेबिट कार्ड और एक पीओएस मशीन बरामद की।

एसीपी सदर पीके राय ने बताया कि एटीएम केबिन में मदद के बहाने डेबिट कार्ड बदलकर रुपये निकालने की कई शिकायतें मिली थीं। इस पर टीम ने मंगलवार को सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर हरियाणा के नूंह गांव मालाका निवासी राहिल और पलवल के गांव घागोट निवासी सैफ अली को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी घटना का को अंजाम देने के लिए कार से निकलते थे। जिस पर नंबर प्लेट भी नहीं लगी थी। होटल में ठहरते थे। वहां से एटीएम के केबिन के बाहर जाकर खड़े हो जाते। केबिन में अकेला युवक देखकर दोनों पीछे से अंदर चले जाते।

पिन नंबर देखने के बाद बातों में लगाकर मदद के बहाने डेबिट कार्ड बदल देते।

इसके बाद एटीएम से निकालते। लिमिट पूरी होने के बाद पीओस मशीन से साथियों के खाते में रुपये ट्रांसफर कर देते। वारदात के बाद जगह बदल देते। जिस भी राज्य में जाते वहां जमकर खरीददारी कर अपने शौक पूरे करते।

भगवान चित्रगुप्त के प्राकट्य दिवस पर 122 वर्ष प्राचीन श्री चित्रगुप्त मंदिर में भव्य आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा। मीरजापुर

ज्ञान के अधिष्ठाता, सम्पूर्ण सृष्टि के कर्मों का लेखा जोखा रखने वाले, ब्रह्माण्ड न्यायाधीश, परमपिता ब्रह्मा के मानस पुत्र, कायस्थ समाज के आराध्य कुलाधिदेव भगवान चित्रगुप्त जी के प्राकट्य दिवस चैत्र पूर्णिमा पर स्थानीय बरियाघाट स्थित 122 वर्ष प्राचीन श्री चित्रगुप्त मंदिर पर सामाजिक संस्था "के. एस. पी. ट्रस्ट" द्वारा बड़े ही मनमोहक भजन संध्या का आयोजन किया गया।

सर्वप्रथम भगवान चित्रगुप्त जी के पूजन व स्तुति द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, तत्पश्चात उपस्थित कलाकारों ने एक से बढ़कर एक उम्दा प्रस्तुतियां देकर सभी श्रद्धालु श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के फूलों से भगवान का बहुत ही आकर्षक श्रृंगार किया गया व पूरा मंदिर परिसर रंग बिरंगी लाईटों व झालर की रोशनी से जगमगा रहा था।

ट्रस्ट के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय प्रमुख, देश विदेश में विख्यात लोकगायिका श्रीमती उर्मिला श्रीवास्तव जी को देश के उच्च अलंकरण "पद्मश्री" से सम्मानित किए जाने पर हर्ष व्यक्त किया गया। देर रात्रि तक चले इस भजन संध्या कार्यक्रम में प्रसिद्ध भजन गायक भानु प्रताप सिंह, शिव लाल गुप्ता, श्रीमती शैला श्रीवास्तव, पंचम जी, ओ. पी. श्रीवास्तव, रविन्द्र श्रीवास्तव व सरोज देवी इत्यादि ने अपने गायन से उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर उपस्थित गणमान्यजनों व कलाकारों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. शक्ति श्रीवास्तव द्वारा किया गया, इस भजन संध्या में शहर के अतिरिक्त दूर - दराज के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में महिला व पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्री चित्रगुप्त सभा के संरक्षक एड. दिलीप श्रीवास्तव, ट्रस्ट अध्यक्ष डॉ. शक्ति श्रीवास्तव, एड. आनन्द स्वरूप श्रीवास्तव, मनोज श्रीवास्तव, शिवम श्रीवास्तव, पंकज श्रीवास्तव, सुशील श्रीवास्तव, मनोज चित्रांश, रजत श्रीवास्तव, दुर्गा जी श्रीवास्तव, नरेन्द्र श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, एड. सुधांशु श्रीवास्तव, एड. अभिषेक श्रीवास्तव, दिव्यांश श्रीवास्तव व आनंद श्रीवास्तव इत्यादि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

पश्चिम के रण में सरकार के साथ ही भाजपा संगठन की भी परीक्षा, इंडिया गठबंधन का भी सियासी इम्तिहान

लखनऊ, एजेंसी। पश्चिमी यूपी के चुनावी रण में सरकार के साथ ही प्रदेश भाजपा संगठन की तैयारियों की भी परीक्षा होगी। 26 अप्रैल को दूसरे चरण की भी 8 सीटों पर मतदान होने जा रहा है। इन सीटों पर एनडीए और इंडिया गठबंधन के सियासी कौशल की परीक्षा तो होगी ही, पर असली परीक्षा सत्ताधारी होने के नाते भाजपा के प्रदेश संगठन और सहयोगी दल के प्रमुख चेहरों की होगी। साथ ही बडे जाट चेहरे के तौर पर प्रमुख सहयोगी रालोद प्रमुख जयंत चौधरी के प्रभाव की भी परीक्षा होगी।

भाजपा इस बार प्रदेश की सभी 80 सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर मैदान में उतरी है। पार्टी के सामने जाटलैंड की कठिन सियासी जमीन पर कमल खिलाने को एक बड़ी चुनौती के तौर पर देखा जा रहा है। क्योंकि 2019 के चुनाव में विपक्षी दल भाजपा पर भारी पड़े थे। इस लिहाज से जाटलैंड की लोकसभा सीटों पर जीत का परचम फहराना एनडीए और इंडिया दोनों के लिए चुनौती है।

जयंत की साख भी कसौटी पर– जाटलैंड की इन सभी सीटों पर एनडीए के साझीदार के तौर रालोद प्रमुख जयंत चौधरी के साख की भी परख होनी है। जाटलैंड में शामिल ढाई दर्जन सीटों में से रालोद कोटे में भले ही बिजनौर और बागपत सीट हो, लेकिन रालोद प्रमुख जयंत की साख की परीक्षा जाटलैंड की सभी सीटों पर होने जा रही है।

पहले चरण में जिन 8 सीटों पर मतदान हो चुका है, उनमें से सहारनपुर, रामपुर, नगीना, बिजनौर और मुरादाबाद में 2019 में भगवा खेमे को पराजय का सामना करना पड़ा था। वहीं, दूसरे चरण में 26 अप्रैल को अमरोहा, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़ और मथुरा में मतदान होना है। इनमें से अमरोहा सीट ही 2019 में भाजपा हारी थी। इस प्रकार देखा जाए तो 2019 के चुनाव में जाटलैंड की 6 सीटों पर भाजपा को विपक्ष से मात मिली थी।

परिणामों और मतदाताओं के मिजाज को देखते हुए माना जा रहा है कि इस बार के चुनाव में सरकार से अधिक संगठन के रणनीतिक तैयारी की असल परीक्षा होगी। ऐसा इसलिए भी कहा जा रहा है कि इन सीटों में शामिल मुरादाबाद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी का गृह जिला है और वह लंबे समय से इस क्षेत्र की चुनावी तैयारियों पर फोकस किए हुए हैं।

पार्टी के महामंत्री (संगठन) धर्मपाल भी बिजनौर के रहने वाले हैं। माना जा रहा है कि पिछड़ा वोटबैंक के साथ ही जाटलैंड की सियासत को साधने के उद्देश्य से ही इस क्षेत्र के दोनों पदाधिकारियों को प्रदेश भाजपा की कमान सौंपी गई। इसलिए इनके साख की भी परीक्षा है।

लोकसभा चुनाव के लिए वाहन अधिग्रहण में लापरवाही पर एआरटीओ राजेश कर्दम निलंबित

बरेली , एजेंसी। लोकसभा चुनाव के लिए वाहन अधिग्रहण में लापरवाही बरते जाने पर प्रमुख सचिव परिवहन एल वेंकटेश्वर लू ने एआरटीओ प्रवर्तन प्रथम दल राजेश कर्दम को निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि के दौरान उनको परिवहन आयुक्त लखनऊ के कार्यालय से संबद्ध किया गया है। अभी उनके स्थान पर किसी अन्य की तैनाती नहीं की गई है।

लोकसभा चुनाव के लिए वाहन अधिग्रहण के लिए एआरटीओ राजेश कर्दम को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया था। उनके द्वारा चुनाव के लिए हलके और भारी वाहनों की व्यवस्था में लापरवाही बरती गई। पिछले सप्ताह उनको सहायक नोडल अधिकारी के पद से हटा दिया गया था। डीएम रविंद्र कुमार ने उनकी लापरवाही को लेकर निर्वाचन आयोग को भी लिखा।

चुनाव कार्य में गंभीरता न बरतने पर उनको निलंबित कर दिया गया। हालांकि, उनके निलंबन के पीछे कुछ चर्चाएं भी हैं। पिछले दिनों चार पहिया वाहनों के अधिग्रहण के दौरान परिवहन विभाग ने एक माननीय के करीबी की इनोवा जैसी लग्जरी कार अधिग्रहीत कर ली थी। इसके बाद माननीय के करीबी ने आरटीओ कार्यालय पहुंचकर हंगामा भी किया था।

पहले भी चर्चा में रहे कर्दम

कर्दम ने जनवरी में ही बरेली में एआरटीओ प्रथम प्रवर्तन का चार्ज संभाला था। इसके बाद 18 जनवरी को वह उस वक्त चर्चा में आए थे जब उन्होंने एक कार चालक पर जानलेवा हमले का आरोप लगाकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस मामले में इज्जतनगर पुलिस ने रिपोर्ट लिखी थी। दूसरे पक्ष ने कर्दम पर गंभीर आरोप लगाए थे। बाद में मामला ठंडा पड़ गया था।

पूर्व मंत्री का नाती ने जिस युवती और पिता पर चढ़ा दी थी कार, वो आई सामने... सीएम योगी से लगाई गुहार

आगरा, एजेंसी। आगरा के ऋषि मार्ग (शाहगंज) पर युवती को कार से कुचलने की कोशिश के आरोपी पूर्व मंत्री चौधरी उदयभान सिंह के पौत्र दिव्यांश चौधरी की गिरफ्तारी करने में पुलिस नाकाम हो रही है। दबिश का दावा किया जा रहा है। मगर, पीड़ित परिवार पुलिस की कार्रवाई से असंतुष्ट है। परिजन दहशत में हैं। वह लगातार कार्रवाई की गुहार लगा रहे हैं।

15 अप्रैल की रात को घटना हुई थी। जूता कारोबारी और उनकी बेटी को घर के बाहर कार से कुचलने की कोशिश की गई थी। आरोप पूर्व मंत्री के पौत्र दिव्यांश पर है। वह कार से आया था। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। परिजन ने कार्रवाई के लिए हंगामा किया था। इस पर जानलेवा हमले की धारा में मुकदमा दर्ज किया गया।

पुलिस का दावा है कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। वह घर से फरार हो गया है। गैर जमानती वारंट के लिए पुलिस कोर्ट भी गई। मगर, कुछ नहीं हुआ। इससे पीड़ित परिवार में आक्रोश है। उनका कहना है कि पूर्व मंत्री का पौत्र होने की वजह से पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। सिर्फ दिखावा किया जा रहा है। डीसीपी सिटी सूरज राय का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम लगी है। उस पर इनाम घोषित किया जाएगा। गैर जमानती वारंट के लिए कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया जा रहा है।

एक्स पर पोस्ट कर मुख्यमंत्री से गुहार, कार्रवाई करें– पीड़ित युवती ने एक्स पर अपना वीडियो पोस्ट किया है। यह 2 मिनट 15 सेकंड का है। वीडियो में युवती पूरी घटना बता रही है। पूर्व मंत्री पर भी आरोप लगाए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गुहार लगाते हुए कह रही हैं कि आरोपी के साथ पूर्व मंत्री और उनके बड़े बेटे के खिलाफ भी कार्रवाई की जाए। अगर, ऐसा नहीं हुआ तो पार्टी का विरोध करेगी। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी डाला है।

कांग्रेस प्रत्याशी दानिश अली बोले

भाजपा की बी टीम है बसपा, मूल विचारधारा से दूर चला गया पार्टी नेतृत्व

अमरोहा, एजेंसी। कांग्रेस नेता दानिश अली ने बसपा पर लोकसभा चुनाव में भाजपा की बी-टीम की भूमिका निभाने का आरोप लगाया है। दावा किया कि मायावती के नेतृत्व वाली पार्टी के उम्मीदवारों का फैसला भी सत्तारूढ़ दल ने किया है। बसपा छोड़ने के बाद कांग्रेस के टिकट पर अमरोहा से चुनाव लड़ रहे अली ने कहा कि रैली में पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा उनकी आलोचना करना हताशा को दर्शाता है।

यह हमला पिछले पांच वर्षों में सदन में सरकार को बेनकाब करने के मेरे काम को लेकर उनकी हताशा है। वह (भाजपा) नहीं चाहते कि मेरे जैसा सांसद सदन में वापस आए। इसीलिए उन्होंने चुनाव में मेरे खिलाफ अपनी पूरी ताकत लगा दी है। उन्होंने कहा, ÷मुख्यमंत्री (योगी आदित्यनाथ) पिछले दो सप्ताह में चौथी बार अमरोहा का दौरा कर रहे हैं।

भाजपा नेताओं की पूरी फौज अमरोहा में डेरा डाली हुई है। मैं इसे एक चुनौती के रूप में लेता हूं। दानिश अली पर निशाना साधते हुए मोदी ने पिछले हफ्ते अमरोहा में चुनावी रैली में आरोप लगाया था कि उन्हें भारत माता की जय कहने में आपत्ति है।

उन्होंने लोगों से पूछा था कि जो व्यक्ति भारत माता की जय स्वीकार नहीं कर सकता, वह संसद में अच्छा लगेगा? क्या ऐसे व्यक्ति को भारतीय संसद में प्रवेश की अनुमति दी जानी चाहिए। प्रधानमंत्री पर पलटवार करते हुए दानिश अली ने कहा कि भाजपा या पीएम के पास भारत माता पर कोई पेटेंट नहीं है।

जिन लोगों ने आजादी के बाद 50 साल से अधिक समय तक अपने वैचारिक मुख्यालय पर तिरंगा नहीं फहराया उन्हें ऐसी टिप्पणी करने से बचना चाहिए। बसपा प्रमुख मायावती द्वारा उन पर कई आरोप लगाने के बारे में उन्होंने कहा कि लोग जानते हैं कि इंडी गठबंधन और विशेष रूप से दानिश अली को हराने के लिए बसपा और भाजपा दोनों एक दूसरे से मिले हुए हैं।

दावा किया कि बसपा नेतृत्व पार्टी की विचारधारा से दूर चला गया है। आज संविधान को बचाने का सवाल है। भाजपा नेता कह रहे हैं कि वह संविधान को बदल देंगे। यह बात किसी और ने नहीं बल्कि छह बार के सांसद अनंत कुमार हेगड़े ने कही।

इसलिए, बसपा इंडी गठबंधन से दूर रही और उसके उम्मीदवार भाजपा द्वारा तय किए गए है। बीएसपी शत प्रतिशत बीजेपी की बी-टीम की भूमिका निभा रही है।

फूड प्वाइजनिंग से 70 से ज्यादा बीमार, वैवाहिक आयोजन में खाने से बिगड़ी हालत; बच्चे और बुजुर्ग शामिल

अंबेडकरनगर , एजेंसी। वैवाहिक आयोजन में फास्ट फूड खाने के बाद 70 से अधिक लोग बीमार पड़ गए। इसमें घराती और बराती दोनों शामिल रहे। आधी रात में सभी को जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

घटना बेवाना थाना इलाके के मुंगरी गांव की है। स्थानीय निवासी सीताराम की पुत्री का मंगलवार को विवाह था। बरात आने के बाद वहां फास्ट फूड खाने का दौर शुरू हुआ। इसके कुछ देर बाद से लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। पेट दर्द के साथ ही उल्टी और चक्कर आने जैसी दिक्कत शुरू हो गई।

एक-एक कर कई लोगों की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें नजदीकी जाफरगंज स्थित स्वास्थ्य उपकेंद्र ले जाया गया। हालांकि संख्या अधिक होने पर सभी को जिला अस्पताल भेजा गया। वहां सभी को भर्ती कर उपचार शुरू हुआ। इन सबके बीच जैसे तैसे वैवाहिक रस्म भी निभाई गई।

जिला अस्पताल में 69 लोग भर्ती हैं जबकि चार अन्य का इलाज जाफरगंज में किया गया। बीमार लोगों में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं। सीएमएस डॉ ओम प्रकाश ने बताया कि फूड प्वाइजनिंग की वजह से ऐसा हुआ है। सभी लोगों की हालत अब सामान्य है।

एक साथ बड़ी संख्या में ग्रामीणों के फूड प्वाइजनिंग की खबर मिलते ही डीएम अविनाश सिंह, एसपी डॉ कौस्तुभ, एडीएम डॉ सदानंद और सीएमओ डॉ राजकुमार भी जिला अस्पताल पहुंच गए। अधिकारियों ने वहां भर्ती लोगों से बातचीत की। सीएमएस को निर्देश दिया कि पूरी तरह ठीक होने के बाद ही यहां से वापस घर भेजा जाए।

इन्हें किया गया है भर्ती – जिला अस्पताल में मुंगरी की मंजू (22), रमेश (62), शिवांगी (14), राम जियावन (70), शशि (35), अंकित (36), प्रिया (6), ममता (24), अवधेश (11), सुनीता (27), राम बचन (65), राजू (38), सुनील (25), अंजू (18), कमला (48), अवनीश (12),शीला (42), अतुल (5), श्याम सुंदर (18) आदि भर्ती होने वालों में शामिल हैं।

पब्जी, दोस्ती और धर्म परिवर्तन: मुंबई से मुरादाबाद आ गई हर्षदा... फिर दलदल में फंसती गई; मां ने सुनाई आपबीती

मुरादाबाद , एजेंसी। मुरादाबाद के गलशहीद थाना क्षेत्र में रहने वाले एक युवक ने पब्जी गेम के जरिए मुंबई की एक महिला को अपने प्रेम जाल में फंसा लिया। आरोपी उसे मुंबई से भगाकर मुरादाबाद ले अया और यहां उसका धर्म परिवर्तन कराकर निकाह कर लिया। कुछ दिन बाद ही आरोपी ने महिला का उत्पीड़न शुरू कर दिया। जिससे तंग आकर महिला ने फंदा लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया है। निजी अस्पताल में उसका उपचार चल रहा है। पुलिस ने पीड़िता की मां की तहरीर पर केस दर्ज कर लिया है।

मुंबई के संजय नगर निवासी माधुरी मित्रा पत्नी रोहितास अबनावे ने मुरादाबाद के गलशहीद थाने में गलशहीद थाना क्षेत्र के असालतपुरा निवासी फुजैल और उसके पिता मोहम्मद असलम के खिलाफ केस दर्ज कराया है। जिसमें माधुरी ने बताया कि उसकी बेटी हर्षदा शादी विवाह में इवेंट का काम करती थी। वह मोबाइल पर पब्जी खेलती थी। इसी दौरान उसकी दोस्ती फुजैल से हो गई थी।

फैजुल भी मुंबई के ख्वाजा प्लैस सम्राट नगर में कामिल कुरैशी के मकान में किराये पर रहता था। दो मार्च 2022 को आरोपी फुजैल हर्षदा को अपने साथ मुरादाबाद ले आया था। यहां लाकर आरोपी ने उससे निकाह कर लिया था। जिससे आरोपी को एक बेटी भी पैदा हुई है। माधुरी का दावा है कि 15 अप्रैल 2022 को उसकी बेटी ने फोन पर बताया कि फुजैल ने उसके साथ मारपीट की है। कोई काम धंधा नहीं करता है। इसकी आदतों से मैं बहुत परेशान हूं।

17 अप्रैल को आरोपी फुजैल ने फोन कर माधुरी को बताया कि हर्षदा ने फंदे पर लटक कर आत्महत्या का प्रयास किया है। उसे विवेकानंद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। माधुरी यहां आई तो उसे पता चला कि हर्षदा की हालत गंभीर है। गलशहीद थाना प्रभारी सौरभ त्यागी ने बताया कि तहरीर के आधार पर आईपीसी की धारा 323, 504, 306 और 511 में केस दर्ज किया गया है। विवेचना में जो भी तथ्य सामने आएंगे। उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

यूएस एयरबेस में घुसा मगरमच्छ, टैंकर प्लेन के टायरों में नजर आया, निकालने के लिए बुलाने पड़े स्पेशलिस्ट

फ्लोरिडा। फ्लोरिडा के यूएस एयरबेस में मगरमच्छ घुस गया। यह मगरमच्छ एक टैंकर प्लेन के टायरों के बीच देखा गया। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वाइरल हो रहा है। मगरमच्छ का पता तब चला जब टायरों की जांच करते वक्त कर्मचारियों की उसपर नजर पड़ी। काफी कोशिश के बाद भी जब मगरमच्छ नहीं हटा तो उसे निकालने के लिए स्पेशलिस्ट बुलाने पड़े। जिन्होंने कड़ी मशक्कत के बाद मगरमच्छ को पकड़ा गया। टीम ने मगरमच्छ को पास की नदी में छोड़ दिया है।

इजराइल से जंग के बीच खतरे में 23 लाख फिलिस्तीनी

गाजा। इजराइल पर हमास के आतंकी हमले के मंगलवार को 200 दिन हो गए हैं। इजराइल के सैन्य हमलों के बीच गाजा के 23 लाख नागरिकों को हर रोज खाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। UN का कहना है कि गाजा में मई में भुखमरी का खतरा है। सबसे बुरी स्थिति युद्ध के बीच जन्मे बच्चों की है। 17 अप्रैल तक गाजा के अस्पतालों में कुपोषण से 12 साल से कम उम्र के 28 बच्चों की मौत हो गई थी। इनमें एक महीने से कम उम्र वाले 12 बच्चे शामिल थे। इजराइली हमले में अब तक 34 हजार लोगों की मौत हुई है, जबकि 77 हजार से ज्यादा लोग घायल हुए। मृतकों में सबसे ज्यादा 14,500 बच्चे हैं। हर घंटे 15 लोग मारे जा रहे हैं, जिनमें 6 बच्चे शामिल हैं। 7 साल के मुहन्नद अल नज्जर के परिवार को उत्तर गाजा से विस्थापित होकर खान यूनिस में पनाह लेनी पड़ी। रिफ्यूजी कैंप में पैक्ड फूड ही सहारा था। पर्याप्त भोजन नहीं मिलने के कारण वह बीमार हो गया। अब उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसने खाना बंद कर दिया है। वह दिन में केवल दो कप पानी ही पी पाता है। उसका वजन आधा हो गया है और कंकाल दिखने लगा है। उसकी स्थिति ऐसी है कि उसके हाथ में ड्रिप भी नहीं लगाई जा सकती है, इसलिए पैर की नस के जरिए लिक्विड चढ़ाया जाता है। नूर बर्दा और हेबा अरकान के बच्चे जिहाद का जन्म 5 महीने पहले अल शिफा अस्पताल में हुआ। इस दंपती के सारे पैसे पहले ही खाना खरीदने में खत्म हो गए। बच्चे के लिए मिल्क पाउडर खरीदने के लिए मां को सोने के गहने बेचने पड़े। गाजा के बाल चिकित्सक डॉ. मोंटेसर फर्रा का कहना है कि गाजा के हर घर में ऐसे बच्चे हैं, जो कुपोषण की समस्या के शिकार हैं। ऑक्सफेम के मुताबिक गाजा के हजारों लोग रोज औसत 245 कैलोरी पर जीवित हैं, जबकि एक वयस्क को हर दिन 1,600 से 3 हजार कैलोरी चाहिए।

ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार बोली-भारत सरकार ने देश छोड़ने को मजबूर किया, चुनावी कवरेज की इजाजत नहीं दी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की एक पत्रकार ने दावा किया है कि उसे भारत में चुनाव की कवरेज की इजाजत नहीं दी गई। उन्हें देश छोड़कर जाने के लिए भी मजबूर किया गया। ऑस्ट्रेलिया के ABC न्यूज कंपनी के लिए काम करने वाली अवनी डिऐज 19 अप्रैल को भारत छोड़कर जा चुकी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अवनी वही पत्रकार हैं, जिन्होंने कनाडा में खालिस्तानी आतंकी निज्जर की हत्या के खिलाफ एक रिपोर्ट पब्लिश की थी। यूट्यूब पर मौजूद इस रिपोर्ट को भारत सरकार ने देश में बैन कर दिया गया था। ABC न्यूज ने इसका विरोध भी किया था। अवनी ने अपने एक पॉडकास्ट 'लुकिंग फॉर मोदी' में बताया कि भारत सरकार ने उनके वीजा परमिट को यह कहकर आगे नहीं बढ़ाया गया कि उनकी रिपोर्ट्स ने लाइन क्रॉस की है। अवनी ने कहा, "ऑस्ट्रेलियाई सरकार के हस्तक्षेप के बाद भारत छोड़ने से 24 घंटे पहले मुझे 2 महीने के लिए वीजा दिया गया, लेकिन चुनाव कवर करने की इजाजत नहीं मिली। मैंने भारत में वोटिंग के पहले फेज वाले दिन ही देश छोड़ दिया था।" हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकारी सूत्रों ने अवनी के दावों को खारिज कर दिया है। सूत्रों ने बताया कि ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार ने भारत में रहते हुए वीजा नियमों का पालन नहीं किया। इसके बावजूद उन्हें आश्वासन दिया गया था कि उनका वीजा परमिट बढ़ा दिया जाएगा, ताकि वो चुनाव की कवरेज कर सकें। सरकारी सूत्रों ने आगे कहा कि अवनी का वीजा 20 अप्रैल तक मान्य था। उन्होंने 18 अप्रैल को वीजा के लिए फीस जमा की, जिसके बाद जून के आखिर तक के लिए उनका वीजा परमिट बढ़ा दिया गया। सरकारी सूत्र ने आगे बताया, "अवनी ने जो दावा किया है कि उसे चुनाव की कवरेज की इजाजत नहीं मिली, वो गलत है। बूथ के बाहर चुनावी एक्टीविटीज कवर करने के लिए सभी पत्रकारों को इजाजत है। वहीं पोलिंग बूथ या काउंटिंग स्टेशन से कवरेज के लिए परमिट की जरूरत होती है। वीजा की प्रक्रिया के बीच में यह परमिट जारी नहीं किया जा सकता।

कांग्रेस का पित्रोदा के 'विरासत टैक्स' वाले बयान से किनारा, राहुल ने कहा- मैंने ऐसा नहीं कहा

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के बीच 'विरासत टैक्स' पर कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने आ गई। इस बीच इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा का भी इस पर एक बयान बुधवार को सामने आया। उन्होंने कहा कि भारत में विरासत टैक्स लगाने पर बहस होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका में विरासत टैक्स लगता है। अगर किसी के पास 10 करोड़ डॉलर की संपत्ति है। उसके मरने के बाद 45% संपत्ति उसके बच्चों को मिलती है, जबकि 55% पर सरकार का मालिकाना हक हो जाता है। यह बड़ा ही दिलचस्प कानून है। इसके बाद पीएम मोदी, अमित शाह समेत भाजपा के कई नेताओं ने अपनी-अपनी रैलियों में कांग्रेस पर हमला बोला। उधर कांग्रेस ने सैम के बयान से किनारा कर लिया। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि यह उनके निजी विचार हैं। इसका पार्टी से कोई मतलब नहीं है। राहुल गांधी ने आज सुबह नई दिल्ली में एक पार्टी इवेंट में कहा कि मैंने ये नहीं कहा कि हम इस पर कोई एक्शन लेंगे। मैं सिर्फ ये कहा रहा हूं कि हमें ये देखना चाहिए कि कितना अन्याय हुआ है।

सुनीता विलियम्स तीसरी अंतरिक्ष यात्रा के लिए तैयार, 6 मई को बोइंग के कैप्सूल से स्पेस में जाएंगी

नई दिल्ली। भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स 6 मई को अपनी तीसरी अंतरिक्ष यात्रा पर जाएंगी। वो बोइंग के स्टारलाइनर कैलिप्सो मिशन का हिस्सा होंगी। अमेरिका स्पेस एजेंसी NASA के मुताबिक, मिशन के लिए 2 सीनियर साइंटिस्ट बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स को चुना गया है। फिलहाल सुनीता बोइंग के स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट पर क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन के पायलट की ट्रेनिंग ले रही है। बोइंग के स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट को 6 मई को रात 10 बजकर 34 मिनट पर एलायंस एटलस वी रॉकेट पर लॉन्च किया जाएगा। इस मिशन के लिए नासा की मदद ली गई है। अमेरिका स्पेस एजेंसी कल (25 अप्रैल) स्पेसक्राफ्ट के बारे में पूरी जानकारी साझा करेगी। स्पेस एजेंसी के मुताबिक, स्पेसक्राफ्ट को फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन के स्पेस लॉन्च कॉम्प्लेक्स-41 से लॉन्च किया जाएगा। दोनों यात्री दो हफ्ते तक इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (ISS) में रहेंगे। इसके लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। दरअसल, पहले यह स्पेसक्राफ्ट जुलाई 2022 में रवाना होने वाला था, लेकिन कोरोना महामारी के चलते इसे एक साल के लिए टाल दिया गया था। अंतरिक्ष यान और बोइंग स्टारलाइनर बहुत अलग हैं। अंतरिक्ष यान अपनी कक्षा में लंबे समय तक रह सकता है, जबकि बोइंग स्टारलाइनर के पास अपनी कक्षा में कम समय होता है। अंतरिक्ष यान ज्यादा सामान नहीं ले जाता है, लेकिन बोइंग स्टारलाइनर अंतरिक्ष में उपकरण, दूसरे ग्रह के लिए सामान ले जा सकता है। अगर बोइंग स्टारलाइनर का यह मिशन सफल होता है, तो इससे स्पेस टूरिज्म के नए दरवाजे खुलेंगे।

पाकिस्तान-ईरान ट्रेड पर अमेरिका नाराज, कहा-

बिजनेस बढ़ाया तो PAK पर बैन लगाएंगे

एजेंसी, नई दिल्ली।

अमेरिका ने पाकिस्तान को ईरान के साथ बिजनेस डील करने को लेकर वॉर्निंग दी है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा है कि इसके बदले वो पाकिस्तान पर कई प्रतिबंध लगा सकता है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा, "जो भी ईरान के साथ व्यापार करेगा उस पर बैन लगने का खतरा है। हालांकि, पाकिस्तान को अपनी विदेश नीति को लेकर खुद फैसले लेने का हक है।" दरअसल, ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी 22 अप्रैल को 3 दिन के दौरे पर पाकिस्तान पहुंचे थे। पाक PM शहबाज शरीफ के साथ बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच ट्रेड को 10 अरब डॉलर पहुंचाने पर सहमति बनी थी। इसके अलावा दोनों ने अलग-अलग क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने से जुड़े 8 MoU भी साइन किए थे। इससे कुछ दिन पहले अमेरिका ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल प्राग्राम के लिए तकनीक और जरूरी सामानों की सप्लाई करने पर चीन की 3 कंपनियों पर बैन लगा दिया था। इसमें बेलारूस की भी एक कंपनी शामिल थी। अमेरिका ने बताया था कि कार्रवाई के तहत कंपनियों से जुड़ी सभी संपत्ति को सीज कर दिया गया है। वहीं इनके अफसरों की देश में एंट्री पर रोक लगा दी गई है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को इससे जुड़े एक सवाल के जवाब में कहा, "प्रतिबंध इसलिए लगाए गए क्योंकि ये वो कंपनियां थीं, जो बड़े स्तर पर तबाही मचाने वाले हथियारों की सप्लाई का साधन थीं। इससे ऐसे हथियारों के इस्तेमाल को बढ़ावा मिल सकता है। हमारे पास सबूत हैं कि चीन और बेलारूस की कंपनियां पाकिस्तान को बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम के लिए जरूरी इक्विपमेंट और सामान सप्लाई कर रही थीं।" बेलारूस की कंपनी मिंस्क व्हील पाकिस्तान की लंबी दूरी वाली बैलिस्टिक मिसाइलों के लिए चैसिस व्हीकल सप्लाई करती थी। इन्हें मिसाइल लॉन्च करने के लिए सपोर्ट के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। वहीं चीन की शियान लॉन्गदे कंपनी मिसाइल से जुड़े उपकरण जैसे फिलामेंट वाइंडिंग मशीन देती है। इसका इस्तेमाल रॉकेट मोटर के केस बनाने में होता है। तियांजिन कंपनी पाकिस्तान को जो सामान सप्लाई करती है, उसका इस्तेमाल स्पेस लॉन्च व्हीकल के टैंकों की वेल्डिंग में किया जाता है। वहीं ग्रैनपेक्ट कंपनी के उपकरण पाकिस्तान के रॉकेट मोटर की टेस्टिंग में काम आते हैं।

दोनों देशों में 10 अरब डॉलर के व्यापार पर सहमति

'राजनीतिक फायदों के लिए एक्सपोर्ट कंट्रोल का इस्तेमाल हो रहा': अमेरिका के प्रतिबंधों पर पाकिस्तान ने विरोध जताया था। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने कहा था, "हम निर्यात पर कंट्रोल का इस्तेमाल राजनीतिक फायदों के लिए किए जाने का विरोध करते हैं। पाकिस्तान पर पहले भी बिना किसी सबूत के ऐसे आरोप लगाए गए हैं।" मुमताज बलोच ने आगे कहा था, "हम पहले भी कई बार बता चुके हैं कि इन सामानों का कॉमर्शियल इस्तेमाल भी होता है। जो आज हम पर प्रतिबंध लगा रहे हैं वो कई दूसरे देशों के मिलिट्री तकनीक हासिल करने के लिए जरूरी लाइसेंस को भी माफ कर चुके हैं। इसी वजह से दुनिया में हथियारों की प्रोडक्शन बढ़ रहा है जो वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए खतरा है।"

VVPAT वेरिफिकेशन पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) के वोटों और वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (VVPAT) पर्चियों की 100% क्रॉस-चेकिंग की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को फैसला सुरक्षित रख लिया। जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि हम मेरिट पर दोबारा सुनवाई नहीं कर रहे हैं। हम कुछ निश्चित स्पष्टीकरण चाहते हैं। हमारे कुछ सवाल थे और हमें जवाब मिल गए। फैसला सुरक्षित रख रहे हैं। इस मामले में सुनवाई आज 40 मिनट सुनवाई चली। दरअसल इस केस में याचिकाकर्ताओं की तरफ से एडवोकेट प्रशांत भूषण, गोपाल शंकरनारायण और संजय हेगड़े पैरवी कर रहे हैं। प्रशांत एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ADR) की तरफ से हैं। वहीं, चुनाव आयोग की ओर से अब तक एडवोकेट मनिंदर सिंह, अफसरों और केंद्र सरकार की ओर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता मौजूद रहे हैं। इससे पहले 18 अप्रैल को जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने 5 घंटे वकीलों और चुनाव आयोग की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा था।

EC ने पीएम की स्पीच के खिलाफ जांच शुरू की

एजेंसी, नई दिल्ली।

इलेक्शन कमीशन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बांसवाड़ा में दिए गए बयान की जांच शुरू कर दी है। पीएम मोदी ने राजस्थान के बांसवाड़ा में कहा था कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो लोगों की संपत्ति को मुस्लिमों में बांट देगी। साथ ही पीएम ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की उस टिप्पणी का भी जिक्र किया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों का है। पीएम के इस बयान के खिलाफ कांग्रेस और CPI-M ने चुनाव आयोग में अलग-अलग शिकायतें दर्ज कराई थीं। कांग्रेस ने इलेक्शन कमीशन से अपील की थी कि पीएम मोदी के 'संपत्ति का बंटवारा' वाले बयान पर एक्शन लें। कांग्रेस ने इस बयान को विभाजनकारी, दुर्भावना से भरा और समुदाय विशेष को टारगेट करने वाला बताया था। वहीं, CPI(M) के जनरल सेक्रेटरी सीताराम येचुरी ने भी एक पोस्ट में इलेक्शन कमीशन से अपील की थी कि इस शिकायत पर ध्यान दें और पीएम मोदी और भाजपा के खिलाफ एक्शन लें। उन्होंने इस मामले में FIR दर्ज की जाने की भी मांग की थी। राजस्थान के बांसवाड़ा में रविवार को पीएम मोदी ने कहा- अगर कांग्रेस की सरकार बनेगी तो हरेक की प्रॉपर्टी का सर्वे किया जाएगा। हमारी बहनों के पास सोना कितना है, इसकी जांच की जाएंगी। चांदी का हिसाब लगाया जाएगा।

◆ बांसवाड़ा में कहा था- कांग्रेस सत्ता में आई तो आपकी संपत्ति मुस्लिमों में बांट देगी

विदेश मंत्री जयशंकर ने पश्चिमी मीडिया की निंदा की

कहा- वे भारत की आलोचना कर चुनाव पर असर डालने की कोशिश कर रहे

एजेंसी, नई दिल्ली।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत की आलोचना करने पर पश्चिमी मीडिया की निंदा की। हैदराबाद में एक कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में जयशंकर ने कहा," पश्चिमी मीडिया भारत के चुनावों में अपने आप को पॉलिटिकल प्लेयर समझती हैं।" जयशंकर ने आगे कहा, "मैं पश्चिमी मीडिया में भारत के खिलाफ उठने वाली आवाजों से वाकिफ हूं। अगर वो लोकतंत्र की आलोचना करता हैं तो इसकी वजह जानकारी की कमी नहीं है। वे ऐसा करते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि इसका भारत के चुनाव पर असर पड़ेगा।"

जयशंकर बोले- विदेशी मीडिया का भ्रम दूर करने की जरूरत: जयशंकर ने अपने संबोधन के दौरान विदेशी मीडिया आउटलेट में छपे एक आर्टिकल का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, "एक लेख में लिखा था कि भारत में इतनी गर्मी है, वे इस समय चुनाव क्यों करा रहे हैं? इस पर मैं कहना चाहता हूं कि इस गर्मी में भी भारत में जितना मतदान होता है वो आपके सबसे बड़े वोटिंग रिकॉर्ड से भी ज्यादा है।" "हमारी राजनीति अब वैश्विक स्तर पर पहुंच रही है। विदेशी मीडिया को लगता है कि उन्हें इसमें दखल देने की जरूरत है। अब समय आ गया है कि हम उनका यह भ्रम दूर कर दें। ऐसा सिर्फ आत्मविश्वास के जरिए किया जा सकता है।" पश्चिमी मीडिया के अलावा विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कांग्रेस पर भी 2008 के मुंबई हमले के बाद एक्शन न लेने का आरोप लगाया है। जयशंकर ने कहा, "2008 के हमले के बाद UPA सरकार ने कोई एक्शन नहीं लिया। हम हाथ पर हाथ रखकर बैठे रहे। ऐसा इसलिए क्योंकि UPA सरकार का मानना था कि पाकिस्तान पर हमला न करना देश के लिए ज्यादा फायदेमंद है।"

अमेरिकी रिपोर्ट में दावा- भारत सरकार ने मीडिया कंपनियों पर दबाव डाला: विदेश मंत्री की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय पर आई है, जब 2 दिन पहले अमेरिकी विदेश विभाग ने ह्यूमन राइट्स पर एक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि भारत सरकार ने उन मीडिया आउटलेट्स पर दबाव डाला जो सरकार की आलोचना करते हैं। 2023 में, रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स ने अपने प्रेस फ्रीडम इंडेक्स में भारत को 180 देशों में से 161वां स्थान दिया। इस सर्वे पर कई सवाल भी उठाए गए थे कि भारत तालिबान के शासन वाले अफगानिस्तान से नीचे कैसे आ गया। हालांकि भारत सरकार ने इन रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया था। सरकार ने कहा था कि यह सब राजनीतिक मकसद से किया गया है।

राहुल बोले- कांग्रेस का मेनिफेस्टो देखकर PM घबरा गए, भाजपा दलित-OBC की हिस्ट्री मिटाना चाहती है

एजेंसी, नई दिल्ली।

कांग्रेस पार्टी के समाजिक न्याय सम्मेलन कार्यक्रम में राहुल गांधी ने कहा- कांग्रेस का मेनिफेस्टो देखकर PM घबरा गए हैं। यह कांतिकारी घोषणापत्र है। हमने जाति जनगणना कराने का वादा किया है। भाजपा दलित-OBC की हिस्ट्री को मिटाना चाहती है। आपकी हिस्ट्री की जड़ को एक बार फिर लगाना होगा। जाति जनगणना को कोई शक्ति नहीं रोक सकती है। मोदी ने 10 साल देश से कहा कि वो OBC हैं। जैसे ही मैंने जाति जनगणना की बात की तो मोदी बोलने लगे की देश में सिर्फ दो जाति हैं अमीर और गरीब। मैं कहता हूं कि गरीबों की लिस्ट निकालिए, उसमें आपको दलित, आदिवासी-OBC मिल जाएंगे, लेकिन अमीरों की लिस्ट में आपको ये तीनों समुदाय के लोग नहीं मिलेंगे। अगर आप सुपरपावर बनना चाहते हो 90 परसेंट (OBC, आदिवासी,दलित) की शक्ति का प्रयोग करना होगा। ये लोग अपने आपको देशभक्त कहते हैं, लेकिन एक्सरे यानी जनगणना से डरते है। ये मेरे लिए सामाजिक न्याय एक राजनीतिक मुद्दा नहीं है। ये अब मेरी लाइफ का मिशन है। लाइफ मिशन में कॉम्प्रोमाइज नहीं हो सकता है। मैंने देश की टॉप 200 बड़ी कंपनियों की मालिकों की लिस्ट निकाली। इन 200 कंपनियों में से 25 लोगों को नरेंद्र मोदी ने 16 लाख करोड़ रुपए दिए हैं। इतने पैसे से देश के किसानों की 25 बार कर्जमाफी की जा सकती है। इन 200 कंपनियों में से एक आदिवासी नहीं, एक दलित नहीं, एक OBC नहीं है। जो मीडिया वाले मुझे नॉन सीरियस कह रहे हैं, उन कंपनियों के CEO और एंकरों की मैंने लिस्ट देखी है। 90 % मीडिया कंपनियों के CEO-एंकर और सीनियर लीडिरशिप में OBC या दलित जाति के लोग नहीं है। मुझे जाति में कोई इंटरेस्ट नहीं है। मुझे न्याय में इंटरेस्ट है। मैंने सिर्फ कहा था कि पता लगाना चाहिए कि लोगों के साथ कितना अन्याय हो रहा है। इसके लिए जाति जनगणना यानी एक्सरे कराने की बात कही थी। मेरा इतना कहते ही भाजपा के लोग कहने लगे कि मैं देश को बांटने की कोशिश कर रहा हूं। मोदी ने 22 लोगों को 16 लाख करोड़ रुपए दिए हैं। अगर हमारी सरकार आई तो उसका थोड़ा सा पैसा लोगों को दिया जाएगा। मुझे तो पिछड़ा शब्द भी अच्छा नहीं लगता है। इसको खत्म करना है। हमारी सरकार आई तो इस पर विचार करेंगे। भाजपा चाहती है कि SC-ST, OBC समुदाय के लोग अपनी हिस्ट्री को न पहचाने। आपको बीते हुए समय से काट दिया गया है। फुले जी और अंबेडकर जी जैसे करोड़ों लोग थे, जिन्होंने 24 घंटे देश के लिए खून-पसीना दिया था, लेकिन कोई इनकी बात नहीं करता है। आजादी की लड़ाई में भी इन समुदाय के लोगों का सेंट्रल रोल था, लेकिन कोई चर्चा नहीं होती। देश की सरकार और राज्य सरकार 45 हजार करोड़ रुपए फसल बीमा योजना के लिए देती है।

जाति जनगणना को कोई शक्ति नहीं रोक सकती

चीनी अखबार ने भारत की विदेश नीति पर सवाल उठाए

एजेंसी, माले।

मालदीव के संसदीय चुनाव में राष्ट्रपति मुइज्जू की जीत के बाद चीन के सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स ने भारत की विदेश नीति पर सवाल उठाए हैं। ग्लोबल टाइम्स ने अपने आर्टिकल में कहा है कि भारत 'नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी' (पड़ोसी देशों को प्राथमिकता देना) पर चलता है। लेकिन पिछले कुछ समय से भारत का रवैया 'नेबर फर्स्ट पॉलिसी' की जगह 'इंडिया फर्स्ट' वाला हो गया है। भारत साउथ एशिया में जितना अपना दबदबा बढ़ाने की कोशिश करता है, उससे पड़ोसी देश उतने ही दूर हो रहे हैं। इससे साबित होता है कि भारत साउथ एशिया को अपना बैक्यार्ड समझता है। वह साउथ एशियन देशों पर भारत और चीन में से किसी एक को चुनने के लिए दबाव डालता है। शंघाई इंस्टिट्यूट ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज के प्रोफेसर ल्यू जोंग्यी ने ग्लोबल टाइम्स से कहा कि मालदीव के संसदीय चुनाव इस बात का सबूत हैं कि वहां के लोग अब भारत के आदेश का पालन नहीं करना चाहते हैं। उन्हें स्वतंत्र विदेश नीति का चुनाव किया है। वो आर्थिक और सामाजिक विकास को प्राथमिकता देते हैं। ग्लोबल टाइम्स ने अपने आर्टिकल में आगे लिखा, "भारत के आक्रामक रवैये के कारण पड़ोसी देशों में भारत विरोधी भावनाएं पैदा हो रहे हैं। भारत- चीन दुश्मन नहीं बल्कि पार्टनर हैं। मालदीव के लोगों ने भी मुइज्जू को इसलिए चुना है क्योंकि उन्हें लगता है कि भारत मालदीव के आतंरिक मामलों में दखल दे रहा है, जिससे उसकी स्वतंत्रता को खतरा है।

नासा के वॉयजर-1 ने 24 अरब किमी से भेजा सिग्नल

एजेंसी, वॉशिंगटन।

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के स्पेसक्राफ्ट वॉयजर-1 ने 24 अरब किलोमीटर की दूरी से सिग्नल भेजा है। पिछले 5 महीनों में यह पहली बार है, जब वॉयजर ने मैसेज भेजा है और नासा के इंजीनियर इसे पढ़ने में सफल रहे हैं। वॉयजर 1 को साल 1977 में अंतरिक्ष में भेजा गया था। यह इंसानों द्वारा बनाया गया वो स्पेसक्राफ्ट है जो अंतरिक्ष में सबसे दूरी पर मौजूद है। इस स्पेसक्राफ्ट ने पिछले साल 14 नवंबर के बाद से सिग्नल भेजना बंद कर दिया था। हालांकि, वह पृथ्वी से भेजे गए कमांड रिसीव कर रहा था। दरअसल, डेटा इकट्ठा करने और उसे धरती पर भेजने के लिए जिम्मेदार स्पेसक्राफ्ट का फ्लाइट डेटा सिस्टम एक लूप में फंस गया था। मार्च में नासा की टीम ने पाया कि स्पेसक्राफ्ट की एक चिप में गड़बड़ी आ गई थी, जिसकी वजह से डेटा सिस्टम मेमोरी का 3% हिस्सा करप्ट हो गया था। इसी कारण स्पेसक्राफ्ट कोई भी पढ़ने लायक सिग्नल नहीं भेज पा रहा था। इसके बाद वैज्ञानिकों ने कोडिंग के जरिए चिप को ठीक कर दिया। 20 अप्रैल को वॉयजर ने जो सिग्नल भेजा उसमें उसने अपना हेल्थ और स्टेटस अपडेट दिया है। नासा के मुताबिक अब अगला कदम स्पेसक्राफ्ट से साइंस डेटा हासिल करना है। NASA ने वॉयजर-2 के बाद अंतरिक्ष में दूसरे ग्रहों की खोज के लिए वॉयजर-1 को लॉन्च किया था। इसे 5 सितंबर 1977 को लॉन्च किया गया था। फरवरी 1990 में इस एयरक्राफ्ट ने सोलर सिस्टम की पहली ओवरव्यू तस्वीर ली थी।

नितिन गडकरी चुनावी रैली में बेहोश हुए

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के यवतमाल में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी चुनावी रैली के दौरान बेहोश हो गए। वे यहां NDA की शिवसेना प्रत्याशी राजश्री पाटिल के समर्थन में चुनावी रैली को संबोधित करने आए थे। गडकरी बोल ही रहे थे कि अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और वे बेहोश हो गए। मंच पर मौजूद लोग उन्हें अस्पताल ले गए। घटना के कुछ देर बात नितिन गडकरी ने पोस्ट करके बताया कि वह स्वस्थ हैं। उन्होंने लिखा- रैली के दौरान गर्मी की वजह से असहज महसूस किया। लेकिन अब पूरी तरह से स्वस्थ हूं। अगली सभा में सम्मिलित होने के लिए वरूड के लिए निकल रहा हूं। आपके स्नेह और शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। 2018 में भी नितिन गडकरी महाराष्ट्र के अहमदनगर में एक कार्यक्रम के दौरान मंच पर बेहोश हो गए थे। तब महाराष्ट्र के तत्कालीन राज्यपाल विद्यासागर राव भी मंच पर थे। उन्होंने ही उन्हें संभाला था। इधर, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए केरल के अलाप्पुझा में जनसभा को संबोधित किया।

रामदेव-बालकृष्ण ने विज्ञापन केस में दूसरा माफीनामा छपवाया

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- साइज ऐसा न हो कि माइक्रोस्कोप से पढ़ना पड़े

एजेंसी, नई दिल्ली।

पतंजलि, बाबा रामदेव और बालकृष्ण ने बुधवार (24 अप्रैल) को अखबारों में एक और माफीनामा छपवाया। इसमें बिना शर्त कोर्ट से माफी मांगी गई है। पतंजलि पर अखबारों में विज्ञापन देकर एलोपैथी के खिलाफ निगेटिव प्रचार करने का आरोप है। मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। पतंजलि ने बुधवार को छपवाए माफीनामे में लिखा- हमसे विज्ञापनों को प्रकाशित करने में हुई गलती के लिए ईमानदारी से बिना शर्त माफी मांगते हैं। ऐसी गलती दोबारा नहीं होगी। हम सावधानी के साथ सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करने का वचन देते हैं। इससे पहले 22 अप्रैल को भी पतंजलि ने 67 अखबारों में माफीनामा छपवाया था और भविष्य में ऐसी गलती नहीं दोहराने की बात कही थी। पतंजलि ने 23 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अमानतुल्लाह की बेंच को इसकी जानकारी दी थी। जस्टिस हिमा कोहली ने पतंजलि से पूछा था- आपके विज्ञापन जैसे रहते थे, इस माफीनामे का भी साइज वही था? कृपया इन विज्ञापनों की कटिंग ले लें और हमें भेज दें। इन्हें बड़ा करने की जरूरत नहीं है। हम इसका वास्तविक साइज देखना चाहते हैं। जस्टिस कोहली ने कहा था- जब आप कोई विज्ञापन प्रकाशित करते हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि हम उसे माइक्रोस्कोप से देखेंगे। सिर्फ पन्ने पर न हो, पढ़ा भी जाना चाहिए। पतंजलि, बाबा रामदेव और बालकृष्ण अगले दो दिन में ऑन रिकॉर्ड माफीनामा जारी करें, जिसमें लिखा हो कि उन्होंने गलती की। मामले की अगली सुनवाई 30 अप्रैल को होगी।

विश्व नंबर 1 के रूप में 100-सप्ताह के क्लब में शामिल हुईं स्वीयाटेक

मैड्रिड, एजेंसी। दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी इगा स्वीयाटेक हाल ही में डब्ल्यूटीए रैंकिंग के शीर्ष पर 100 सप्ताह बिताने वाली नौवीं खिलाड़ी बनने की उपलब्धि पर पहुंची हैं। इस उपलब्धि पर विचार करते हुए,स्वीयाटेक ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि इस मील के पत्थर को समझना कठिन है क्योंकि यह बहुत तेजी से हुआ है। डब्ल्यूटीए रैंकिंग के शिखर पर 100 सप्ताह बिताने वाले नौ खिलाड़ियों के चुनिंदा समूह में स्वीयाटेक 22 साल 326 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाली मार्टिना हिंगिस, मोनिका सेलेस, स्टेफनी ग्राफ और क्रिस एवर्ट के बाद पांचवीं सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं। स्वीयाटेक ने 100 क्लब में शामिल होने के बारे में कहा, ईमानदारी से कहूं तो मेरे लिए इसे समझ पाना कठिन है क्योंकि यह बहुत तेजी से हुआ। मैंने कभी उस पद पर रहने की उम्मीद नहीं की थी। स्वीयाटेक ने मंगलवार को मैड्रिड ओपन प्री-टूर्नामेंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, वास्तव में, खेल में इतने लंबे समय तक शीर्ष पर रहना कुछ ऐसी बात है जो मुझे वास्तव में गौरवान्वित करती है। मुझे लगता है कि हमने कभी-कभी कुछ कठिन निर्णय लिए हैं। मेरे पास अच्छे लोग हैं जो मेरा मार्गदर्शन कर रहे हैं और मेरी मदद कर रहे हैं, इसलिए निश्चित रूप से मैं यहां नहीं होती अगर मैं इसे स्वयं करती और मैं वास्तव में आभारी हूं कि सब कुछ ऐसा हुआ। चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने पहली बार अप्रैल 2022 में शीर्ष स्थान हासिल किया था जब एश्ले बार्टी ने टेनिस से संन्यास ले लिया था और तब से शिखर पर बनी हुई है, पिछले सीज़न में आठ सप्ताह की अवधि को छोड़कर जब आर्यना सबालेंका ने उनकी जगह ली थी। उसने आगे कहा, जैसा कि आप जानते हैं, विशेष रूप से पिछले साल, नंबर 1 पर वापस आना एक बड़ी बात थी और यह अप्रत्याशित तरीके से हुआ, इसलिए मुझे खुद पर गर्व है कि मैं इसके साथ आने वाले सभी दबावों का सामना कर सकी।

मार्कस स्टोइनिस ने रचा इतिहास

धोनी की टीम के खिलाफ बनाया ये कीर्तिमान, 13 साल पुराना रिकॉर्ड चकनाचूर

चैन्नई, एजेंसी। लखनऊ सुपर जायंट्स के ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस के बल्ले ने अकेले दम ऐसा तूफान खड़ा किया कि चेन्नई सुपरकिंग्स के अनुभवी गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ गईं। स्टोइनिस ने सिर्फ 63 बॉल में 124 रनों की धुआंधार अविजित पारी के दम पर लखनऊ को चेन्नई के होम ग्राउंड पर उसके खिलाफ छह विकेट से जोरदार जीत दिला दी। इसके पहले लखनऊ ने अपने होम ग्राउंड पर सीएसके को शिकस्त दी थी।

चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की नॉट आउट सेंचुरी (60 बॉल में 108 रन, 12 फोर, 3 सिक्स) और ऑलराउंडर शिवम दुबे के चिर-परिचित अंदाज में पावर पैक्ड पचासे (27 बॉल में 66 रन, 3 फोर, 7 सिक्स) की बदौलत 20 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 210 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था।

डि कॉक और केएल राहुल के आउट होने के बाद मार्कस स्टॉइनिस ने संभाला मोर्चा

जवाब में लखनऊ के लिए पिछले मैच में शानदार बल्लेबाजी करने वाले क्विंटन डि कॉक (0) और कप्तान केएल राहुल (16) की ओपनिंग जोड़ी बेहद सस्ते में निबट गई तो टीम की हार नजर आ रही थी। लखनऊ ने महज 33 रन पर दो विकेट और 88 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। लेकिन, यहां से स्टोइनिस ने ऐसा पराक्रम दिखाया कि पारी में तीन गेंदें शेष रहते ही लक्ष्य के पार पहुंचा दिया। मेहमान टीम ने चार विकेट पर 213 रन बनाकर चेन्नई के चेहरे पर मायूसी ला दी।

स्टॉइनिस का तूफान और बड़ा रिकॉर्ड चकनाचूर, धोनी बने दर्शक

इस तरह वह लक्ष्य का पीछा करने के दौरान सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। जब वह मैदान पर चौके और छक्के उड़ा रहे थे तो रणनीति के सबसे बड़े सूरमा एमएस धोनी विकेट के पीछे खड़े सिर्फ दर्शक बने रहे। रिजल्ट हर किसी के सामने है। उन्होंने पॉल वल्थाटी का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2011 में मोहाली में पंजाब किंग्स के लिए खेलते हुए चेन्नई सुपर किंग्स के ही खिलाफ नाबाद 120 रन ठोकते हुए हर किसी को हैरान कर दिया था।

शिवम दुबे ने तोड़ डाला एमएस धोनी का रिकॉर्ड

सीएसके के लिए तूफान की गति से बनाए 1000 रन

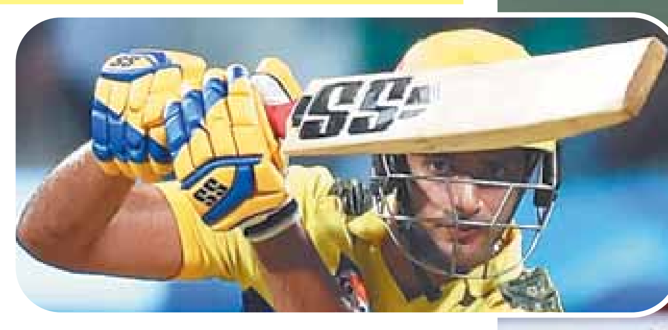

चैन्नई, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स यानी सीएसके के बल्लेबाजी ऑलराउंडर शिवम दुबे ने मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल में फ्रेंचाइजी के साथ अपने 1000 रन पूरे कर लिए हैं। पांच बार की चैंपियन टीम चेन्नई सुपर किंग्स के साथ उनका सफर अच्छा रहा है। वे इस फ्रेंचाइजी के साथ एक बेहतर क्रिकेटर बन गए हैं। शिवम दुबे ने चेपॉक स्टेडियम में लखनऊ सुपर जाएंट्स यानी एलएसजी के खिलाफ अपनी ताबड़तोड़ 66 रनों की पारी के दौरान यह उपलब्धि दर्ज की। उन्होंने धोनी का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। शिवम दुबे इस समय आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए अपनी दावेदारी मजबूती के साथ पेश कर रहे हैं।

शिवम दुबे ने लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ 27 गेंदों में 66 रनों की तूफानी पारी खेली। इस पारी में उनके बल्ले से सिर्फ तीन चौके निकले, लेकिन उन्होंने सात छक्के लगाए। 244.44 के स्ट्राइक रेट से उन्होंने बल्लेबाजी की, लेकिन टीम को हार का सामना करना पड़ा। शिवम दुबे अब उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने सीएसके के लिए 1000 या इससे ज्यादा रन बनाए हैं। 35 मैचों की 33 पारियों में उन्होंने इस उपलब्धि को अपने नाम किया है। वे 2022 में हुए मेगा ऑक्शन के दौरान टीम से जुड़े थे। इसके बाद से 37.70 के औसत और 161.08 के स्ट्राइक रेट से 1018 रन बना चुके हैं। वे इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और राजस्थान रॉयल्स के लिए भी खेल चुके हैं, लेकिन वहां उनका रिकॉर्ड अच्छा नहीं था। आरसीबी के लिए वे 15 मैचों में 169 रन और आरआर के लिए 9 मैचों में 230 रन बनाने में सफल हुए थे। इस फ्रेंचाइजी के लिए सिर्फ 14 ही खिलाड़ी अभी तक 1000 या इससे ज्यादा रन बनाने में सफल हुए हैं, लेकिन उन सभी में शिवम दुबे का स्ट्राइक रेट सभी से ज्यादा है।

टीम इंडिया की रेस... शिवम दुबे की 51.83 की औसत वाली बल्लेबाजी पर भारी हार्दिक का स्पेशल 4!

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएलः 2024 का आधा सफर पूरा हो चुका है, इस आधे सफर के बाद कई भारतीय खिलाड़ी अपने प्रदर्शन की बदौलत जून में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में खेलने का सपना बुन रहे हैं. दो भारतीय खिलाडियों को लेकर सबसे ज्यादा हाइप क्रिएट हो रही है. ये दोनों ही ऑलराउंडर हैं. ये दो ऑलराउंडर हैं शिवम दुबे और हार्दिक पंड्या. इन दोनों ही खिलाडियों के वर्ल्ड कप में जाने को लेकर कई क्रिकेट एक्सपर्ट अपनी राय भी रख रहे हैं. ऐसे में बड़ा सवाल है कि आईपीएल के आधे सफर के बाद दुबे या पंड्या में किसका पलड़ा भारी है. शिवम दुबे आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से खेल रहे हैं. वहीं, हार्दिक पंड्या मुंबई इंडियंस की कमान संभाल रहे हैं. अब आंकड़ों के लिहाज से समझ लेते हैं दुबे और पंड्या में किसका आईपीएल 2024 में दबदबा रहा है. शिवम दुबे ने अब तक 8 आईपीएल मैचों में कुल 311 रन बनाए हैं. इस दौरान उनका उच्चतम स्कोर 66 नॉट आउट रहा है. उनका एवरेज 51.83 और स्ट्राइक रेट 169.95 का है. दुबे अब तक (23 अप्रैल) तक 22 छक्के जड़ चुके हैं, वो अपनी बिग हिटिंग क्षमता के लिए जाने जाते हैं. दूसरी ओर मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या हैं. पंड्या ने भी मौजूदा आईपीएल में अब तक दुबे के ही बराबर 8 मैच खेले हैं, पर उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से निराश किया है. पंड्या ने 8 मैचों में महज 151 रन 21.57 के एवरेज से बनाए हैं. उनका स्ट्राइक रेट 142.45 का है. हालांकि हार्दिक पंड्या के साथ एक ही एडवांटेज है, जिसमें वो शिवम दुबे से आगे दिखते हैं।

व्यापार

कारोबारी गतिविधियां अप्रैल में 14 साल के शीर्ष पर, नौकरियों में वृद्धि को मिला समर्थन

नईदिल्ली, एजेंसी। मजबूत मांग के कारण देश की कारोबारी गतिविधियां अप्रैल में लगभग 14 वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। यह मजबूत आर्थिक विकास का संकेत है। एचएसबीसी का खरीद प्रबंधक सूचकांक यानी पीएमआई अप्रैल में बढ़कर 62.2 हो गया। मार्च में यह 61.8 पर था। पीएमआई से पता चलता है कि विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में विस्तार का संकेत है। महंगाई में कमी के बावजूद रेपो दर में कटौती में देरी हो सकती है क्योंकि महंगाई में आगे बहुत गिरावट की संभावना नहीं है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि पिछली कुछ तिमाहियों में मजबूत विस्तार के बाद इस साल भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने के लिए अच्छी स्थिति में है। अगस्त 2021 से पीएमआई 50 से ऊपर रहा है। 50 से ऊपर का मतलब कारोबारी गतिविधियों में तेजी और इससे कम का मतलब कमजोरी है।

सरकारी कंस्ट्रक्शन कंपनी के पास बड़े ऑर्डर, शेयर पर टूटे निवेशक

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकारी कंस्ट्रक्शन कंपनी एनबीसीसी लिमिटेड के शेयर में मंगलवार को तूफानी तेजी दर्ज की गई। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन यह शेयर करीब 8 फीसदी चढ़ गया। कारोबार के अंत में शेयर 134.40 रुपये पर बंद हुआ। एक दिन पहले के मुकाबले शेयर 7.78 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। ट्रेडिंग के दौरान शेयर की कीमत 136.65 रुपये तक पहुंच गई। बता दें कि 5 फरवरी 2024 को शेयर 176.50 रुपये तक पहुंच गया। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। 25 अप्रैल 2023 को शेयर की कीमत 37.51 रुपये तक गिर गई। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो लेवल है। दरअसल, एनबीसीसी लिमिटेड ने स्टॉक एक्सचेंज को बिजनेस अपडेट बताया है। कंपनी ने कहा कि उसने पिछले वित्त वर्ष के दौरान 23,500 करोड़ रुपये की परियोजनाएं हासिल कीं।

टेस्ला प्लांट के लिए भारत को अभी करना होगा इंतजार

कंपनी सस्ती इलेक्ट्रिक कार बाहर से बनाकर देश में बेचेगी

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार की नई ईवी पॉलिसी के बाद टेस्ला के लिए भारतीय बाजार की राह आसान हो गई है। माना जा रहा है कि कंपनी इस साल के आखिर तक कुछ सस्ती इलेक्ट्रिक कारों के साथ भारतीय बाजार में दस्तक देगी। इस बीच, कंपनी भारत में अपना प्लांट लगाने पर भी काम कर रही है। अब टेस्ला ने कहा है कि वो इस साल के आखिर में नए और अफॉर्डेबल ई-व्हीकल बनाने के लिए अपने मौजूदा प्लांट का इस्तेमाल करेगी। ऐसे में कंपनी फ्यूचर में मैक्सिको और भारत में नए प्लाटं पर जो निवेश करने वाली है उसकी संभावना कम हो गई है।

टारगेट पूरा नहीं, फिर भी शेयर में तेजी

कंपनी ने बताया कि वो नई मैन्युफैक्चरिंग लाइन में निवेश करने से पहले 2023 से लगभग 3 मिलियन व्हीकल की अपनी मौजूदा प्रोजक्शन कैपेसिटी को 50 प्रतिशत तक बढ़ाने की योजना बना रही है। कंपनी ने बताया कि इसके चलते पहले की तुलना में लागत में कमी आ सकती है। प्लांट में निवेश करने वाले निवेशकों ने भी नई फैक्ट्रियों में नए मॉडल बनाने का जोखिम ना लेने के फैसले पर खुशी जताई। इस तिमाही नतीजों में कंपनी का फाइनेंशियल टारगेट पूरा नहीं हुआ। इसके बाद भी टेस्ला के शेयर 12 प्रतिशत तक ऊपर चले गए थे।

मॉडल 2 लॉन्च करने की योजना रद्द

इवॉल्व ईटीएफ के चीफ इनवेस्टमेंट ऑफिसर इलियट जॉनसन ने कहा, मुझे लगता है कि बाजार में नई चुनौतियों को स्वीकार करते हुए अपने मौजूदा प्लांट में सस्ते प्रोडक्ट को तैयार करना पॉजिटिव कदम है। हालांकि, कंपनी अपनी योजना के साथ आगे नहीं बढ़ रही है। रॉयटर्स ने 5 अप्रैल की एक रिपोर्ट में कहा था कि टेस्ला ने अपने सस्ती इलेक्ट्रिक कार मॉडल 2 को लॉन्च करने की योजना को रद्द कर दी है। जिसे टेस्ला ने टेक्सास, मैक्सिको और एक तीसरे देश में बनाने की योजना बनाई थी। उम्मीद की गई थी कि मॉडल 2 की कीमत 25,000 डॉलर होगी। हालांकि, रॉयटर्स की रिपोर्ट पर एलन मस्क ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि रॉयटर्स झूठ बोल रहा है।

पुराने प्लांट से ही नए व्हीकल तैयार होंगे

जनवरी में मस्क ने कहा था कि टेस्ला का लक्ष्य 2025 की दूसरी छमाही में नया सस्ता मॉडल पेश करने पर है। इस मॉडल में रिवॉल्यूशनरी मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाएगा जो टेस्ला के लिए नई राह तैयार करेगी। अब टेस्ला के इंजीनियरिंग हेड लार्स मोरावी ने मंगलवार को कहा कि नई मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस और प्रोडक्शन लाइनें कुछ रिस्क के साथ आती हैं। ऐसे में कंपनी ने कम लागत वाले व्हीकल को बेहतर बनाने के लिए अपने प्लांट की मेजर शिफ्ट में बदलाव किया है।

भारत की योजना पर फिलहाल चुप्पी

उम्मीद इस बात की थी कि मस्क सोमवार को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे। वे एक छोटे और अफॉर्डेबल मॉडल के प्रोडक्शन के लिए एक ऑटो फैक्ट्री में बड़े निवेश की घोषणा करेंगे। मस्क ने पिछले साल कहा था कि टेस्ला मैक्सिको में अपना प्लांट बनाएगी, लेकिन प्लांट कब तक तैयार होगा इस बात का फैसला अर्थव्यवस्था और ब्याज दरों पर निर्भर करेगा। टेस्ला ने मेक्सिको और भारत में अपनी योजनाओं पर अभी कोई जवाब नहीं दिया।

6,000 कर्मचारियों की होगी छंटनी

टेस्ला ने फाइनेंशियल ईयर 2024-25 की पहली तिमाही के नतीजों का ऐलान कर दिया। जनवरी से मार्च की इस तिमाही के दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट 55 प्रतिशत तक घट गया। दूसरी तरफ कंपनी ने बड़ी छंटनी का ऐलान कर दिया। कंपनी कॉस्ट कटिंग के चलते 6,000 लोगों को नौकरी से निकालने जा रही है।

गूगल ने इजरायल प्रोजेक्ट के खिलाफ धरना देने पर 20 और कर्मचारियों को निकाला

नईदिल्ली, एजेंसी। गूगल ने इजरायल प्रोजेक्ट निंबस के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन में शामिल 20 और कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया है। ये बर्खास्तगी 16 अप्रैल को न्यूयॉर्क और सनीवेल, कैलिफोर्निया में गूगल के दफ्तरों में प्रदर्शनों के बाद हुई। टेक दिग्गज ने पिछले सप्ताह भी ऐसे ही एक मामले में अपने 28 कर्मियों को नौकरी से निकाला था।

एक रिपोर्ट के अनुसार विरोध-प्रदर्शन करने के लिए निकाले गए कर्मचारियों की कुल संख्या अब लगभग 50 हो गई है। गूगल के सुरक्षा प्रमुख क्रिस रैको ने प्रदर्शनों की निंदा करते हुए कहा, यह व्यवहार अस्वीकार्य और विघटनकारी है। इससे सहकर्मियों को खतरा महसूस हुआ।

यह बर्खास्तगी अमेरिकी संस्थाओं और इजरायल सरकार के बीच सहयोग के खिलाफ व्यापक विरोध के बीच हुई है। फिलिस्तीनी समर्थक प्रदर्शनों ने परिसरों को हिलाकर रख दिया है, जबकि गूगल के धरने से एक दिन पहले कार्यकर्ताओं ने गाजा में युद्ध का विरोध करने के लिए ट्रांसपोटेशन हब को ही ब्लॉक कर दिया। एक्टिविस्ट ग्रुप नो टेक फॉर रंगभेद के प्रवक्ता जेन चुंग ने कहा, निगम असहमति को कुचलने, अपने कर्मचारियों को चुप कराने और उन पर अपने पावर फिर से जताने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ बर्खास्त कर्मचारी दर्शक भी थे, जो इस आंदोलन में शामिल नहीं थे। प्रदर्शनकारियों ने गूगल क्लाउड के सीईओ थॉमस कुरियन के दफ्तर पर 8 घंटे से अधिक समय तक कब्जा कर लिया था। इसके बाद नौ प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बाद में गूगल ने इसमें शामिल पाए गए 28 कर्मचारियों को निकाल दिया।

बंपर मुनाफे के बाद साइएंट डीएलएम के शेयर 13 प्रतिशत से अधिक उछले

नईदिल्ली, एजेंसी। साइएंट डीएलएम शेयर 687.35 पिछले बंद भाव के मुकाबले 736 पर खुले और जल्द ही बीएसई पर 13.4 प्रतिशत बढ़कर 779.55 के स्तर पर पहुंच गए। सुबह 10:10 बजे के करीब शेयर की कीमत 5.10 प्रतिशत बढ़कर 722.40 रह गई। शेयरों में तेजी की वजह कंपनी के नतीजे रहे। मार्च तिमाही में समेकित शुद्ध लाभ साल-दर-साल 80.7 प्रतिशत बढ़कर 22.7 करोड़ हो गया। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 12.6 करोड़ रुपये था। इसके बावजूद ब्रोकरेज फर्म जेएम फाइनेंशियल ने स्टॉक पर खरीदारी की सलाह बरकरार रखी, लेकिन लक्ष्य मूल्य को पहले के 925 से घटाकर 887 कर दिया। मंगलवार को बाजार बंद होने के बाद कंपनी ने कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष 24 की मार्च तिमाही के लिए उसका परिचालन से राजस्व 362 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही के 277.4 करोड़ से 30 प्रतिशत अधिक है।

पूरे वित्तीय वर्ष 2023-2024 के लिए कंपनी का राजस्व 1,192 करोड़ रहा। इसमें सालाना आधार पर 43.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि वर्ष के लिए पीएटी (टैक्स के बाद प्रॉफिट) 92.9 प्रतिशत बढ़कर 61.2 करोड़ हो गया। साइएंट शेयर की कीमत इस साल 26 फरवरी को अपने 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 882.90 पर और पिछले साल 10 जुलाई को अपने 52सप्ताह के निचले स्तर 401 पर पहुंच थी। अब 779.55 के बाजार मूल्य पर शेयर की कीमत अपने 52-सप्ताह के निचले स्तर से 94.4 प्रतिशत बढ़ गई है। ब्रोक्रेज फर्म जेएम फाइनेंशियल ने कहा कि साइएंट के तीसरी तिमाही के नतीजे मोटे तौर पर उसके अनुमान के अनुरूप थे और नए लोगो, वैश्विक टेलविंड और मूल्यवर्धित सेवाओं की बढ़ती पेशकश के कारण राजस्व पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने के कारण यह स्टॉक पर पॉजीटिव बना हुआ है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, गुरूवार, 25 अप्रैल, 2024

इन गर्मियों में आम को मत भूल जाइए!

ऋतुओं के देश भारत की विशेषता है कि यहां पर हर ऋतु के अनुकूल फल प्रकृति उपलब्ध कराती है। गर्मी में आवश्यकता के अनुरूप रसीले फलों की प्रचुरता रहती है। इन्हीं रसीले फलों के बीच सजता है फलों का राजा रसीला आम। आम आम और खास सभी का फल है।

आम का वैज्ञानिक नाम मैंजीफेरा इण्डिका एल है। आम की गणना भारत के प्रचीनतम फलों में की जाती है। इस बात का पर्याप्त प्रमाण मिलता है कि आम के विषय में लोगों को छः हजार वर्ष से इसकी उपजाई जाने वाली प्रजातियों के विषय में जानकारी थी।

भारत में आम का महत्व केवल एक स्वादिष्ट एवं स्वास्थ्यवर्धक फल के रूप में ही नहीं किया जाता अपितु प्राचीनकाल से ही आम का वृक्ष भारतीय संस्कृति, धर्म, सौंदर्य, शौक्षिक एवं आर्थिक जीवन से जुड़ा रहा है। धार्मिक ग्रंथों में आम ब्रहम का रूपांतर माना जाता है। आम की पत्तियां धार्मिक कामों, पुण्य और सरस्वती एवं शिव की पूजा अर्जना और सूखी टहनियां हवन की पवित्र अग्नि को प्रज्जवलित करने के लिए प्रयोग में लायी जाती हैं। वाल्मीकि रामायण, रामचरित मानस, महाकवि कालिदास द्वारा विरचित मेघदूत आदि अनेक धार्मिक ग्रंथो में कई स्थानों पर इसका उल्लेख मिलता है। आम के प्रदत्त महत्व का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्राचीन कलात्मक कृतियों अजंता-एलोरा की गुफाओं और बौद्धस्तम्भों में चित्रकारी में महत्व दिया गया है।

मध्यकालीन युग में भी आम की लोकप्रियता का उल्लेख मिलता है। मुगल बादशाह अकबर ने बिहार के दरभंगा में आम का एक बाग लगवाया था जिसमें एक लाख वृक्ष लगाये गये थे। वह एक लाख बाग के नाम से अभी भी जाना जाता है। आइने अकबरी नामक ग्रंथ में आम की किस्मों तथा उनके गुणों का विस्तृत वर्णन मिलता है।

आम की खेती लगभग पूरे भारत में की जाती है। उत्तर प्रदेश आम का सर्वाधिक उत्पादक प्रान्त है। भारत में सभी फलों के अंतर्गत क्षेत्रफल का लगभग 42 प्रतिशत योगदान आम का ही है। उत्तर प्रदेश का मलिहाबाद क्षेत्र आम के लिए विख्यात है। यहां के आम विदेशों के लिए भेजे जाते हैं। यह आम अमेरिका से दुबई तक जाते हैं। भारत में आम की लगभग एक हजार से भी अधिक किस्में उपजाई जाती हैं। परन्तु उत्तर प्रदेश में वर्तमान में उपजाई जाने वाली कुछ मुख्य किस्में बम्बई, लंगड़ा, गौरजीत, ब्राइड ऑफ राशा, दशहरी, सफेदा, लखनऊ सफेदा, सफेदा जौहरी (मलिहाबाद), हुस्न आरा रातौल (मध्यऋतु), समर बहिश्त, चौसा फजरी, तैमूरिया सहित कई प्रकार की किस्में हैं। आम की फसल में बनारसी लंगड़े की कहानी तो कुछ और ही है।

आम स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पौष्टिक गुणों से भी भरपूर होता है। कच्चे आम में विटामिन-सी का बाहुल्य होता है तथा पके फल में विटामिन ए प्रचुर मात्रा में होता है। आम कैल्शियम, फास्फोरस, लोहा, खनिज लवणों का एक अच्छा स्रोत है।

फल प्रसंस्करण द्वारा कच्चे तथा पक्के दोनों ही आमों को फसल के बाद खाने के लिए संरक्षित किया जाता है। कच्चे आम को सुखाकर मचूर, पना, खटाई, अचार, मुरब्बा आदि बनाया जाता है। कच्चे आम की फांकों को नमक की सहायता से संरक्षित करके न केवल देश में प्रयोग किया जाता है वरन् विदेशों तक को निर्यात किया जाता है।

पके फलों को खाने के अलावा डिब्बों में फांकों व गूदों के रूप में कैंनिंग करके जूस, नेक्टर, स्कवैश, जैम, चटनी, अमावट, सिरका, वाइन आदि बनाने में किया जाता है। आम का फल स्वास्थ्य के लिए भी बेहद फायदेमंद माना गया है।

पीले या धब्बे युक्त दांतों से कैसे निजात पाएं

चाय, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक, रैड वाइन तथा हल्दी और मसालों से भरपूर हमारे भारतीय भोजन के लम्बे समय तक सेवन की वजह से कई लोगों के दांत पीले पड़ जाते हैं या उन पर दाग-धब्बे पडने़ लगते हैं। धूम्रपान करने वाले जान लें कि नियमित धूम्रपान से दांतों के इनैमल (दांत की ऊपरी परत) पर दाग पड़ जाते हैं और मसूढ़ों को भी क्षति पहुंचती है। यदि आप सफेद दांत चाहते हैं तो आपके पास कई विकल्प हैं।

दांतों को सफेद करने वाले तत्वों से भरपूर टूथपेस्ट, जैल एवं हल्के एप्लीकेटर सरलता से उपलब्ध हैं परन्तु यदि आप अधिक सुधार चाहते हैं तो अपने डैंटिस्ट से ट्रीटमैंट ले सकते हैं। डैंटल ऑफिस प्रोसीकार्स के परिणाम तेजी से मिलते हैं जो टूथ ब्लीचिंग की सबसे सुरक्षित विधि है। मसूढ़ों तथा दांतों की संवेदनशीलता को सरलता से गाढ़े पैरोक्साइड जैल, पोटाशियम नाइट्रेट तथा फ्लोराइड डीसैंसिटाइजर के इस्तेमाल से नियंत्रित किया जा सकता है। यदि आपके दांतों की रंगत कुदरती रूप से खराब है तो आपके लिए बढ़िया उपाय बांड़िंग रेसिन्स तथा टूथ विनीर्स हैं। इन उत्पादों को आसपास के दांतों जैसी रंगत देकर दांतों को एक समान बनाया जा सकता है।

कैविटीज तथा खंडित दांत

कई लोगों के दांतों में कैविटीज हो जाती हैं जिनका उपचार भी करवाया जाता है। मुंह में मौजूद बैक्टीरिया दांतों की सतह पर एक परत तैयार करते रहते हैं। यही परत प्लाक बन जाती है जो शूगर को एसिड में बदल देती है। इससे इनैमल को क्षति पहुंचती है और दांतों में कैविटीज बन जाती हैं। दांतों को और नुक्सान पहुंचने से बचाने के लिए डैंटिस्ट प्लाक को हटा देते हैं और कैविटी वाली जगह पर फिलिंग कर देते हैं।

अगर आप दांतों में कई सारी कैविटीज भरवा चुके हैं तो हो सकता है कि अब तक आपका मुंह धातु से भर चुका हो क्योंकि पहले अधिकतर डैंटिस्ट्स चांदी या सोने को फिलिंग के लिए इस्तेमाल किया करते थे। धातु की इन फिलिंग्स का एक नुक्सान है कि ये सफेद दांतों के बीच साफ दिखाई देते हैं। अच्छी बात है कि अब कम्पोजिट, सैरेमिक तथा एक्रेलिक फिलिंग मैटीरियल आने लगे हैं जो देखने में अच्छे लगते हैं। कम्पोजिट रेसिन्स का इस्तेमाल कटे-फटे दांतों के इलाज में बांड़िंग मैटीरियल के तौर पर होता है। सैरेमिक का इस्तेमाल टूथ क्राऊन प्रोडक्शन के लिए किया जाता है क्योंकि यह आसानी से टूटता नहीं है। क्राऊन्स उन दांतों के लिए जरूरी हैं जिन्हें गम्भीर क्षति पहुंची हो।

टेढ़े-मेढ़े एवं अंतर वाले दांत

कितना भी आप दांतों का ख्याल रखें। बढ़ती उम्र के साथ दांत अपनी जगह से हिलने लगते हैं। दांत टेढ़े-मेढ़े हों या उनमें अंतर होने से मुस्कराहट अच्छी नहीं लगती। ऐसे दांतों के इलाज में बांड़िंग का इस्तेमाल करके खाली जगह को भरा जा सकता है या असमान दांतों को एक समान बना कर मुस्कराहट को सुंदर बनाया जा सकता है। इसके लिए पोर्सेलिन विनीर का भी प्रयोग किया जाता है।

कई लोग उभरे दांतों को सीधा करने के लिए ब्रेसस लगवाते थे। पुराने ब्रेसस आज भी आर्थोडोंटिस्ट्स एवं डैटिंस्ट्स के पास मिल जाते हैं परन्तु अब यही ब्रेसिस कई तरह के रंगों तथा पारदर्शी भी आते हैं। दांतों को सीधा करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सबसे नए ब्रेसिस को दांतों के अंदर की तरफ पहना जा सकता है। अब ऐसी एक्रिलिक ट्रे भी आती हैं जो दांतों को धीरे-धीरे सीधा कर देती हैं। इन्हें उस समय पहना जा सकता है जब आप अपने दैनिक कामों में व्यस्त न हों।

क्षय होते या टूटे दांत

यदि आपके दांत इस कदर खराब हो चुके हैं कि उनका इलाज सम्भव नहीं है तो भी आपके पास विकल्प हैं। टूटे दांत या अत्यधिक क्षतिग्रस्त दांतों के स्थान पर नकली दांत या डैंचर्स लगवाए जा सकते हैं। यदि आपके दांतों की खराबी मसूढ़ों तक पहुंच चुकी है तो आपके लिए नकली दांत ही स्थायी हल साबित होंगे जो देखने में भी बेहद सुंदर होते हैं।

डैंचर्स अधिक किफायती हैं तथा इन दिनों इम्प्लांट का सहारा देकर उन्हें अधिक आरामदेह बनाया जा सकता है।

ये हैं दांतों के लिए बढ़िया

पनीर – पनीर थूक के स्राव को बढ़ाता है और इसे एक एंटी कैविटी एजैंट कहा जा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार पनीर प्लॉक एसिड को न्यूट्रलाइज करने में भी सहायता करता है।

सेब – फाइबर से भरपूर यह फल आपके दांतों के लिए एक प्राकृतिक क्लींजर का काम करता है। साथ ही यह शूगर के प्रभावों को कम करने में भी सहायक होता है क्योंकि इसमें जल की मात्रा अधिक होती है।

गाजर –यह विटामिन ए का सर्वश्रेष्ठ स्रोत है। यह दांतों पर एनेमल के निर्माण में सहायता करती है और इस तरह दांतों को स्टेनिंग तथा सैंसिटिविटी से बचाती है।

दूध –शूगर स्वीटन्ड फूड्स के सेवन के बाद एक गिलास दूध पीने से मुंह में एसिड के स्तर को कम किया जा सकता है। इसमें कैल्शियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो बढ़ते बच्चों के दांतों को ताकतवर बनाने में सहायता करता है। प्लॉक बैक्टीरिया द्वारा पैदा किए जाने वाले एसिड को न्यूट्रलाइज करने में भी दूध बहुत सहायक है परन्तु दूध पीने के बाद अपने मुंह को अच्छी तरह साफ करना बहुत जरूरी है।

खुशबू से उपचार करने की पद्धति एरोमाथेरेपी

अक्सर तकलीफ देह बीमारियों का उपचार भी तकलीफदेह ढंग से होता है पर ऐरोमाथेरेपी आपको सुई और कड़वी दवाइयों के झंझट से निजात दिला सकती है। ऐरोमा का अर्थ है खुशबू तथा थेरेपी से अभिप्राय उपचार से है। ऐरोमाथेरेपी उपचार की वह पद्धति है जिसमें खुशबू के द्वारा अनेक बीमारियों का निदान संभव है।

ऐरोमाथेरेपी जड़ी-बूटियों व पौधों की उपचार पद्धति है। इसमें रोगों के निदान के लिए पौधों के तनों, जड़ों, फूलों, पत्तों आदि से निकाले गए अर्क जिसे ऐसेन्शियल आयल कहते हैं का प्रयोग किया जाता है। सभी प्रकार की त्वचा और बालों में प्रयोग हो सकने वाले ये तेल बिल्कुल चिपचिपे नहीं होते।

ऐसेन्शियल आयल्स का प्रयोग व्यवसायों में भी होता है। लगभग तीन सौ किस्म के ऐसेन्शियल आयल्स को त्वचा संबंधी या अन्य उत्पाद बनाने वाले उद्योगों में इस्तेमाल किया जाता है। घार पर ही छोटी मोटी बीमारियों के निदान के लिए दस-पन्द्रह प्रकार के तेल ही मुख्य होते हैं। प्रत्येक ऐसिन्शियल आयल की खुशबू का अहसास ही इलाज होता है। प्रत्येक खुशबू से सीधे हमारा मस्तिष्क प्रभावित होता है, हर तेल में एक विशेष प्रकार की उपचारिक शक्ति होती है, जिसके द्वारा पूर्ण रूप से पवित्र व प्राकृतिक उपचार होता है।

घर में प्रयोग किए जा सकने वाले तेल विभिन्न प्रकार से इस्तेमाल किए जा सकते हैं जैसे मालिश में, नहाने के पानी में या भाप के पानी में आदि। शरीर से दूषित पदार्थों के निष्कासन में ये तेल बहुत उपयोगी होते हैं जैसे एंटीसेप्टिक, एंटीबैक्टिरयिल, एंटीफंगस, एंटी न्यूरालाजिक, एंटी डिपरेसेन्ट, रक्टी, रूमेटिक, डियोडराइजिंग आदि।

ऐसेन्शियल आयल को भाप विधि के द्वारा निकाला जाता है। जैसे लैवे.डर के लगभग एक सौ किलो पौधे से लगभग तीन किलो तेल प्राप्त किया जा सकता है। इसी प्रकार लगभग साठ हजार गुलाब के फूलों से प्राप्त तेल लगभग एक आऊंस होगा। इन ऐसेन्शियल तेलों का प्रयोग सदैव बेस आयल के साथ मिलाकर किया जाता है, विभिन्न प्रकार के तेलों को बेस आयल के रूप में लिया जा सकता है जैसे वेजीटेबल आयल, ऐप्रीकाट आयल मीठा बादाम तेल आदि। ऐसोन्शियल आयल की मात्रा के अनुसार बेस आयल की मात्रा भी बदलती रहती है। जैसे 1 बूंद ऐसेन्शियन आयल में एक मिली बेस आयल, चार से दस बूंद में दस मिली बेस आयल और छह से पन्द्रह बूंद में पन्द्रह मिली बेस आयल का प्रयोग किया जाता है। मालिश और ऐरोमाथेरेपी में घनिष्ठ संबंध है। त्वचा द्वारा ऐसेन्शियल आयल के शीघ्र अवशोषण हेतु मसाज बहुत जरूरी है चूंकि एक्यूप्रेशर व रिफ्लेक्सीलॉजी का भी ऐरोमाथेरेपी से संबंध है, इसलिए मालिश करते समय बिन्दुओं के महत्व को नकारा नहीं जा सकता।

हमारी रोजमर्रा की जिन्दगी में अनेक ऐसी छोटी-छोटी बीमारियां होती हैं, जिनके समाधान के लिए ऐरोमाथेरेपी उपयोगी साबित हो सकती है। जैसे- पेट के ऊपरी भाग में दर्द की स्थिति में तीन बूंदें पिपरमेन्ट आयल, दो बूंदें क्लोव आयल तथा एक बूंद यूकेलिप्टस आयल के मिश्रण में एक चम्मच वेजीटेबल आयल मिलाकर मालिश करने से लाभ होता है। दर्द यदि पेट के निचले हिस्से में हो तो दो बूंद जिरेनियम आयल, दो बूंद रोजमेरी आयल व एक बूंद जिंजर आयल में एक चम्मच वेजीटेबल आयल डालकर दर्द वाले भाग पर हल्के हाथ की मालिश की जा सकती है। गर्मियों में नकसीर फूटना या नाक से खून आना एक आम समस्या है। इसके लिए पीठ के बल सीधे लेट जाएं और एक टिशु पेपर पर एक बूंद साइप्रस आयल, एक बूंद लेवेन्डर आयल, दो बूंद लेमन आयल व एक बूंद रोज आयल डालकर सूंघने से राहत मिलेगी। छोटे-मोटे साधारण घाव व फोड़े फुन्सियों के उपचार के लिए दो बूंद लैवेन्डर आयल, एक बूंद कैमोमाइल आयल व एक बूंद टी ट्री आयल के मिश्रण को एक कप गुनगने पानी में मिला कर दिन में दो बार घाव को धोएं। घाव या फुन्सी को धूल-मिट्टी से जरूर बचाएं।

गुदा का फिशर होने पर दो लीटर गुनगुने पानी में पांच बूंदें लेवेण्डर, दो बूंदें जिरोनियम व दो बूंदें लेमन आयल डालकर गुदा वाले भाग को धोएं। उसके बाद ये सभी ऐसेन्शियल आयल ऐलीवीराजेल में मिलाकर प्रभावित भाग के चारों ओर मालिश करें। घर में भारी सामान उठाते समय, नृत्य या व्यायाम करते समय हाथ या पैरों की मांसपेशियां खिंच जाने से हाथ या पैर में मोच आ सकती है। ऐसी स्थिति में किसी भी बेस आयल की तीस मि0ग्रा0 मात्रा लेकर उसमें पांच बूंद ब्लैक पेपर आयल, पन्द्रह बूंद यूकेलिप्टस आयल, पांच बूंद जिंजर आयल व नट मेग आयल मिलाकर दिन में तीन बार मालिश करें।

भांग से पड़ सकता है पुरुषों की प्रजनन क्षमता पर असर

अपने तरह के एक बड़े अध्ययन में दावा किया गया है कि भांग का सेवन करने वाले पुरुषों की प्रजनन क्षमता पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है क्योंकि इससे उनके शुक्राणुओं का आकार प्रभावित होता है।

शैफील्ड और मैनचेस्टर विश्वविद्यालयों के एक अनुसंधान दल ने यह पता लगाने की कोशिश की कि जीवनशैली से जुड़े कारक शुक्राणुओं के आकार को किस तरह प्रभावित करते हैं।

उन्होंने पाया कि गर्मी के महीनों में स्खलित वीर्य के शुक्राणुओं का आकार अच्छा नहीं था लेकिन जिन पुरुषों की यौन गतिविधि 6 दिन से अधिक समय बाद हुई, उनके शुक्राणुओं का आकार बेहतर था। स्मोकिंग, शराब पीने और नशीले पदार्थों के सेवन का भी असर शुक्राणुओं पर देखा गया। ब्रिटेन के करीब 14 प्रजनन केंद्रों में आए 2,249 लोगों से बातचीत के आधार पर किए गए इस अध्ययन के नतीजे ह्यूमन रीप्रॉडक्शन जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। शैफील्ड विश्वविद्यालय में एंड्रोलॉजी विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉक्टर एलन पेसी ने कहा, हमारे आंकड़े सुझाव देते हैं कि भांग का सेवन करने वाले अगर परिवार शुरू करने की योजना बना रहे हैं तो उनको इसका उपयोग बंद कर देना चाहिए। प्रयोगशाला में किए गए अध्ययन से पता चलता है कि असामान्य आकार की वजह से शुक्राणु कम असरदार हो जाते हैं।

गर्मी में तरावट देने वाला सेहतमंद फल संतरा

मीठा रस भरा संतरा बच्चों को ही नहीं बड़ों को भी अच्छा लगता है। इसका वानस्पतिक नाम चित्तुस रेतिकुलाता ब्लेंकों है। यह आरेकासी परिवार का सदस्य है। संतरे का वृक्ष मध्यम आकार का झाड़ीनुमा तथा कांटेदार वृक्ष होता है। यह उष्ण कटिबंधीय वातावरण में उगता है। इसके पत्ते, छोटे, गोल-बेलनाकार तथा छोटे डंठलवाले होते हैं। कच्चा फल हरा होता है जबकि पकने पर पीला, नारंगी, मीठा एवं रसवाला हो जाता है। इसका फल एक चिकने व सख्त छिलके के अंदर सुरक्षित रहता है। रस और गूदा विभिन्न फाड़ियों के रूप में पतली सी झिल्ली में होता है।

यों तो संतरा एक मौसमी फल है परन्तु यह सारे देश में आसानी से उपलब्ध हो जाता है। इसकी पैदावार नागपुर, असम में सिलहट और उत्तर प्रदेश के पहाड़ी भागों में अधिक होती है। नागपुर का संतरा अपने स्वाद के लिए बहुत प्रसिद्ध है। कृषि वैज्ञानिकों ने इसकी विभिन्न किस्में पैदा करके इसे विभिन्न जलवायु के अनुकूल बना लिया है।

संतरा बहुत उपयोगी फल है। गर्मी में तो इसकी उपयोगिता बहुत बढ़ जाती है क्योंकि इससे उष्णता शांत होती है। आयुर्वेद के अनुसार संतरा वातनाशक, तृषाशामक, दाह, ज्वर एवं हृदय विकार को दूर करने वाला होता है। यह मुंह की दुर्गंध दूर करता है। इससे कब्ज भी दूर होती है। इसमें लगभग 87.4 प्रतिशत पानी, 10.5 प्रतिशत कार्बिनक पदार्थ, 0.1 प्रतिशत प्रोटीन और 0.3 प्रतिशत वसा होता है। यह फल विटामिन सी का भंडार होता है।

गर्मियों में बार-बार प्यास लगने पर पके संतरे का ताजा फाड़ियों को चूसने से प्यास शांत होती है। जी मिचलाने और उल्टी होने पर भी संतरे की ताजा फाड़ियों को चूसना लाभकर होता है। बुखार में जब रोगी को बेचैनी होती है, बार-बार प्यास लगती है, मुंह सूख जाता है तो रोगी को मीठे संतरे की फाड़ियों चूसने को दें। इससे रोगी तृप्त एवं शांत होता है। बुखार एवं खांसी में आराम के लिए मीठे संतरे के गूदे में शक्कर या चीनी डालकर गर्म करके रोगी को खिलाएं। परन्तु ध्यान रखें कि संतरा मीठा ही हो क्योंकि खट्टे संतरे के ज्यादा सेवन से कफ विकार हो जाता है।

पायरिया के कारण यदि मसूढ़े फूल जाएं तथा उनमें सड़न के कारण दुर्गंध व रक्त आने लगे तो रोगी को प्रतिदिन संतरे का ताजा रस दिया जाना चाहिए। साथ ही संतरे के छिलकों को बारीक पीसकर दंत मंजन में मिला लें फिर इस मंजन से धीरे-धीरे मसूढ़ों की मालिश करें। इससे रोगी को लाभ होगा।

छोटे शिशुओं को यदि ताजा संतरे का रस थोड़ी मात्रा में नियमित रूप से पिलाया जाए तो उनका शरीर तंदुरुस्त रहता है तथा रक्त शुद्ध रहता है। इससे उनकी हड्डियां मजबूत होती हैं तथा उनका पूर्ण विकास होता है। खाज-खुजली होने पर भी संतरे का रस पीने से राहत मिलती है। साथ ही प्रभावित स्थान पर ताजा संतरे का छिलका रगड़ना चाहिए। इसके छिलके से आंखें भी साफ हो जाती हैं।

गर्भवती महिलाओं को प्रतिदिन संतरे का सेवन करना चाहिए इससे मां तथा गर्भस्थ शिशु दोनों का स्वास्थ्य अच्छा रहता है। गर्भवती महिलाओं को होने वाले वमन तथा अतिसार के लिए संतरे के छिलके के चूर्ण की कुछ मात्रा देकर संतरे का रस पिलाएं।

यदि शिशुओं के पेट में कृमि हो जाएं तो संतरे के छिलकों को चार कप पानी में चौथाई शेष रहने तक उबालें, फिर छान कर उसमें थोड़ी सी हींग मिलाकर एक चम्मच शिशु को नियमित रूप से सुबह-शाम पिलाएं। इससे पेट के कृमि शीघ्र ही नष्ट हो जाएंगे। प्रतिदिन प्रातःकाल निराहार एक-दो रसीले संतरे खाने से मंदाग्नि की शिकायत दूर होती है।

हिन्दी दैनिक राष्ट्रीय मुख्यधारा अख़बार भी, आन्दोलन भी

मैं मुंबई छोड़ने ही वाली थी, जब मीठा खट्टा प्यार हमारा का ऑफर आया

एक्ट्रेस आर्ची सचदेवा टीवी शो मीठा खट्टा प्यार हमारा में सांची का किरदार निभाती नजर आएंगी। उन्होंने कहा कि यह किरदार निभाना उनकी किस्मत में था। एक्ट्रेस मुंबई छोड़ने वाली थी, जब उन्हें सांची का रोल ऑफर हुआ। आर्ची ने बताया मैं मीठा खट्टा प्यार हमारा का हिस्सा बनकर बेहद एक्साइटेड हूं। जब मैं जनवरी में मुंबई पहुंची, तो मैंने सांची के किरदार के लिए नहीं, बल्कि किसी दूसरे रोल के लिए ऑडिशन दिया। कई ऑडिशन के बावजूद, चीजें उम्मीद के मुताबिक नहीं रहीं और मैंने मुंबई छोड़ने का फैसला किया। एक्ट्रेस ने आगे कहा, किस्मत मेरे साथ थी, और मुझे सांची के रोल के लिए चुना गया था, और शायद यह किरदार निभाना मेरी किस्मत में था। सांची मॉडर्न और स्मार्ट लड़की है, वह वही हासिल करना चाहती है जिस पर उसने अपना दिल और नजरें जमा रखी हैं। मीठा खट्टा प्यार हमारा में प्रेरणा सिंह और अविनाश मिश्रा भी हैं।

द लीजेंड ऑफ हनुमान में रावण की आवाज बने शरद केलकर

हनुमान जयंती के अवसर पर द लीजेंड ऑफ हनुमान के निर्माताओं ने इसके चौथे सीजन की घोषणा की। शो में रावण की आवाज देने वाले अभिनेता शरद केलकर ने कहा कि यह यात्रा उनके लिए बेहद निजी रही है। शरद ने कहा, द लीजेंड ऑफ हनुमान के नए सीजन में राक्षस रावण को आवाज देना मेरे लिए बेहद अलग जर्नी रही है। यह शो पौराणिक कथाओं पर आधारित है और इसके माध्यम से मैंने खुद कई स्तर की कहानियों की खोज की है, जिसने मुझे और अधिक जानने के लिए प्रेरित किया है। एक्टर ने आगे कहा, मेरा मानना है कि हमारे दर्शकों को भी वैसा ही महसूस हुआ जैसा उन्होंने हमें लगातार समर्थन दिखाया है। मैं डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर द लीजेंड ऑफ हनुमान के नए सीजन के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने का इंतजार नहीं कर सकता। ग्राफिक इंडिया के सह–संस्थापक और सीईओ और नए सीज़न के निर्माता और कार्यकारी निर्माता शरद देवराजन ने कहा, भगवान हनुमान की वीरता दुनिया के लिए बहुत मायने रखती है, और लाखों लोगों द्वारा पसंद की जाने वाली इस कालजयी किंवदंती के चित्रण में उस ताकत को साझा करना हमारा व्यक्तिगत मिशन रहा है।

मधुमति की निर्माण कथा

धर्मेंद्र नाथ ओझा

मार्च 1955, मुम्बई के मोहन स्टूडियो में बिमल रॉय फिल्म देवदास की शूटिंग कर रहे हैं। देवदास और चंद्रमुखी का दृश्य फिल्माया जा रहा है। दिलीप कुमार और बैजयंती माला फ्रेम में है। तभी बिखरे बाल और मोटे फ्रेम का चश्मा पहने एक दुबले पतले शख़्स के साथ म्यूजिक डायरेक्टर सलिल चौधरी नमूदार होते हैं।

टेक होने के बाद लंच ब्रेक होता है। बिमल रॉय सलिल के साथ आए उस शख़्स का स्वागत करते हैं। स्टूडियो की पहली मंज़िल पर खाना लगाया जाता है। वहाँ कुर्सी पे बिमल रॉय, हृषिकेश मुखर्जी, दिलीप कुमार, बैजयंती माला, राजिन्दर सिंह बेदी, सलिल चौधरी और वो दुबला पतला शख़्स एक साथ बैठते हैं। वो शख़्स कहानी सुनाना शुरू करता है। कहानी सुनते हुए बिमल रॉय की नज़र बार बार दिलीप कुमार और बैजयंती माला पर जाती है। कहानी ख़त्म होने के बाद सारे लोग उस शख़्स की कहानी की तारीफ़ करते हैं। बिमल दा कहते हैं आप इसके स्क्रीनप्ले पर काम करना शुरू करो। मैं इस फिल्म के लीड रोल में यूसुफ और बैजयंती को ही देख रहा हूँ। वो दुबला पतला लेखक का नाम होता है ऋत्विक घटक और वो कहानी है फिल्म मधुमति की। बिमल दा उसी समय घटक को तीन सौ रुपया एडवांस थमाते हैं। चूंकि राजिन्दर सिंह बेदी फिल्म देवदास का डायलॉग कर रहे हैं उन्हें मधुमति का संवाद लिखने की जिम्मेवारी भी दे दी जाती है।

बिमल रॉय को पुनर्जन्म की कहानी का आइडिया उस वक़्त आता है जब वे कुछ साल पहले बॉम्बे टॉकीज की फिल्म माँ का निर्देशन कर रहे हैं। बॉम्बे टॉकीज का बॉस अभिनेता अशोक कुमार उनसे कहते हैं कि हमारी स्टूडियो की एक फिल्म की एडिटिंग आपको करनी होगी क्योंकि वहाँ कुछ पेच फंस गया है। बिमल रॉय को जिस फिल्म की एडिटिंग का कार्यभार सौंपा जाता है उस फिल्म का नाम है महल। अशोक कुमार और मधुबाला की इस फिल्म की कहानी पुनर्जन्म पर आधारित है। इस फिल्म का सम्पादन करते हुए बिमल दा को पुनर्जन्म की कहानी पर फिल्म बनाने का आईडिया आता है। ऋत्विक घटक की कहानी उनके उस सपने को पूरा करने जा रही है।

बिमल दा मधुमति का फिल्मांकन लोनावला और महाबलेश्वर में नहीं करना चाहते हैं। कहानी सुनते ही उन्हें कुमायूं की घाटियां, पहाड़ियां और नदियां आवाज़ देकर बुलाने लगती है। वह अक्सर कुमायूं जाया करते हैं। मुक्तेश्वर में उनकी बड़ी बहन ज्योत्सना सेन रहा करती है। मुक्तेश्वर की यात्रा के दौरान की आँखों देखी घाटियां, कुमायूँ की वादियां और वहाँ की जादुई तस्वीरें उनके ज़ेहन में आज भी तरोताज़ा है।

बिमल दा अपने प्रोडक्शन हेड प्रेमजी, कैमरामैन दिलीप गुप्ता और म्यूजिक डायरेक्टर सलिल चौधरी को लेकर नैनीताल पहुँचते हैं। भुआली के रास्ते पहाड़ी से नज़र आ रही बहती कोशी नदी एक लम्बी चांदी के रिबन की मानिंद प्रतीत हो रही है। पंछियों के मधुर गीत सुनकर सलिल चौधरी गुनगुनाने लगते हैं। वह बिमल दा से कहते हैं कि दादा, मधुमति की रहस्यमयी दुनिया यहीं है। इतना सुंदर और वर्जिन लोकेशन दर्शक पहली बार आपकी फिल्म में देखेंगे। अच्छा किया जो आपने मुझे ये खूबसूरत नज़ारा दिखा दिया। यकीन मानिए मेरे संगीत में भी आपको यहीं जादू मिलेगा। सिगरेट पीते हुए बिमल दा मुस्कुरा भर देते हैं। भुआली में स्थित रामपुर के नवाब की हवेली को उग्रनारायन (प्राण) की हवेली के लिए चुना जाता है। घोड़ाखाल में रामपुर के नवाब का समर पैलेस में दिलीप कुमार के ऑफिस और घर का लोकेशन फाइनल किया जाता है।

बम्बई लौटने के बाद, बिमल रॉय जब अपने फाइनेन्सर और वितरक से मीटिंग करते हैं तो फिल्म का बजट 15 लाख रखा जाता है। लेकिन वितरक सलिल चौधरी के नाम पर ऐतराज़ करते हैं। बिराज बहू के बाद सलिल दा की छह फिल्में लाइन से फ्लॉप हुई है। बिमल दा के कान में उड़ती हुई अफ़वाह यह भी आती है कि दिलीप कुमार भी नहीं चाहते कि सलिल चौधरी मधुमति का संगीत दे। लेकिन बिमल रॉय फ़ैसला करते हैं कि मधुमति का संगीत और गीत सलिल चौधरी और शैलेन्द्र ही करेंगे फिर दबी ज़ुबान विरोध करनेवाले चुप्पी ओढ़ लेते हैं।

सलिल चौधरी और शैलेन्द्र गाड़ी से खंडाला जा रहे हैं। खंडाला की ऊंची घाट पर दोनों चढ़ जाते हैं। बादलों के कई टुकड़े सह्याद्री पहाड़ियों पे उतर आए हैं। अचानक सलिल दा को आवाज़ सुनाई देती है उर्रर्रर्रर्रर्रर्रर्र....। वे दोनों देखते हैं कि एक चरवाहा अपने पशुओं को हांकते हुए बार बार उर्रर्रर्रर्रर्रर्रर्र की आवाज़ लगा रहा है। सलिल दा उसकी आवाज़ सुनते एक ट्यून बनाते हुए एक धुन गुनगुनाते हैं और शैलेंद्र को मुखड़ा के लिए कुछ शब्द जोड़ने को कहते हैं। शैलेन्द्र उनका ट्यून सुनते बोल पड़ते हैं " सुहाना सफ़र और ये मौसम हंसी, हमें डर है हम खो न जाए कहीं..."

इस गीत की रिकॉर्डिंग के पहले बिमल दा, शैलेन्द्र और सलिल दा एक साथ बैठते हैं। गीत सुनते बिमल दा के ख़्याल में पहाड़ों की तस्वीरें और ध्वनियाँ तैरने लगती है। वे कुमायूँ की पहाड़ियों और घाटियों की कई ध्वनियाँ जोड़ने पर विचार करते हैं। साउंड डिजाइन में बांसुरी, पंछियों की चहचहाहट, पहाड़ से गिरते झरने की ध्वनि के साथ 'ओ ओ... ओहो ओहोहो' ध्वनि की प्रतिध्वनि को शामिल किया जाता है। ओहो ओहोहो की प्रतिध्वनि के बाद शैलेन्द्र आख़िरी अंतरा लिखते हैं "वो आसमान झुक रहा है ज़मी पर, ये मिलन हमने देखा यही पर'".....

इस गीत को गाने के लिए तलत महमूद को बुलाया जाता है। उसी समय बिमल दा दूसरे प्रोड्यूसर सावक वाचा की फिल्म यहूदी का निर्देशन कर रहे हैं जिसमें एक गीत मुकेश से गवाया जाता है। जब मुकेश को मालूम होता है कि बिमल दा मधुमति नाम से कोई फिल्म बना रहे हैं फिर वह बिमल दा और संगीतकार सलिल दा से मिलते हैं कि मैं भी इस फिल्म में गाना चाहता हूँ। मुझे ज़रूर याद कीजिए। लेकिन सलिल दा पहले ही तलत महमूद को फाइनल कर चुके हैं। जब तलत महमूद को पता चलता है कि मुकेश इस फिल्म में गाने के लिए निर्देशक और संगीतकार से दो तीन बार मिल चुके हैं फिर तलत ख़ुद सलिल दा से कहते हैं कि ये गीत आप मुकेश से ही गवाओ। तलत को पता है कि फिल्म श्री 420 के बाद मुकेश का कोई गीत हिट नहीं हुआ है। वह आर्थिक संकट से गुज़र रहे हैं। तलत के कहने के बाद मुकेश से 'सुहाना सफ़र और ये मौसम हंसी' गवाया जाता है। कमाल की बात यह है कि 1958 में बिमल राय की फिल्म यहूदी का गाना ये मेरा दीवानापन है और मधुमति का गीत सुहाना सफ़र इतना हिट होता है कि मुकेश गायक के रूप में ज़बरदस्त वापसी करते हैं।

मधुमति का लोकप्रिय गीत 'दैया रे दैया चढ़ गयो पापी बिछुआ' में सलिल दा लोकधुन के साथ बहुत होशियारी से मोज़ार्टियन शैली का इस्तेमाल करते हैं। एकल कलाकार और कोरस जो मोज़ार्ट संगीत में दोहराया जाता है उसे इस गीत में खूबसूरत ढंग से पिरोते हैं। इस गाने में बैजयंती माला अदभुत पहाड़ी घसियारी नृत्य प्रस्तुत करती है।

प्रतिष्ठित हॉलीवुड का कॉस्ट्यूम डिज़ाइनर एडिथ हेड ने कहा है "आप घोड़े को पानी तक ले जा सकते हैं और उसे ज़बरदस्ती पानी भी पिला सकते हैं लेकिन अभिनेत्रियों को वह नहीं पहना सकते जो वे नहीं पहनना चाहतीं।"

बिमल राय प्रोडक्शन के पास कोई नामी कॉस्ट्यूम डिज़ाइनर नहीं है। मधुमति के कला निर्देशक सुधेन्दु राय सारे किरदार के कॉस्ट्यूम का रेखाचित्र बनाते हैं। यहीं सुधेन्दु रॉय आगे जाकर टैगोर की कहानी पर जया बच्चन को लेकर फिल्म उपहार और अमिताभ बच्चन व नूतन की फिल्म सौदागर का निर्देशन करते हैं।

मधुमति में पोशाकवाला किशन दामनिया सारे कॉस्ट्यूम बनाने का काम शुरू करता है। लेकिन बैजयंती माला अपना कॉस्ट्यूम किशन दामनिया से बनवाना नहीं चाहती है। बैजयंती की दादी यदुगिरी देवी मधुमति के किरदार का कॉस्ट्यूम बनाने की जिम्मेवारी लेती है। कला निर्देशक से उनकी दो तीन बैठकों में बातचीत होती है। लहँगा के लिए मैरून, भूरा और बेज रंग का चुनाव किया जाता है।

कुमाऊँ की पारम्परिक कॉस्ट्यूम को ध्यान में रखकर यदुगिरी देवी अच्छे और कीमती कपड़े मुम्बई के हैंडलूम से खरीदती है और खूबसूरत परिधान तैयार करती है। बैजयंती माला कुमायूँ की औरतों की तरह अपना निजी चांदी के जेवर पहनती है जो फिल्म में विश्वसनीय लगता है। दिलीप कुमार के लिए उनके पसंदीदा मेन्सवियर स्टोर से कपड़े मंगाए जाते हैं।

पूरी यूनिट आऊटडोर शूट के लिए नैनीताल पहुँचती है। भुआली और घोड़ाखाल में जब शूटिंग शुरू होती है तो पिन से लेकर दूध, पेट्रोल हर चीज़ के लिए यूनिट के प्रोडक्शन हेड प्रेमजी को पहाड़ी से नीचे भागना पड़ता है। उनकी मेहनत देखकर दिलीप कुमार इतना प्रभावित होते हैं कि अपनी फिल्म गंगा जमुना में उनको प्रोडक्शन कंट्रोलर रख लेते हैं। यहीं प्रेमजी बाद में बतौर प्रोड्यूसर फिल्म मेरा साया, राजेश खन्ना की फिल्म दुश्मन, अमिताभ बच्चन की फिल्म मजबूर, ईमान धरम और गुलज़ार की फिल्म मीरा का निर्माण करते हैं।

भुआली में रामपुर नवाब की हवेली के बाहर कई सीन शूट होते हैं लेकिन छत की सीलिंग छोटी होने की वजह से हवेली के अंदर सारी शूटिंग नहीं हो पाती। बाकी इनडोर शूटिंग मुम्बई के मोहन स्टूडियो में सेट लगाकर पूरी की जाती है। नवाब की हवेली में ही आज भुआली सैनोटोरिअम (टी बी आरोग्यालय) स्थित है।

भुआली के पास घोड़ाखाल में नवाब स्टेट हाऊस के लॉन में भीड़ है। कैमरा, साउंड मशीन और रिफ्लेक्टर लगे हुए हैं।

तभी दो गाडियाँ आकर रुकती है। अंगुलियों में जलती सिगरेट फंसाए एक गाड़ी से बिमल रॉय उतरते हैं। पीछे वाली गाड़ी से औरेंज चेक शर्ट और डार्क ब्राउन कलर के पैंट पहने दिलीप कुमार उतरते हैं। समर हाऊस के मैनेजर उनका स्वागत करता है। लोगों की भीड़ दिलीप कुमार की एक झलक पाने के लिए धक्कामुक्की करने लगती है। बिमल दा कैमरा के पीछे जाके फ्रेम देखते हैं और फिर समर हाऊस के मैनेजर से आके पूछते हैं कि धोती मिल सकती है क्या ? वहाँ सारे मुस्लिम मुलाजिम शेरवानी और कोट पहनने वाले धोती कहाँ से लाते। दिलीप कुमार इस मुश्किल का हल निकालते हुए कहते हैं

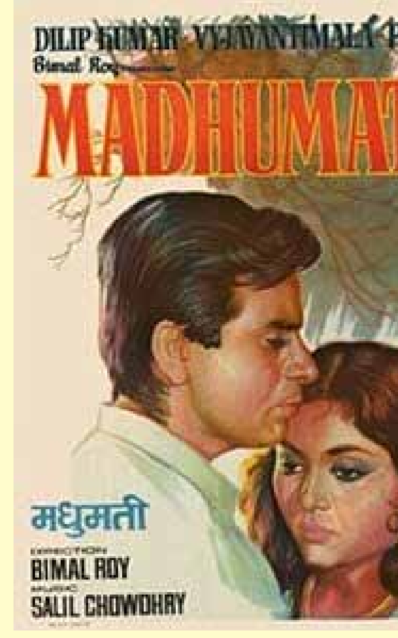

बिमल दा का मतलब कोई चादर मिलेगा क्या ? मैनेजर सफेद चादर मंगवाता है। कैमरा डिपार्टमेंट उस चादर का इस्तेमाल रिफ्लेक्टर के लिए करता है।

दिलीप कुमार ऊपर का शर्ट बदलकर, गर्दन से स्वेटर लपेटे और कंधे पे झोला लटकाए आते हैं। शूटिंग शुरू होती है। समर हाऊस के सामने खड़े बड़े बड़े पेड़ों के बीच गुजरते हुए दिलीप कुमार गाते हैं " सुहाना सफ़र और ये मौसम हँसी"...।

आज उसी समर पैलेस में घोड़ाखाल सैनिक स्कूल चल रहा है।

भीमताल के पास बैजयंती माला के गाने की शूटिंग शुरू होती है " आ जा रेsss ...परदेसी"...कुमाऊँ की लहंगा पहने पहाड़ी ढलान से तेज़ी से उतरते हुए वह हर बार लड़खड़ा जाती है। बिमल दा को बार बार कट बोलना पड़ता है। उनको समझ में आ जाता है कि पहाड़ी पगडंडी पर बैजयंती तेज़ कदमों से भाग नहीं सकती। अभी पूरी शूटिंग बाकी है। बिमल दा तनाव में आ जाते हैं।

इसका समाधान यह निकाला जाता है कि पहाड़ी पगडंडियों पर भागने दौड़ने का काम किसी डुप्लीकेट से कराया जाए।

जूनियर आर्टिस्ट के लिए कुमाऊँ की जिन महिलाओं को चुना गया है उन सबको बिमल दा के सामने लाया जाता है। उन महिलाओं की भीड़ में एक औरत पर बिमल दा की निगाह जाती है। जिसका कद काठी, शारीरिक बनावट बैजयंती माला से बहुत मिलती जुलती है उसे मधुमति का कॉस्ट्यूम पहनाया जाता है। साइड और पीछे से वो हू ब हू मधुमति लग रही है। उस औरत का नाम यशोदा होता है जो पास के गेठिया की रहनेवाली होती है। सेट पर वह हमेशा मधुमति के कॉस्ट्यूम में ही रहती है।

बिमल रॉय अपने गीतों के माध्यम से अपनी बात कहने की काबिलियत रखते हैं। जंगल में जाते हुए दिलीप कुमार उस स्थान पहुँच जाते हैं जहाँ लिखा है - उस पार जाना मना है।

वह जंगल और बहती हुई छिछली नदी को देखते हैं और उस अदृश्य बाधा के पार चले जाते हैं।

उस पार जाते ही गीत शुरू होता है- " मैं तो कबसे खड़ी हूँ इस पार, ये अँखियाँ थक गई पंथ निहार, आ जा रेsss परदेसी "

आ जा रेsss परदेसी' महज एक गीत नहीं है। स्क्रीन पर मधुमति के दिलचस्प किरदार का वह पहला परिचय है। पहाड़ से गिरते धुआँधार झरने के नीचे पत्थर पर खड़ी गाती हुई मधुमति एक जलपरी सी दीख रही है। दिलीप कुमार के नीचे जाते ही गायब हो जाती है। वह लड़खड़ाती, बलखाती, हिरन की तरह दौड़ती, जादुई धुंध और जंगल के बीच लुका छिपी खेल रही है। कैमरामैन दिलीप गुप्ता इस दृश्य में कोहरा पैदा करने के लिए बहुत सारे स्मोक बम का इस्तेमाल करते हैं। गाते गाते मधुमति कोहरे की मोटी चादर में गुम हो जाती है। ' तुम संग जनम जनम के फेरे, भूल गए क्यों साजन मेरे' गीतकार शैलेन्द्र के इस बोल में एक चिरंतन प्रेम की अभिव्यक्ति है जो कई जन्मों से परे है। मधुमति का वो विश्वास भरी प्रतीक्षा शाश्वत प्रेम की एक कड़ी है।

मैं नदियां फिर भी मैं प्यासी, भेद ये गहरा बात ज़रा सी'....इस बोल पर मधुमति का पहला क्लोज अप शॉट आता है। उसके बाद एक खिले हुए फूल का शॉट, बहती हुई नदी के धार के साथ वर्षों से इंतज़ार करती शुद्ध प्रेम की अप्सरा मधुमति नज़र आती है। इस गीत में अतीत का रहस्य, वर्तमान का आकर्षण और भविष्य का विवेक तीनों उजागर होता है।

दिलीप कुमार की फिल्म गंगा जमुना की शूटिंग की तैयारी ईगतपुरी में हो रही है। इस फिल्म में मुख्य किरदार दिलीप कुमार और बैजयंती माला ही निभा रहे हैं। दिलीप कुमार बिमल दा को सुझाव देते हैं कि आप बचे हुए मधुमति के गाने और सीन की शूटिंग ईगतपुरी और बॉम्बे में कर लीजिए क्योंकि हम शूटिंग के लिए कुमाऊँ जा नहीं पाएँगे। बिमल दा के पास दूसरा कोई विकल्प नहीं होता। आर्ट डायरेक्टर सुधेन्दु रॉय कहते हैं कि ईगतपुरी की छोटी पहाड़ी से कुमाऊँ के पहाड़ और घाटी का मेल हम करा भी देते हैं लेकिन कुमाऊँ के लंबे देवदार और चीड़ के पेड़ हम कहाँ से लाएँगे ? बिमल दा सिगरेट का कश लेते हैं फिर सोचते हुए कहते हैं सुधेन्दु, इसका भी उपाय है।

ईगतपुरी के विल्सन डैम (वैतरणा बांध) के पास बड़े बड़े ट्रकों में भरकर लाए गए चीड़ और देवदार के कटे पेड़ उतारे जाते हैं। आर्ट डायरेक्टर की टीम दो दिन में जगह जगह चीड़ के पेड़ और कुमाऊँ के जंगली फूल लगा देते हैं। अगले दिन विल्सन डैम के पास बैजयंती माला की सिडान कार आकर रुकती है। वह मधुमति का मेकअप किए गाड़ी से उतरती है। वहाँ गाना शूट होता है 'घड़ी घड़ी मोरा दिल धड़के, क्यूं धड़के'।

कुमाऊँ में छूटे हुए कुछ जंगल के सीन मुम्बई के आरे कॉलोनी के जंगल में भी शूट किए जाते है।

मधुमति के शुरुआती हिस्से का सीन जहाँ दिलीप कुमार को पेंटिंग देखकर उनका पिछला जन्म याद आने लगता है। उसका सेट मुम्बई के मोहन स्टूडियो में लगाया जाता है। दिलीप कुमार ईगतपुरी से अपनी फिल्म गंगा जमुना की शूटिंग छोड़कर सुबह 9 बजे स्टूडियो पहुँच जाते हैं जबकि बिमल रॉय दस बजे शूटिंग पर आते हैं। दिलीप कुमार तंज करते हुए कहते हैं वेलकम बिमल दा। बिमल दा मुस्कुरा भर देते हैं। लंच से पहले तक बिमल दा दस शॉट पूरे कर लेते हैं अगले शॉट की तैयारी के समय अचानक असिस्टेंट कैमरामैन चुन्नी चटर्जी चिल्लाते हैं - बिमल दा, ओह्ह....गड़बड़ हो गया। मैंने कैमरा का शटर खोलना ही भूल गया। सबलोग एक दूसरे का मुँह ताकते हैं क्योंकि लिये गए कोई भी शॉट्स कैमरा में कैप्चर ही नहीं हुए। समय और पैसे की सरासर बर्बादी। लेकिन बिमल दा फटकार के एक शब्द भी नहीं कहते हैं। शांत चित्त मुद्रा में बैठे वे बस एक आवाज़ देते हैं - लंच ब्रेक।

पूरी यूनिट स्टूडियो की पहली मंजिल पर डाइनिंग हॉल में चली जाती है। डायनिंग टेबल पर दिलीप कुमार खाना खाते हुए शिकायत करते हैं 'दादा, दस शॉट्स की बर्बादी। आपकी जगह अगर मैं होता तो कैमरामैन और उनके उस असिस्टेंट को अभी के अभी निकाल बाहर फेंकता।' बिमल दा शांत मुद्रा में खाना खाते हुए कहते हैं यूसुफ, सोचो अगर ये बात पैक अप के बाद पता चलती फिर क्या होता ? अभी हम सब सेट पर हैं दुबारा शूट कर लेंगे। दिलीप कुमार कहते हैं सैल्यूट है आपको... आप कमाल हैं बिमल दा।

बिमल दा एक परफेक्शनिस्ट डायरेक्टर रहे हैं। दृश्य में प्रकृति की खूबसूरती और वास्तविक विजुअल लाने के लिए दुर्गम लोकेशन पर शूटिंग करते हैं। इसकी वजह से आऊटडोर शूटिंग 45 दिन का हो जाता है। फिल्म का बजट आठ से दस लाख बढ़ जाता है। बिमल दा ऐसे इंसान नहीं है कि शूटिंग के बाद तय हुए बजट को ख़ारिज कर वितरकों को बजट बढ़ाकर बताएँ। वे अपने वितरकों पर बहुत भरोसा करते हैं। लेकिन धर्मसंकट यह है कि इस दस लाख के ओवर बजट के नुकसान से कैसे निपटा जाए। कोई भी वितरक एक रुपया डालने के लिए तैयार नहीं है। यह बात दिलीप कुमार को पता चलती है। वे बिमल दा की बहुत इज्ज़त करते हैं। उनको मालूम है कि दादा बिजनेस में थोड़ा कच्चे हैं।

दिलीप कुमार अपने प्रिय फिल्मकार को इस मुसीबत से निकालने के लिए बिमल दा के साथ सारे वितरकों को लंच पर आमंत्रित करते हैं। लंच टेबल पर दिलीप कुमार सारे वितरकों को सम्बोधित करते हुए बताते हैं कि मधुमति लाजवाब फिल्म बनी है। इसको ज़्यादा से ज़्यादा बेहतर बनाने में फिल्म ओवर बजट हुआ है। इस नुकसान की भरपाई के लिए मैं अपनी फीस में से 70 हज़ार रुपया छोड़ता हूँ। आपलोग को नुकसान नहीं होगा क्योंकि मैं आपके साथ हूँ। अब आपलोगों से इल्तिजा है कि आपलोग भी इसमें सहयोग करें। दिलीप कुमार के ये कहते ही सारे वितरक दस लाख के नुकसान की भरपाई के लिए तैयार हो जाते हैं। दिलीप कुमार की लंच डिप्लोमेसी मधुमति जैसी फिल्म को बंद डिब्बे से बाहर निकाल देती है।

12 सितम्बर 1958 को सबसे पहले कलकत्ता में फिल्म मधुमति रिलीज होती है। उसके एक हफ़्ते बाद 19 सितम्बर को मुम्बई में फिल्म प्रदर्शित होती है। थिएटर में फिल्म लगते ही हाऊसफुल जाने लगती है इसमें सलिल दा की म्यूजिक अहम भूमिका निभाती है। उसके साथ फिल्म के क्लाइमेक्स में दो बैजयंती माला को लाकर जो ट्विस्ट पैदा किया जाता है उससे दर्शक विस्मित और चकित रह जाते हैं। वे दुबारा तिबारा फिल्म को देखने जाते हैं।

मधुमति बहुत ही आसानी से सिल्वर जुबली हो सकती है लेकिन मुम्बई का रॉक्सी सिनेमा 24 हफ्ते पूरे होते ही फिल्म को उतार देता है। उस ज़माने में फिल्म के सिल्वर जुबली होते ही सिनेमा हॉल मालिक द्वारा सिनेमा स्टाफ को अच्छे बोनस बाँटने का रिवाज था। उस बोनस के पैसे को बचाने के लिए सिनेमा थिएटर के मालिक मधुमति को सिल्वर जुबली नहीं होने देता है। 25 लाख में बनी मधुमति चार करोड़ का व्यवसाय करती है।

1959 में 6वां फिल्मफेयर अवॉर्ड के 12 कैटेगरी में फिल्म मधुमति नामांकित होती है। जिसमें 9 अवॉर्ड जीतकर 37 साल तक रिकॉर्ड कायम रखती है। बेस्ट फिल्म, बेस्ट डायरेक्टर, बेस्ट म्यूजिक, बेस्ट सिंगर, बेस्ट डायलॉग, बेस्ट सहायक अभिनेता, बेस्ट आर्ट डायरेक्टर, बेस्ट छायांकन और बेस्ट सम्पादन।

लेकिन बेस्ट कहानी के लिए ऋत्विक घटक की जगह पंडित मुखराम शर्मा को फिल्म साधना के लिए फिल्मफेयर मिलता है।

जूनियर एनटीआर-प्रशांत नील की फिल्म पर आया बड़ा अपडेट

आरआरआर के बाद जनियर एनटीआर की लोकप्रियता में गजब का इजाफा देखने को मिला है। इस फिल्म के बाद उनके विदेशी फैंस की संख्या में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। फिलहाल, इन दिनों वे अपनी आगामी फिल्म देवरा को लेकर चर्चा में हैं। कोरताला शिवा के निर्देशन में बनी इस फिल्म का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। इस बीच उनके एक और प्रोजेक्ट पर बड़ा अपडेट आया है।

फिल्म को लेकर आया ये अपडेट

देवरा के बाद जूनियर एनटीआर प्रशांत नील के साथ काम करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक केजीएफ और सलार की तरह इस फिल्म को भी बड़े स्केल पर बनाया जाएगा। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि यह प्रोजेक्ट इस साल अगस्त के महीने से शुरू हो सकता है। रिपोर्ट की मानें तो फिल्म को दो भाग में रिलीज किया जाएगा। इससे पहले के कई रिपोर्ट में बताया गया था कि फिल्म अप्रैल में शुरू हो जाएगी। हालांकि, ऐसा नहीं हो सका।

देवरा को लेकर चर्चा में जूनियर एनटीआर

फिलहाल, आरआरआर अभिनेता देवारा–पार्ट 1 और वॉर 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं। देवरा में जान्हवी कपूर और सैफ अली खान भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म के कलाकारों में प्रकाश राज, श्रीकांत, शाइन टॉम चाको भी शामिल हैं। फिल्म देवरा को भारी भरकम बजट में बनाया जा रहा है। मेकर्स का दावा है कि लोगों को फिल्म का वीएफएक्स हैरान कर देगा। इस 10 अक्तूबर को रिलीज करने की तैयारी है।